# नज्मुल हुदा

(मार्गदर्शन का सितारा)

लेखक
**हज़रत मिर्ज़ा गुलाम अहमद, क़ादियानी**
मसीह मौऊद व महदी मा'हूद अलैहिस्सलाम

# नज्मुल-हुदा
## (हिदायत का सितारा)

**लेखक**

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी

मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम

| | |
|---|---|
| नाम पुस्तक | : नज्मुल-हुदा (हिदायत का सितारा) |
| लेखक | : हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी<br>मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम |
| अनुवादक | : सय्यद मुहियुद्दीन फ़रीद मुरब्बी सिलसिला, (एम.ए. हिन्दी) |
| सैटिंग | : नईम उल हक़ कुरैशी मुरब्बी सिलसिला |
| संस्करण | : प्रथम संस्करण (हिन्दी) जुलाई 2020 ई० |
| संख्या | : 500 |
| प्रकाशक | : नज़ारत नश्र-व-इशाअत,<br>क़ादियान, 143516<br>ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब) |
| मुद्रक | : फ़ज़्ले उमर प्रिंटिंग प्रेस,<br>क़ादियान, 143516<br>ज़िला-गुरदासपुर (पंजाब) |

| | |
|---|---|
| Name of book | : Najmul Huda |
| Author | : Hazrat Mirza Ghulam Ahmad Qadiani<br>Masih Mou'ud W Mahdi Mahood Alaihissalam |
| Translator | : Syed Mohiuddin Farid<br>Murabbi Silsila, (M.A. Hindi) |
| Setting | : Naeem Ul Haque Qureshi Murabbi Silsila |
| Edition | : 1st Edition (Hindi) July 2020 |
| Quantity | : 500 |
| Publisher | : Nazarat Nashr-o-Isha'at, Qadian,<br>143516 Distt. Gurdaspur, (Punjab) |
| Printed at | : Fazl-e-Umar Printing Press,<br>Qadian 143516<br>Distt. Gurdaspur (Punjab) |

# प्रकाशक की ओर से

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद साहिब क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी मा'हूद अलैहिस्सलाम द्वारा लिखित पुस्तक 'नज्मुल-हुदा' का यह हिन्दी अनुवाद श्री सय्यद मुहियुद्दीन फ़रीद मुरब्बी सिलसिला, (एम. ए. हिन्दी) ने किया है और तत्पश्चात आदरणीय शेख़ मुजाहिद अहमद शास्त्री (सदर रिव्यू कमेटी), आदरणीय फ़रहत अहमद आचार्य (इंचार्ज हिन्दी डेस्क), आदरणीय अली हसन एम. ए., आदरणीय नसीरुल हक़ आचार्य, आदरणीय इब्नुल मेहदी एम. ए. और आदरणीय सय्यद मुहियुद्दीन फ़रीद एम.ए. ने इसका रीव्यू किया है। अल्लाह तआला इन सब को उत्तम प्रतिफल प्रदान करे।

इस पुस्तक को हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ (जमाअत अहमदिया के वर्तमान ख़लीफ़ा) की अनुमति से हिन्दी प्रथम संस्करण के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है।

विनीत

हाफ़िज़ मख़्दूम शरीफ़

नाज़िर नश्र व इशाअत क़ादियान

# लेखक परिचय

## हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी अलैहिस्सलाम

हज़रत मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम का जन्म 1835 ई० में हिन्दुस्तान के एक कस्बे क़ादियान में हुआ। आप अपनी प्रारंभिक आयु से ही ख़ुदा की उपासना, दुआओं, पवित्र क़ुरआन और अन्य धार्मिक पुस्तकों के अध्ययन में व्यस्त रहते थे। इस्लाम जो कि उस समय चारों ओर से आक्रमणों का शिकार हो रहा था, उसकी दयनीय अवस्था को देख कर आप अलैहिस्सलाम को अत्यंत दुख होता था। इस्लाम की प्रतिरक्षा और फिर उसकी शिक्षाओं को अपने रूप में संसार के सम्मुख प्रस्तुत करने के लिए आपने 90 से अधिक पुस्तकें लिखीं और हज़ारों पत्र लिखे और बहुत से धार्मिक शास्त्रार्थ और मुनाज़रात किए। आपने बताया कि इस्लाम ही वह ज़िन्दा धर्म है जो मानवजाति का संबंध अपने वास्तविक सृष्टिकर्ता से स्थापित कर सकता है और उसी के अनुसरण से मनुष्य व्यवहारिक तथा आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है।

छोटी आयु से ही आप सच्चे स्वप्न, कश्फ़ और इल्हाम से सुशोभित हुए। 1889 ई० में आपने ख़ुदा तआला के आदेशानुसार बैअत[1] लेने का सिलसिला प्रारंभ किया और एक पवित्र जमाअत की नींव रखी। इल्हाम व कलाम का सिलसिला दिन प्रति दिन बढ़ता गया और आपने ख़ुदा के आदेशानुसार यह घोषणा की कि आप अंतिम युग के वही सुधारक हैं जिस की भविष्यवाणियाँ संसार के समस्त धर्मों में भिन्न-भिन्न नामों से उपस्थित हैं।

आपने यह भी दावा किया कि आप वही मसीह मौऊद व महदी माहूद हैं जिसके आने की भविष्यवाणी आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम ने की थी। जमाअत अहमदिया अब तक संसार के 200 से अधिक देशों में स्थापित हो चुकी है।

---

1 **बैअत**- किसी नबी, रसूल, अवतार या पीर के हाथ पर उसका मुरीद होना- अनुवादक

1908 ई० में जब आप का स्वर्गवास हुआ तो उसके पश्चात पवित्र क़ुरआन तथा आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की भविष्यवाणियों के अनुसार आपके आध्यात्मिक मिशन की पूर्णता हेतु खिलाफ़त का सिलसिला स्थापित हुआ। अत: इस समय हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ आप के पंचम ख़लीफ़ा और विश्वस्तरीय जमाअत अहमदिया के वर्तमान इमाम हैं।

# पुस्तक परिचय

## नज्मुल-हुदा
(हिदायत का सितारा)

इस पुस्तक की प्रकाशन तिथि 20 नवम्बर 1898 ई० है। यह पुस्तक हज़रत मसीह मौऊद व महदी माहूद अलैहिस्सलाम ने केवल एक दिन में लिखी। गुरुवार को आप ने लिखना आरम्भ किया और शुक्रवार की सुबह आपने इसे पूर्ण कर दिया। (नज्मुल-हुदा, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द -14, पृष्ठ-18 उर्दू संस्करण)

सर्व प्रथम यह पुस्तक बड़े आकार में प्रकाशित की गई थी। इस में तीन भाषाओं अरबी, उर्दू, फ़ारसी और अंग्रेज़ी के लिए चार कॉलम रखे गए थे। असल पुस्तक हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने अरबी भाषा में लिखी थी और इसका उर्दू अनुवाद भी स्वयं ही किया था। लेकिन फ़ारसी अनुवाद अन्य मित्रों ने किया (नज्मुल-हुदा, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द -14, पृष्ठ-19 उर्दू संस्करण) अभी अंग्रेज़ी अनुवाद नहीं हुआ था कि आपने यह पुस्तक प्रकाशित कर दी। नज्मुल-हुदा का अंग्रेज़ी अनुवाद दूसरी ख़िलाफ़त के समय में 'खान बहादुर चौधरी अबुल हाशिम खान साहिब' ने किया और "The Lead Star" के नाम से प्रकाशित किया।

हमने हिन्दी प्रथम संस्करण हेतु इस पुस्तक का आकार 20X26 रखा है और इसको प्रकाशित करने के लिए अरबी को जो इसकी मूल भाषा है ऊपर कॉलम में और नीचे उसके हिन्दी अनुवाद को वर्णन कर दिया है तथा इसके फ़ारसी अनुवाद को छोड़ दिया है। इस पुस्तक के लिखने का उद्देश्य आप ने 'इन्कार करने वालों पर समझाने के अंतिम प्रयास को पूर्ण करना और उम्मत के बेसुध तथा लापरवाह लोगों से सहानुभूति' बताया है इसलिए कि आप के निमंत्रण को स्वीकार करने में उनकी भलाई है और यह उन लेखों की प्रतिक्रिया है जो उन दिनों विरोधियों की ओर से निकले। और इस पुस्तक में

इस्लाम के उत्कृष्ट रहस्य वर्णन किए गए हैं। और यह पुस्तक विरोधियों के लिए एक फ़रियाद है। (नज्मुल-हुदा, रूहानी ख़ज़ायन जिल्द -14, पृष्ठ 18-19 उर्दू संस्करण)

इस पुस्तक में हज़रत अक्दस अलैहिस्सलाम ने आंहज़रत सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के पवित्र नामों ''अहमद'' और ''मुहम्मद'' की वास्तविकता अत्यंत रोचक शैली में वर्णन की है और आप सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम के ऐसे गुणों तथा उपकारों का वर्णन किया है जिन से आंहुज़ूर सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम का समस्त नबियों से महान और सर्वोत्कृष्ट होना प्रकट होता है। तथा हुज़ूर अलैहिस्सलाम ने दज्जाली फ़ित्नों और उनके दूर करने के लिए स्वयं का ख़ुदा तआला की ओर से आदेशित व अवतरित होना, अकाट्य तर्कों द्वारा सिद्ध किया है।

# نجم الهدیٰ

الحمد لله الذی خلق الاشیاء کلها فأودع من جمال خلقها، وبرء نفوس الناس لنفسه فسوّاها وعالج بوجهه قلقها. وأتقن کل ما صنع وحسّن وأبدع وأحکم، وأضاء الشمس وأنار القمر وأنعم علی الإنسان وأعزّه وأکرم. والصّلٰوة والسّلام علی رسوله النبیّ الاٴمّی محمد أحمد نالذی کان إسماه هذان أول أسماء عُرضت علیٰ آدم بما کانا علّة غائیة للنشأة الاولیٰ و کانا فی علم الله أشرف وأقدم. فهو أوّل النبیین درجة لهذین الاسمین وآخرهم

## नज्मुल-हुदा

(हिदायत का सितारा)

समस्त प्रशंसाएं उस ख़ुदा के लिए हैं जिस ने समस्त वस्तुओं को पैदा किया और प्रत्येक वस्तु में एक प्रकार की सुंदरता रखी। उसने मनुष्य के दिलों को अपने लिए बनाया और अपने अस्तित्व के साथ उनकी असहजता को दूर किया और जो कुछ बनाया अत्यधिक मज़बूत बुनियाद वाला और अत्यंत नए ढंग का और सुदृढ़ बनाया और सूरज को रोशन किया और चांद को चमकाया और इंसान को सम्मान और प्रतिष्ठा का पद प्रदान किया और उसके अनपढ़ रसूल पर दरूद और सलाम हो जिसका नाम मुहम्मद और अहमद है। ये दोनों उसके वे नाम हैं कि जब हज़रत आदम के समक्ष समस्त वस्तुओं के नाम प्रस्तुत किए गए थे तो सबसे पहले यही दो नाम प्रस्तुत हुए थे। क्योंकि इस संसार के स्रजन हेतु वही दो नाम मूल कारण बने हैं और ख़ुदा तआला के ज्ञान में वही सर्वश्रेष्ठ

بما ختم الله عليه كل ما علّم النبيين وفهّم، وأكمل كل ما أوحى إليه وألهم. وبما أعطاه الله آخر المعارف وجمع فيه ما أخّر وقدّم، وأرسله إلى كل أسود وأبيض، واختاره لإصلاح كل أعمٰى وأصمّ وأبكم وضمّخه بعطر نعمه أزيد مما ضمّخ أحدا من الانبياء، وعلّمه من لدنه، وفهّمه من لدنه، وعرّفه من لدنه، وطهّره من لدنه، وادّبه من لدنه، وغسله من لدنه بماء الاصطفاء، فوجب عليه حمد هذا الرب الذى كفل كل أمره بالاستيفاء، وادخله تحت رداء الايواء، وأصلح كل شأنه بنفسه من غير منّة الاساتذ

और सर्वप्रधान हैं। इसलिए आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम इन दोनों नामों के कारण समस्त नबियों (अलैहिमुस्सलाम) से प्रथम स्थान पर हैं और इस कारण से कि आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर समस्त नुबुव्वतों के ज्ञान समाप्त हो गए और आप पर पूर्ण और सारगर्भित रूप में वह्यी उतारी गई और अंतिम मआरिफ़ और वह सब कुछ जो पहलों और पिछलों को दिया गया था, आप को प्रदान हुआ। इन समस्त कारणों से आप ख़ातमुल-अंबिया ठहरे और प्रत्येक गोरे और काले की ओर आपको भेजा और प्रत्येक अंधे और बहरे और गूंगे के सुधार हेतु आपको पसंद किया और ख़ुदा तआला ने अपनी नेअमतों के इत्र से आपको इतना अधिक सुगन्धित किया कि इस से पहले कोई नबी और रसूल नहीं किया गया। ख़ुदा ने अपने पास से आप को ज्ञान दिया और अपने पास से समझ प्रदान की और अपने पास से ख़ुदा को पहचानने का सामर्थ्य प्रदान किया और अपने पास से पवित्र किया और अपने पास से अदब सिखलाया और अपने पसंद किए हुए पानी से नहलाया। इसलिए आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम पर उस ख़ुदा की प्रशंसा करना अनिवार्य हो गया जो

والآباء والامراء، وأتمّ عليه من لدنه جميع أنواع الآلاء والنعماء. فحمده روح النبيّ بحمد لا يبلغ فكر إلى أسراره، ولا تدرك ناظرة حدود أنواره، وبالغ فى الحمدحتى غاب وفنا فى أذكاره. وأمّا سبب هذا الحمد الكثير وسرّ إحماده، فهو بحار فضل الله وموالات امداده، وعناية الله التى ما وكلته طرفة عين إلى سعيه واجتهاده، حتى شغفه وجه الله حُبًّا وأوحده فى وداده، ففار قلبه لتحميد هذا المحسن حتى صار الحمد عين مراده. وهذه مرتبة ما أعطاها الله لغيره من الرسل والانبياء والابدال والاولياء ، فإنهم وجدوا

उसके प्रत्येक कार्य का स्वयं संरक्षक हुआ और अपनी पनाह की चादर के नीचे स्थान दिया और आंहज़रत का प्रत्येक कार्य अपनी विशेष कृपा से, बिना किसी शिक्षकों और बापों और अमीरों की सहायता के बनाया और अपने पास से उस पर प्रत्येक प्रकार की नेअमतें पूरी कीं। अत: नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की रूह ने ख़ुदा तआला की वे प्रशंसा की, कि कोई बुद्धिमान उसके भेदों तक नहीं पहुंच सकता और कोई आंख उसके नूरों की सीमाओं को नहीं पा सकती और उसने ख़ुदा की प्रशंसा को पूर्णता तक पहुंचाया यहां तक कि उसकी याद में गुम और फ़ना हो गया और उसकी इतनी प्रशंसा करने और ख़ुदा तआला को प्रशंसनीय ठहराने का भेद यह था कि ख़ुदा तआला ने निरंतर उस पर अपनी कृपा की और वह सहायता उनके साथ रही कि जिस ने एक क्षण के लिए भी उस को अपनी कोशिश और प्रयासों का मोहताज न किया। यहाँ तक कि ख़ुदा तआला ने उस के दिल को चीर कर उसमें प्रवेश किया और अपने प्रेम में उस को अद्वितीय बनाया। अत: उस प्रिय की प्रशंसा के लिए उस के दिल ने जोश मारा और ख़ुदा तआला की प्रशंसा उसके दिल की मुराद हो गई और यह

بعض معارفهم وعلومهم ونعمهم بوساطة العلماء والآباء والمحسنين وذوى الآلاء، وأما نبينا صلى الله عليه وسلم فوجد كل ما وجد من حضرة الكبرياء، ونال ما نال من منبع الفضل والإعطاء، فما فارت قلوب الآخرين للحَمد كما فار قلب نبيّنا لحمد مُنعم تولّى أمره وحده من جميع الانحاء فلاجل ذالك ما سُمّى أحدٌ منهم باسم أحمد، فإنه ما أثنى على الله أحدٌ منهم كمحمّدٌ وما وحّد، و كان فى نعمهم مزج أيدى الإنسان، وما علّمهم الله كعلمه وما تولّى كل أمورهم و ما أيّد. فلا مهدى إلّا محمد ولا أحمد إلّا محمد على وجه الكمال، وهذا سرٌّ لا يفهمه إلّا قلوب

---

वह स्थान है कि उसके अतिरिक्त रसूलों और नबियोँ और अब्दालों और वलियों में से किसी को नहीं दिया गया क्योंकि उन लोगों ने अपने कुछ माअरिफ और ज्ञान और नेअमतें, ज्ञानियों और बापों और अहसान करने वालों के माध्यम से पाईं थीं। परन्तु हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने जो कुछ पाया ख़ुदा की ओर से पाया और जो कुछ उन को मिला उसी फज़ल के स्रोत से मिला। अत: दूसरों के दिल ख़ुदा की प्रशंसा के लिए ऐसे जोश में न आ सके जैसा कि हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का दिल जोश में आया क्योंकि उनके प्रत्येक कार्य का प्रबंधकर्ता ख़ुदा ही था। अत: इसी कारण से कोई नबी या रसूल पहले नबियोँ और रसूलों में से अहमद के नाम से पुकारा नहीं गया क्योंकि उनमें से किसी ने ख़ुदा की तौहीद और उसकी प्रशंसा इस प्रकार नहीं की जैसा कि आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने की, और उनकी नेअमतों में इन्सान के हाथ की मिलावट थी और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की तरह उन को समस्त ज्ञान बिना किसी माध्यम के नहीं दिए गए और उनके समस्त कार्यों का बिना किसी माध्यम के ख़ुदा प्रबंधकर्ता नहीं हुआ और न समस्त

الابدال. ثم إذا كان حمده بإيثار وجه الله والإقبال عليه بنفى أهواء النفس والحفد إليه بإخلاص وصدق وتوحيد، فرجع الله اليه صلة منه ما أرسل إلى ربّه من تحميد، و كذالك جرت سُنّته بكل صديق وحيد، فحُمِّد مُحمّدُنا فى الارض والسماء بأمر ربّ مجيد. وفى هذا تذكرة للعابدين، وبشرى لقوم حامدين. فإن الله يردّ الحمد إلى الحامد ويجعله من المحمودين، فيُحمد فى العالمين، ويوضع له القبولية فى الارض فيثنى عليه كل من كان من الصالحين.وهذا هو كمال حقيقة العبودية، ومآل أمر النفوس المطهرة، ولا يعرفها إلّا الذى أُعطى حظًّا من المعرفة.وهذا هو غاية

---

कार्यों में बिना किसी माध्यम के उनकी सहायता की गई। अत: पूर्ण रूप में आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के अतिरिक्त कोई महदी नहीं और न पूर्ण रूप में आप के अतिरिक्त कोई अहमद है और यह वह भेद है जिसको केवल अब्दाल (पुनीत पुरुष) के दिल समझ सकते हैं और कोई दूसरा समझ नहीं सकता और फिर जबकि आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की प्रशंसाएं इस कारण से थीं कि उन्होंने ख़ुदा तआला को अपना लिया था और तामसिक इच्छाओं से अलग हो कर ख़ुदा की ओर ध्यान देने लग गए और निष्ठा, सच्चाई और एकेश्वरवाद से उसकी ओर दौड़े थे। इसलिए ख़ुदा ने वे प्रशंसाएं पुरस्कार स्वरूप उनकी ओर लौटा दीं और समस्त सच्चाई के प्यारों से उसका यही ढंग है कि वह हामिद (प्रशंसा करने वाले) को महमूद (प्रशंसनीय) बना देता है। अत: हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पृथ्वी और आकाश में प्रशंसा की गई और इस वृतांत में उपासकों के लिए याद रखने योग्य बात है और ख़ुदा के प्रशंसकों के लिए इसमें ख़ुशख़बरी है क्योंकि ख़ुदा प्रशंसा करने वालों की प्रशंसा को उसी की ओर लौटा देता है, और उस को प्रशंसा करने योग्य ठहराता देता है। अत:

نـــوع الإنســـان، و كمـــاله المطلـــوب فى تعبّـــد الرحمٰن.وهـــذا هـــو الذى تنتهـــى إليـــه آمـــال الاولياء ، و يختتـــم عليـــه ســـلوك الطلبـــاء ، وتســـتكمل بهـــا العنايـــة نفـــوس الاصفيـــاء. وهـــذا هـــو لُـــبُّ أعبـــاء الشـــريعة، ونتيجـــة المجاهـــدات فى المـــلّة، وســـرّ مـــا نـــزل بـــه النامـــوس مـــن الحضـــرة عـــلى قلـــب خيرالبريّـــة، عليـــه أنـــواع الســـلام والصـــلاة والـــبركات والتحيّـــة. يرغـــب فيـــه المجاهـــدون، و إلى الله متبتّلـــون، الذيـــن فى خيـــام حبّـــه يســـكنون، وبـــه يحيـــون، وله يموتـــون، وعليـــه يتوكلـــون، ولحكمـــه بصـــدق القلـــب يُطيعـــون، ولامـــره بهمـــل العـــين يتّبعـــون، وفى مرضاتـــه يفنـــون، وفى أحزانـــه يذوبـــون، وبأنســـه يبقـــون. وله تتجـــافى

---

संसार में उसकी प्रशंसा की जाती है और उसको स्वीकार करने वाले पृथ्वी में बढ़ते जाते हैं। अत: प्रत्येक जो सत्प्रवृति है उसकी प्रशंसा करता है और यही इबादत की वास्तविकता की पूर्णता और पवित्र लोगों का ठिकाना है और इस स्थान को अध्यात्मिक लोगों के अतिरिक्त और कोई नहीं पहचानता और इन्सान की पराकाष्ठा और आराधना का महान उद्देश्य है। यही वह विषय है जो औलिया (ख़ुदा के भक्तों) की आशाओं का चरमोत्कर्ष और तालिबों (इच्छुकों) के प्रयत्नों की पराकाष्ठा है और इसी के साथ ख़ुदा की सहायता प्रतिष्ठित लोगों को पूर्ण करती है और यही शरियत के बोझों का मूल उद्देश्य और धार्मिक मुजाहिदों का परिणाम है, और यह उन बातों का रहस्य है जो हज़रत जिब्राईल अलैहिस्सलाम, आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की ओर लाए। अत: उस नबी पर सलाम और बरकतें और दरूद और उपहार हों। इसी उपरोक्त विषय के लिए इबादत करने वाले कोशिश करते हैं और अन्य वे जो ख़ुदा की ओर झुकते हैं और उसके प्रेम के घरों में रहते हैं और उसी के साथ जीवित और उसी के लिए मरते हैं और उस पर पूर्णत: विश्वास रखते और दिल की सच्चाई के साथ उसका आज्ञा पालन

جنوبهم من المضاجع ويتحنّثون، ويبيتون سُجّدًا وقيامًا ولا يغفلون، ويأخذهم القلق فيذكرون حِبَّهم ويبكون، وتفيض أعينهم من الدمع وفى آناء الليل يصرخون ويتأوّهون، ولا يعلم أحد إلى أى جهة يُجذبون ويُقلّبون. يُصبّ عليهم مصائب فبصدقهم يتحمّلون، ويُدخلون فى نيران فيُقال: سلام فيُحفظون ويُعصمون. أولئك هم الحامدون حقّا وأولئك هم المقدسون والنجيّون، فطوبى لهم ولمن صحبهم فإنهم المنفردون، والشافعون المشفّعون. وهذه مرتبة لا تُعطى إلَّا لمحبوبى الحضرة، وإنما جاء الإسلام لتبيين تلك المنزلة ليُخرج الناس من وهاد المنقصة،

---

करते हैं और बहते हुए आंसुओं के साथ उसके आदेशों का पालन करते हैं और उसकी प्रसन्नता की राहों में फ़ना होते हैं और उसके दुखों में दुखी होते हैं और उसके प्रेम के साथ जीवन पाते हैं और उसके लिए रात को अपने बिस्तरों से अलग होते हैं और उसकी इबादत करते हैं और नमाज़ों में रात गुज़ारते हैं और लापरवाही नहीं करते और चिंताओं से आंसू बहाते हैं और रात के समय में फरियाद करते और आहें भरते हैं। कोई नहीं जानता कि किस ओर खींचे जाते और फेरे जाते हैं। उन पर मुसीबतें पड़ती हैं तो वे सहन करते हैं, आग में डाले जाते हैं तो कहा जाता है कि 'सलाम' और बचा लिए जाते हैं। वही सच्ची इबादत करने वाले और ख़ुदा के करीबी और हमराज़ हैं और उनको ख़ुशख़बरी हो और उनके साथियों को क्योंकि वे सिफारिश करने वाले और उनकी सिफारिश स्वीकार की गई है और यह वह स्थान है जो ख़ुदा के प्रियों के अतिरिक्त और किसी को नहीं मिलता और इसी को बताने के लिए इस्लाम आया है ताकि क्षति के गड्ढे से लोगों को निकाले और पवित्रता की सीमा में पहुँचाए और भलाई के स्थान तक पथ प्रदर्शन करे और लापरवाहों को उस धमकी से व्याकुल करे कि अलग करने

ويوصلهم إلى حظيرة القدس ويهدى إلى مقام السعادة، و يُنذر الغافلين ويصدم قلوبهم بوعيد مُدى القطعيّة،

وما تعلم ما الحمد والتحميد، ولِمَ اعلى مقامه الربّ الوحيد.وكفى لك من عظمته أن الله ابتدأ به كتابه الكريم، ليُبيّن للناس عظمة الحمد ومقامه العظيم. وأنّه لا يفور من قلبٍ إلَّا بعد المحويّة والذوبان، ولا يتحقق إلَّا بعد الانسلاخ ودوس أهواء النفس الثعبان، ولا يجرى على لسان إلَّا بعد اضطرام نار المحبة فى الجنان بل لا يتحقق إلَّا بعد زوال أثر الغير من الموهوم والموجود، ولا يتولّد إلَّا بعد الاحتراق فى نار محبّة المعبود.فمن ألقى نفسه فى هذه النار، فهو يحمد الله بقلب موجع وسر محو

---

के लिए छुरियां तैयार हैं।

और तुझे क्या ख़बर है कि 'हम्द' कहते किस को हैं और क्यों उसका इतना ऊंचा स्थान है और उसकी महानता समझने के लिए तेरे लिए यह पर्याप्त है कि ख़ुदा ने क़ुर्आन शरीफ की शिक्षा को 'हम्द' से ही शुरू किया है ताकि लोगों को 'हम्द' के स्थान की बुलंदी समझाए जो किसी के दिल में से सिवाए विनम्रता और गहन चिंतन के जोश नहीं मार सकती और वस्तुत: हम्द उसी समय सिद्ध होती है जबकि तामसिक इच्छा का डंक कुचला जाए और सांसारिक मोह-माया का चोला उतार लिया जाए और यह हम्द किसी ज़बान पर जारी नहीं हो सकती सिवाए पहले दिल में प्रेम की आग भड़के बल्कि यह अस्तित्व में आ ही नहीं सकती जब तक कि अन्य वस्तुओं का नामो-निशान पूर्णता समाप्त न हो जाए और पैदा नहीं हो सकती जब तक कि एक व्यक्ति प्रेम की आग में अपने पैदा करने वाले के लिए जल न जाए और जो व्यक्ति स्वयं को उस आग में डाल दे, तो वही अपने दर्दमंद दिल और उस भेद से जो ख़ुदा में लीन है ख़ुदा की इबादत करेगा और

فى الحبيب المختار. وهو الذى يُدعى فى السماء باسم أحمد ويُقرّب ويُدخَل فى بيت العزّة وقصارة الدار، وهى دار العظمة والجلال يُقال استعارة أن الله بناها لذاته القهار، ثم يُعطيه لحمّاد وجهه فيكون له كالبيت المستعار، فيُحمد هذا الرجل فى السماء والارض بأمر الله الغفّار، ويُدعىٰ باسم مُحمّد فى الافلاك والبلاد والديار، ومعناه أنه حُمّد حمدًا كثيرًا واتفق عليه الاخيار من غير الإنكار. وإن هذين الاسمين قد وُضعا لنبيّنا من يوم بناء هذه الدار، ثم يُعطيان للذى صار له كالاظلال والآثار، ومن أُعطى من هذين الاسمين بقبس فقد أُنير قلبه بأنواع الانوار، وقد جرى على شفتى الرسول المختار. أن الله يرزق منهما

वह वही व्यक्ति है जिसको आसमान में अहमद के नाम से पुकारा जाता है और निकट किया जाता है और सम्मान के घर और महलों में दाखिल किया जाता है और वह प्रतिष्ठा और प्रताप का घर है जिसको रूपक के तौर पर कह सकते हैं कि ख़ुदा ने उसको स्वयं के लिए बनाया और फिर उस घर को कुछ दिनों के लिए उसको दे देता है जो ख़ुदा की इबादत करते हों। अत: ख़ुदा तआला के आदेशानुसार पृथ्वी तथा आकाश में इस व्यक्ति की प्रशंसा की जाती है और आकाश और पृथ्वी में मुहम्मद के नाम से पुकारा जाता है जिस का यह अर्थ है कि बहुत प्रशंसा किया गया और ये दोनों नाम हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के लिए संसार के आरम्भ से बनाए गए हैं। फिर इसके बाद उस व्यक्ति को ऋण के रूप में दिए जाते हैं जो आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के लिए प्रतिरूप के तौर पर हो और जिस व्यक्ति को इन दोनों नामों से एक चिंगारी दी गई तो उसका हृदय कई प्रकार के नूरों से रोशन किया गया और स्वयं रसूलुल्लाह के मुख पर जारी हुआ था कि ख़ुदा तआला अंतिम युग में अपने एक बंदे में ये दोनों विशेषताएं

عبدا له فی آخر الزمان کما جاء فی الاخبار، فاقرئوا ثم فکّروا یا أولی الابصار. فالغرض أن الاحمدیة والمحمدیة أمر جامع دُعِیَ الموحّدون إلیه ولا یتم توحید نفس إلّا بعد أن یری فی وجوده تحقق جنبیه. ولا تصیر نفس مطمئنة، ولا تتنزل علی قلب سکینة، إلّا أن یکون سابحا فی هذه اللجّة، ولا ینجو أحدٌ من مکائد الامّارة. إلّا أن یحصل له حظٌ من هذه المرتبة. والذین بعدوا منها وما أخذوا منها حصّة ترهقهم ذلّة فی هذه ویوم القیامة. هم الذین یمشون علی الارض کغثاء علی السیل، کأنّما أُغشیت وجوههم قطعًا من اللّیل، یتولدون محجوبین ویعیشون محجوبین ویموتون محجوبین. أولئك الذین أعرضت قلوبهم عن حمد ربهم

एकत्र कर देगा जैसा की हदीसों में लिखा है, अत: हे बुद्धिमनों! इन हदीसों को पढ़ो और सोचो। अब उद्देश्य यह है कि अहमदियत और मुहम्मदियत एक ऐसी ठोस तालीम है कि समस्त एकेश्वरवादी इसकी ओर बुलाए गए हैं और किसी व्यक्ति में पूर्ण रूप में एकेश्वरवाद पैदा नहीं होता जब तक कि ये दोनों बातें उसमें सिद्ध न हों और कोई व्यक्ति संतुष्ट नहीं हो सकता और न किसी दिल पर संतुष्टि नहीं हो सकती जब तक कि वे उस दरिया में तैरने वाला न हो और कोई व्यक्ति तामसिक वृत्ति के छल से बच नहीं सकता जब तक कि उस को यह स्थान प्राप्त न हो और जो लोग इस स्थान की वास्तविकता को नहीं पहचानते और न इसमें से कोई हिस्सा लिया, वे इस संसार और कयामत में लज्जित होगा। वे वही हैं जो सैलाब के कूड़ा करकट की तरह पृथ्वी पर चलते हैं और ऐसे दुष्ट चरित्र हैं कि जैसे एक टुकड़ा रात्रि का उनके मुख पर है। वे पर्दों में पैदा होते हैं और पर्दों ही में जीते हैं और पर्दों ही में मरते हैं। ये वही लोग हैं जिनके दिल ख़ुदा तआला की प्रशंसा करने से बचते रहते हैं और दूसरों की प्रशंसा में उन्होंने अपनी आयु नष्ट कीं।

وضيّعوا أعمارهم فى حمد أشياء أخرى أو رجال آخرين. فبُشرى لنا معشر الإسلام قد بُعث لنا نبىّ بهذه الصفة. وهذا الكمال التام، وسُمّى أحمد ومحمد من الله العلّام، ليكون هذان الاسمان بلاغا للأمة وتذكيرا لهذا المقام. الذى هو مقام الفناء والانقطاع والانعدام، لترغب الأمّة فى هذه الصفات وتتبع اسمى خير الأنام. وقد نُدب عليهما إذ قيل حكايةً عن الرسول: ، فَاتَّبِعُوْنِىْ يُحْبِبْكُمُ اللّٰهُ فاهتزّت أرواحنا عند وعد هذا الجزاء والإنعام، وقلوبنا مُلئت شوقا وصارت أشكالها ككؤوس المدام، وما أعظم شأن رسول ما خلا اسمه من وصيّة للامّة، بل ملاء من تعليم الطريقة، ويهدى إلى طرق المعرفة، وأُشير

अत: हम जो इस्लाम की जमाअत हैं हमें ख़ुशख़बरी हो कि हमें अहमदियत और मुहम्मदियत की विशेषताओं वाला नबी मिला और उसका नाम ख़ुदा तआला की ओर से अहमद और मुहम्मद हुआ ताकि उसके दोनों नाम लोगों के लिए एक तबलीग़ हों और इस स्थान के लिए यह एक याद कराने वाला हो। वह स्थान जो फना और अल्लाह के अतिरिक्त अन्य उपासकों से अलग होने और पृथक होने का स्थान है ताकि उम्मत इन विशेषताओं की ओर ध्यान दे और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के इन दोनों नामों का अनुसरण करें और क़ुर्आन शरीफ में अनुसरण के लिए बुलाया गया है जबकि रसूल के मुख से कहा गया कि आओ मेरा अनुसरण करो ताकि ख़ुदा तुम से प्रेम करे। अत: यह सुनकर कि यह पुरस्कार हमारी रूहें हरकत में आईं और हमारे दिल प्रेम से भर गए और उनकी शक्लें इस प्रकार हो गई जैसा कि शराब से भरे हुए मटके होते हैं और इस रसूल की क्या ही बुलंद शान है **जिसका नाम भी वसीयत से खाली नहीं।** बल्कि ख़ुदा को ढूंढने के मार्ग की इससे शिक्षा मिलती है और अनुभूति के मार्ग की ओर वह मार्गदर्शन करता

فى اسميه إلىٰ مُنتهى مراحل سُبُل حضرة العزّة، واومى إلى نقطة ختم عليها سلوك أهل المعرفة. اللّٰهم فصلّ عليه وسلم، وآله المطهرين الطيبين، وأصحابه الذين هم أسود مواطن النهار و رهبان الليالى ونجوم الدين، رضى الله عنهم أجمعين.

أمّا بعد. فهذه رسالة فيها بيان ما استبضعت متاعًا من ربّى، وما نبع فى زمان ملامح السراب من عين فى سربى، بإذن مولىً مُربّى. وشرعتها يوم الخميس وختمتها بكرة عروبة من غير أن أكابد الصعوبة. وإنى ألّفت هذه الرسالة إتماما للحجّة، وبادرت إليها شفقة على الغافلين من هذه الامّة، ومثلتُ تحنّنًا على الضعفاء من هذه

है, और इसमें उस रहस्य की ओर इशारा है जिस पर अनुभूति प्राप्त लोगों के मार्ग समाप्त होते हैं और ख़ुदा को पहचानने के अंतिम मार्ग की ओर इशारा है, अत: हे ख़ुदा! इस नबी पर सलाम और दरूद भेज और उसकी वंश पर जो पवित्र और पाक है और उसके असहाब (साथियों) पर जो दिन के मैदानों के शेर और रातों के उपासक हैं और इस्लाम के सितारे हैं। ख़ुदा की प्रसन्नता उन सब के साथ है।

इसके पश्चात स्पष्ट हो कि यह एक पुस्तक है जिसमें इस चीज़ का वर्णन है जो व्यापारिक माल के रूप में मेरे रब से मुझ को मिला है और उस उद्गम स्रोत का वर्णन है जो मृगतृष्णा के समय में मेरे पालनहार ख़ुदा की आज्ञा से मेरे दिल में फूटा और मैंने उस को गुरूवार के दिन आरंभ करके शुक्रवार की सुबह पूरा कर दिया बिना इसके कि जो मुझको कोई कष्ट पहुंचा और मैंने इस पत्रिका को समझाने के अंतिम प्रयास को पूर्ण करने के उद्देश्य से प्रकाशित किया है और इस उम्मत के लापरवाहों की हमदर्दी के लिए मैंने जल्दी से यह कार्य किया और मैं सेवक की भांति इस कार्य के लिए इस्लामी

العصبـة، وإنى أرى فى دعـوتى صـلاح الرجـال منـهم والنسـوة، ولـو كانـت رابعـة بنسـكها والعفّـة. وعوّضتهـا عمـا أشـاع المخالفـون فى هـذه الايـام، وأودعتهـا مـن نـكات المعـارف ودقائـق مـلّة الإسـلام. وهـذه لـهم كغـواث فى لسـانين مـنى ومـن فـور محبّـتى، وزاد الإنجليزيّـة والفارسـية عليهـا بعـض أحبّـتى، ومـا وهنـوا ومـا اسـتقالوا بـل حفـدوا إلى إسـعاف مُنيـتى، وكلّ هـذا مـن ربّى كافـل خُطّـتى. لا رادّ لإرادتـه، ولا صـادّ لمشـيته، ولا مانـع لفضـله، ولا كافـئ لنصـله. ولقـد كادت أنـوار الإسـلام تغـرب، وأنـواءه تعـزب، لـولا أن الله تـدارك الامّـة عـلى رأس هـذه المائـة، وتـلافى المحـل بمزنـة الرحمـة والعاطفـة، فاشـكروا هـذا المـولى المحسـن إن كنتـم

जमाअत के कमज़ोरों के लिए खड़ा हुआ। क्योंकि मेरे निमंत्रण को स्वीकार करने में उनके पुरुषों और महिलाओं की भलाई है। यद्यपि अपनी इबादत और पवित्रता की दृष्टि से अपने समय की राबेया हो और यह उन लेखों का बदल है जो इन दिनों में विरोधियों की ओर से निकली और इसमें मैंने उत्तम से उत्तम इस्लाम के रहस्य और बारीक बातें वर्णन कीं हैं और यह पुस्तक विरोधियों की प्यास को बुझाने वाली है जिसको मैंने प्रेम के जोश से दो भाषाओं में लिखा है और मेरे कुछ मित्रों ने फ़ारसी, अंग्रेज़ी भाषा में (अनुवाद) किया है और वे न सुस्त हुए और न इस कार्य से क्षमा चाही बल्कि मेरी इच्छा को पूरा करने के लिए दौड़े और यह सब कुछ मेरे ख़ुदा की कृपा से है और उसके इरादा को कोई बदल नहीं सकता और उसकी इच्छा को कोई रोक नहीं सकता, उसकी कृपा को कोई मना करने वाला नहीं, उसकी तलवार को कोई पीछे हटाने वाला नहीं और यदि वह इस उम्मत का सदी के आरम्भ में सुधार न करता और अकाल के दिनों में अपनी कृपा और मेहरबानी से भरपाई न करता तो इस्लाम के समस्त नूर डूब चुके थे और धार्मिक बारिशों

مؤمنين. وإنّ رسالتى هذه قد خُصّت بقومى الذين أبوا دعوتى، وقالوا أفيكة أفّاك وحسبوها فريتى، وظنوا أنها عضيهة وهتكوا بسوء الظن عرضى وحرمتى، فألجأنى وجدى المتهالك إلى النصيحة والمواساة، والله يعلم ما فى صدور عباده وهو عليم بالنّيات، ومُطّلعٌ على المخفيّات، وخبير بما فى العالمين. وإنى لا أرى حاجة فى هذه الرسالة إلى أن اكتب دلائل الملّة الإسلامية، أو أُنمّق نبذًا من فضائل خير البرية، عليه معظمات السلام والتحية، فإن الإسلام دين عظيم وقويم أُودع عجائب الآيات، ونبيّنا نبى كريم ضُمّخ بطيب عميم من البركات، وصيغ من نور رب الكائنات، وجاء نا عند شيوع الضلالات، وسفر

के सितारे ओर दूर चले गए थे। अत: यदि तुम मोमिन हो तो उस कृपालु ख़ुदा का धन्यवाद करो और मेरी यह पुस्तक मेरी क़ौम के लिए विशेष है जिन्होंने मेरे निमंत्रण से इंकार किया और यह कहा कि यह एक बहुत बड़े झूठे का झूठ है और मेरी बातों को मनगढ़त समझा और विचार किया है कि यह एक झूठ है और कुधारणा से मेरा अपमान किया। अत: मेरे दुख और पीड़ा ने जो चरम तक पहुंचा हुआ है नसीहत और सहानुभूति की ओर मुझे ध्यान दिलाया और ख़ुदा तआला अपने बन्दों की नियतों को जानता और उनके छुपे हुए भेदों पर ज्ञान रखता है और वह समस्त संसार के हालात से अवगत है और मैं इस पत्रिका में इस बात की ओर कोई आवश्यकता नहीं पाता कि इस्लाम धर्म की वास्तविकता पर तर्क लिखूं या कुछ विशेषताएं आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की वर्णन करूं। क्योंकि इस्लाम वह महान धर्म है जो विचित्र निशानों से भरा हुआ है और हमारा नबी वह पवित्र नबी है जो ऐसी सुगंध से भरा गया है जो समस्त तत्पर लोगों तक पहुंचने वाली और अपनी बरकतों के साथ उन को ढकने वाली है। वह नबी ख़ुदा के नूर से

عن مرأى وسيم، وأرج نسيم للإ!فاضات. وشنّ على سرب البا ّطل من الغارات، وترائى فى صدقه كأجلى البديهيات. وإنّه هدى قومًا كانوا لا يرجون لقاء الرحمن، و كانوا كأموات ما بقى فيهم روح الإيمان والعمل والعرفان، و كانوا يعيشون يائسين. فهداهم وهذّبهم ورفعهم و اوصلهم إلى أعلى مدارج المعرفة، و كانوا من قبل يشركون ويعبدون تماثيل من الحجارة، ولا يؤمنون بالله الاحد الصمد ولا بيوم الآخرة و كانوا يعكفون على الاصنام، ويعزون إليها كل ما هو قدر الله الحكيم العلَّام، حتى عزوا إليها إنزال المطر من الغمام، وإخراج الثمار من الاكمام، وخلق الاجنّة فى الارحام، و كل أمر الحياة

बनाया गया और हमारे पास गुमराहियों के प्रसार के समय आया और अपना सुंदर मुख हम पर प्रकट किया और अपनी सुगंध को हमें फ़ैज़ पहुंचाने के लिए फैलाया और उसने झूठों पर धावा किया और अपने ताराज (लूट) से उसको नष्ट कर दिया और अपनी सच्चाई में चमकते हुए स्पष्ट प्रमाणों के साथ प्रकट हुआ। उसने उस क़ौम को हिदायत फ़रमाई जो ख़ुदा से मिलने की आशा नहीं रखते थे जिन में ईमान और नेकी के कार्यों को पहचानने की रूह न थी और निराशा की अवस्था में जीवन व्यतीत करते थे और उन को हिदायत दी और सभ्य बनाया और धार्मिक ज्ञान के उत्तम दर्जे तक पहुंचाया और इससे पहले वे एक से अधिक ख़ुदाओं की उपासना करते थे और पत्थरों की पूजा करते थे और एकेश्वरवाद और कयामत पर उनका विश्वास नहीं था और वे बुतों (मूर्तियों) पर गिरे हुए थे और ख़ुदा तआला की क़ुदरतों को बुतों की ओर मंसूब करते थे, यहां तक कि बारिश का बरसाना और फलों का निकलना और बच्चों का गर्भाशय में पैदा करना और प्रत्येक कार्य जो जीवन और मृत्यु से संबंधित थे समस्त कार्यों को बुतों की ओर मंसूब किया करते

والحمـــام.و كان يعتقـــد كل منـــهم وثنـــه معوانـــا، وعنـــد النوائـــب مســـتعانا، وعنـــد الاعمـــال ديّانـــا. و كانَ كل منـــهم يُهـــرع إلى تلـــك الحجـــارة حريصًـــا، ويحفـــد إليهـــا مســـتغيثا. و كذالـك تركـوا ضـوء النهـار واتخـذوا الليـل مقامًـا، وأدلـج كلّ فيـــه وأحبّـــوا ظلامًـــا. و كانـــوا يهتـــزّون بهـــا هـــزّة مـــن فـــاز بالمـــرام، أو كمـــن أكثبـــه قنـــص فأخـــذه مـــن غـــير رمـــى الســـهام، و كانـــوا قـــد علـــق بقلبـــهم أنـــهم يُعطَـــوْن كلّ مرادهـــم مـــن الاصنـــام، وحســـبوا أن الله منـــزّه عـــن تلـــك الاهتمـــام، وزعمـــوا أنـــه أعطـــى لآلهتـــهم قـــوة وقـــدرة فى عالـــم الارواح والاجســـام، و كســـاهم رداء أُلوهيّتـــهٖ بالإعـــزاز والإكـــرام، وهـــو مســـتريح عـــلى عرشـــه وفـــارغ مـــن هـــذه المهـــام. وهـــم

था और प्रत्येक उनमें से आस्था रखता था कि उनका एक बहुत बड़ा सहायक बुत ही है जिस की वह पूजा करता है और वही बुत कठिनाइयों के समय उसकी सहायता करता है और उसके कर्मों का उनको बदला देता है और प्रत्येक उन में से उन्ही पत्थरों की ओर दौड़ता था और उन्हीं के आगे प्रार्थना किया करते थे और इसी प्रकार उन्होंने रोशनी को छोड़ा, रात को अपने रहने का ठिकाना बनाया और अंधेरे से प्रेम करके रात में दाखिल हुए और बुतों के साथ वे लोग ऐसे प्रसन्न होते थे जैसे कि कोई एक मुराद पाकर प्रसन्न होता है या जैसे कि वह व्यक्ति प्रसन्न होता है जिसके काबू में सरलता से जंगली शिकार आ जाता है और बिना तीर चलाए पकड़ा जाता है और उनके हृदय में यह बात घर कर गई थी कि उनके बुत समस्त मुरादे उनकी दे सकते हैं और वे लोग सोचा करते थे कि ख़ुदा तआला इन कष्टों से विमुख है कि किस को मुराद दे और किसी को पकड़े, और उसने ये समस्त शक्तियां और कुदरतें जो लौकिक और अलौकिक संसार से संबंधित हैं उनके बुतों को दे रखीं हैं और सम्मान प्रदान करने के साथ ख़ुदा की शक्तियोँ की चादर उनको प्रदान कीं हैं और ख़ुदा

يشــفعون عبدتــهم ويُنجّــون مــن الآلام، ويُقرّبــون إلى الله زُلفَى ويُعطـون مقصد المسـتهام. وكانـوا مـع تلـك العقائـد يعملــون السـيئات وبهـا يتفاخـرون، ويزنـون ويسـرقون، ويأكلـون أمـوال اليتامـى مـن غـير الحـق ويظلمـون، ويسـفكون الدمـاء وينهبـون، ويقتلـون نفوسـا زكيّـة ولا يخافـون. ومـا كان جريمـة إلّا فعلوهـا، ومـا مـن آلهـة باطـلة إلّا عبدوهـا. أضاعـوا آداب الإنسـانية، وزايلـوا طـرق أخـلاق الإنسـيّة، وصـاروا كالوحـوش البريّـة، حـتى أكلـوا لحـم الابنـاء والإخـوان، وخضمـوا كل جيفـة وشـربوا الدمـاء كالالبـان، وجـاوزوا الحـد فى المنكـرات وأنـواع الشـقا، وفعلـوا مـا شـاءوا كاوابـد الفـلا، ولـم يـزل شـعراؤهم

अर्श पर आराम कर रहा है और इन झंझटों से विमुख है और उनके बुत उनकी सिफारिश करते हैं और उनको पीड़ा से मुक्त करते हैं और ख़ुदा की प्रसन्नता उनके द्वारा प्राप्त होती है और भटके हुए लोगों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाते हैं और इन सिद्धांतों के बावजूद पुन: दुष्कर्म करते थे और इन सब पर गर्व करते थे और व्यभिचार करते, चोरी करते और अनाथों का अनुचित माल खाते और अत्याचार करते और खून करते और लोगों को लूटते और बच्चों का वध करते और थोड़ा सा भी न डरते और न कोई पाप था जो उन्होंने नहीं किया और न कोई झूठा देवता था जिसकी पूजा नहीं की। इंसानियत के शिष्टाचार को नष्ट किया और मानवता से दूर जा पड़े और क्रूर जानवर की भांति हो गए यहाँ तक कि बेटों और भाइयों का मांस खाया और प्रत्येक मृतक को निरंतर लालच के साथ खाया और रक्त को इस प्रकार पिया जैसे कि दूध पिया जाता है और कुकर्म और ख़ुदा की अवज्ञा में सीमा पार कर गए और जंगली जानवरों की भांति जो कुछ चाहा किया और सदा उनके कवि अपमानजनक शब्दों से महिलाओं का अपमान करते और उनके हाकिमों का कार्य जुआ खेलना और

يلو! كـون أعـراض النسـاء ، وأمـراء هـم يداومـون عـلى الخمـر والقمـار والجفـاء. و كانـوا إذا بخلـوا يتلفـون حقـوق الإخـوان واليتامٰـى والضعفـاء ، وإذا أنفقـوا فينفقـون أموالـهم فى البطـر والإسـراف والريـاء واسـتيفاء الاهـواء. و كانـوا يقتلـون أولادهـم خوفـا مـن الإمـلاق والخصاصـة، ويقتلـون بناتـهم عـارًا مـن أن يكـون لـهم ختـن مـن شـركاء القبيـلة. و كذلـك كانـوا يجمعـون فى أنفسـهم أخلاقـا رديّة،وخصـالا رذيـلة مهلكـة، حـتى كثـر فيـهم حـزب المقرفـين الزنيمـين، وعاهـرات متخـذات أخدانـا والزانـين. والذيـن كانـوا يُخالفـون آثـار مهيعـهم فكانـوا يخافـون عنـد نصحـهم عـلى عرضـهم ونفسـهم وأهـل مربعـهم. فالحاصـل أن العـرب كان

शराब पीना और बुरे कार्य करना था और जब कंजूसी करते थे तो भाइयों और अनाथों और गरीबों के अधिकार खत्म कर देते थे और जब धन खर्च करते थे तो अय्याशी और व्यर्थ के खर्च और व्यभिचार और तामसिक इच्छाओं को पूरा करने में खर्च करते और स्वयं की इच्छाओं को चरम तक पहुंचाते थे और वे लोग अपने बच्चों को दरवेशी और ग़रीबी के भय से मार देते थे और पुत्रियों को इस निर्लज्जता के साथ मारते थे ताकि उनके साथियो में से उनका कोई दामाद (जमाई) न बने और इस प्रकार उन्होंने अपने अन्दर नीच और बुरी आदतें एकत्र कीं हुई थीं यहां तक कि उन में से एक गिरोह अकुलीन और अवैध संतान का हो गया था और महिलाएं व्यभिचारों से संबंध रखने वाली और पुरुष व्यभिचारी पैदा हो गए और जो लोग उनके मार्ग का विरोध करते हैं वे नसीहत देते समय अपने सम्मान और जान और घर के विषय में भयभीत होते थे इसीलिए अरब के लोग एक ऐसे लोग थे जिनको कभी उपदेश सुनने का अवसर नहीं मिला और नहीं जानते थे कि संयम और परहेज़गारी क्या चीज़ हैं और उनमें कोई ऐसा न था जो कि अपनी बातों में सच्चा और अपने मामलों का निर्णय करने में न्याय

قـوم لـم يواجهـوا فی مـدة عمرهـم تلقـاء الواعظـين، و كانـوا لا يـدرون مـا التقـى ومـا خصـال المتقـين، ومـا كان فيـهم مـن كان صادقـا فی الـكلام غـير جـافٍ عنـد فصـل الخصـام. فبينمـا هـم فی تلـك الاحـوال وأنـواع الضـلال والفسـاد فی الإقـوال والاعمـال والإفعـال. اذ بُعـث فيـهم رسـولٌ مّـن أنفسـهم فی بطـن مكـة، و كانـوا لا يعلمـون الرسـالة والنبـوة ومـا بلغـهم رس مـن أخبارهـا ومـا دروا هٰـذه الحقيقـة، فأبـوا وعصـوا و كانـوا عـلى كفرهـم وفسـقهم مصرّيـن. وحمـل رسـول الله صـلّى الله عليـه وسـلم كل جفائـهم وصـبر عـلى إيذائـهم، ودفـع السـيئات بالحسـنة، والبغـض بالمحبـة، ووافاهـم كالمحبّـين المواسـين. وطالمـا سـلك فی سِـكك مكـة كوحيـد طريـد،

प्रिय हो अतः उसी समय में जबकि वे लोग उन हालात और उन उपद्रवों में ग्रस्त थे और उनकी समस्त बातें और कार्य उपद्रवों से भरे हुए थे। ख़ुदा तआला ने मक्का में उनके लिए रसूल पैदा किया और वे नहीं जानते थे कि रिसालत और नुबुव्वत क्या चीज़ है और उस की वास्तविकता की कुछ भी ख़बर न थी अतः इंकार और नाफ़रमानी की और अपने कुफ्र और झूठ पर बल दिया और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उनके प्रत्येक अत्याचारों को सहन किया और ज़ुल्म पर धैर्य रखा और बुराई को नेकी के साथ और द्वेष को प्रेम के साथ टाल दिया, सहानुभूति करने वालों और प्रेम करने वालों की तरह उनके पास आए और एक लंबे समय तक आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अकेले और धुत्कारे हुए व्यक्ति की भांति मक्का की गलियों में फिरते रहे और नुबुव्वत की ताकत से (अपनी अपार सहन शक्ति से) प्रत्येक अज़ाब का मुक़ाबला किया और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की यह आदत थी कि रात को उठकर ख़ुदा तआला की इबादत किया करते और ख़ुदा तआला से उनके लिए रोशनी और फ़ज़ल और रहमत मांगते, यहां तक कि दुआएं कबूल

وتصدّى بقوة النبوة لكل عذاب شديد، و كان يُقبل على الله كل ليلة، ويسأل الله انفتاح عيونهم ونزول فضل ورحمة، حتى استجيب الدعوات، وضاع مسكها وتوالى النفحات. ونزل أمر مقلّب القلوب، وأوتوا قوة من مُعطى الحب وزارع الحبوب، فبُدّلت الارض غير الارض بحكم حضرة الكبرياء وجُذبت النفوس إلى الدّاعى المبارك وسمع نداء ه قلوب السعداء ، وأفضى إلى مقتله كل رشيد من الصدق والوفاء .وجاهدوا بأموالهم وأنفسهم لابتغاء مرضاة الله الرحمٰن، وقضوا نحبهم لله الرحمٰن، وذُبحوا له ككبش القربان. وشهدوا بإهراق دمائهم أنهم قوم صادقون، وأثبتوا بأعمالهم أنهم لله مخلصون. و كانوا فى

---

कीं गईं और उनकी कस्तूरी की सुगंध फैली और सुगंध एक के बाद एक फैलनी शुरू हुई और दिलों को परिवर्तन करने वाले का आदेश उतरा और उस ज़ात (ख़ुदा) से उनको शक्ति प्रदान हुई जो प्रेम करने वालों को प्रदान करता है और दानों को उगाता है अंतत: ख़ुदा के आदेश से पृथ्वी में परिवर्तन लाया गया और आवाज़ देने वालों के दिल पवित्रता की ओर खींचे गए और अंतिम मार्ग की ओर प्रत्येक बुद्धिमान अपनी श्रद्धा और प्रेम से निकल आया और उन्होंने अपने धन और जान के साथ ख़ुदा की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिए प्रयास किए और अपनी जान कुर्बान करने के वादे को पूरा किया और उसके लिए इस प्रकार काटे गए जैसा कि क़ुरबानी का बकरा ज़िबह किया जाता है और उन्होंने अपने रक्त से गवाही दे दी कि वह एक सच्चे लोग हैं और अपने कर्मों से साबित कर दिया कि वे लोग ख़ुदा के मार्ग में ईमानदार हैं और कुफ्र के समय में वे लोग अन्धकार की जेल में क़ैद थे अत: इस्लाम को स्वीकार करने से उन को रोशन कर दिया और उनकी बुराइयों को

زمن كفرهم أسارىٰ فى سجن الظلام، فنُوِّروا بعد إجابة دعوة الإسلام، وبدّل الله سيئاتهم بالحسنات، وشرورهم بالخيرات، فبدّل غبوقهم بصلاة آناء الليل والتضرّعات، وصبوحهم بصلٰوة الصبح والتسبيحات والاستغفارات، وبذلوا أموالهم وأنفسهم بسبل الرحمٰن بطيب الجنان، عندما ثبت لهم صدق الرسول بكمال الإيقان. فإذا رأوا الحق فأتموا جهدهم فى استبراء زند الإيمان، وبلوا أنفسهم لاستشفاف فَرِند الاستيقان. فهذا هو الامر الذى شجّعهم وحدّ مداهم، ثم أشاد لهم ذكرىٰ هم وأحسن عقباهم. وهذا هو السمح الذى حبّب إلى الخلا ئق خلا!ئقهم، وأرى كنشر المسك المفتوت حقائقهم. وهذا هو سبب

---

अच्छाइयों के साथ और उनकी शरारतों को भलाई के साथ बदल दिया, रात-रात भर जाग कर शराब पीने की आदत को रात की नमाज़ों और दुआओं के साथ बदल डाला, सुबह-सुबह की शराब को सुबह की नमाज़ और तस्बीह और इस्तग़फ़ार (क्षमा याचना) के साथ बदल दिया, और उन्होंने पूर्ण विश्वास के पश्चात अपना धन और जान ख़ुदा तआला के मार्ग में प्रसन्नता के साथ खर्च किया और जब उन्होंने सच्चाई को देख लिया तब अपने प्रयासों द्वारा ईमान के पत्थर में से आग निकालने में अंतिम स्तर तक पहुंचाया और अपनी जानों को इसलिए ताकि विश्वास की तलवार की चमक को पूर्ण ध्यान और सब्र के साथ देखें, परीक्षा में डाला अत: यही वे कारण हैं जिसने उनको बहादुर कर दिया और उनके चाकूओं को तेज़ किया फिर उनके ज़िक्र को बुलंद किया और उनका अंत भला किया और यह वही बहादुरी है जिस ने लोगों के दिलों में उनके स्वभाव को प्रिय बनाया और उस कस्तूरी की सुगंध की भांति जो पीसी जाए उनकी आंतरिक वास्तविकता को दिखलाया और यही सब

اجـتراء جنانـهم، وانصـلات لسـانهم، وقـوة ايمانـهم، وعلـو عرفانـهم، ولاجـل ذلـك أهرقـوا نفوسـهم محبّـةً ووداًدا، حـتّى عـاد جمرهـا رمـاًدا، واتقـدوا بحـب الله اتقـاًدا، واعـدّوا النفـوس بسـبله إعـداًدا. وصـارت المصائـب عليـهم كالـبرد والسـلام، ونسـوا تكاليـف الحـرّ والضـرام. ومـن نظـر فى أنـهم كيـف تركـوا مـرا تعـهم الاولى، و كيـف جابـوا بِيـد الاهـواء ووصلـوا المـولَى، و كيـف بُدّلـوا وغُـيّروا، وطُهّـروا ومُحّصـوا، علـم باليقـين أنـه مـا كان إلَّا أثـر القـوة القدسـية المحمّديـة.

وبـه اصطفاهـم الله وأقبـل عليـهم بالتفضـلات الازليّـة. وإن الصحابـة أُخِـذوا بهـذا الاثـر مـن تحـت الثـرى ورُفِعـوا إلى

---

उनके दिल की दिलेरी और भाषा की वाग्मिता और ईमान की सुदृढ़ता और मारिफ़त की बुलंदी है और इसलिए उन्होंने अपनी जानों को प्रेम में जलाया यहाँ तक कि उनका कोयला राख की भांति हो गया और ख़ुदा तआला के प्रेम में भड़क उठा और उस के मार्गों के लिए खूब तैयारी की, मुसीबतें उनके लिए सलामती और ठंडक हो गईं और गर्मी और आग की तेज़ी को उन्होंने भुला दिया और जो व्यक्ति इस बात को ध्यान से देखे कि उन्होंने अपनी पहली चरागाहों को क्योंकर छोड़ दिया और क्योंकर वे अपनी इच्छा और हवस के जंगल को काटकर अपने ख़ुदा को जा मिले तो ऐसा व्यक्ति अवश्य जान लेगा कि वह समस्त पवित्र प्रभाव मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम की कुव्वते कुदसिया (पवित्र आचरण और दुआ) का था।

वह रसूल जिसको ख़ुदा ने चुना और अपनी असीमित कृपा प्रदान की और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की क़ुव्वत-ए-क़ुदसिया देखो कि सहाबा ज़मीन के नीचे से लिए गए और आसमान की बुलंदी तक पहुंचाए गए

سمك السماء ، ونُقِلوا درجة بعد درجة إلى مقام الاجتباء والاصطفاء.وقد وجدهم النبى كعجماوات لا يعلمون شيئا من تهذيب وتقاةولا يُفرّقون بين صلاح وهنات، فعلّمهم أوّلا آداب الإنسانية بالاستيفاء ، وفصّل لهم طرق التمدّن والثواء والطهارة والاستنان والسواك والخلالة بعد الضحاء والعشاء، والاستنتار عند البول والاستبراء عند الاستنجاء ، وقوانين المعاشرة والمدنيّة والاكل والشرب والكسوة والمداواة والاحتماء ، وأصول رعاية الصحة والاتقاء من أسباب الوباء، وهداهم إلى الاعتدال فى جميع الاحوال والانحاء. ثم إذا مرنوا عليها فنقلهم من التطهيرات الجسمانية إلى التحلّى بالاخلاق الفاضلة

और दर्जा ब दर्जा प्रतिष्ठा के स्थान तक पहुंचाए गए और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उन लोगों को जानवरों की भांति पाया कि वे एकेश्वरवाद और संयम के बारे में कुछ भी नहीं जानते थे और अच्छाई बुराई में अंतर नहीं कर सकते थे। अत: रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने उनको मानवता सिखाई और सभ्यता और रहन-सहन के मार्गों से विस्तृत रूप में अवगत कराया और उनके लिए पवित्रता के मार्गो को और दन्तों को साफ करना और दातुन करना खिलाल का प्रयोग, सुबह के खाने के पश्चात और शाम के खाने के पश्चात खिलाल करना, और मूत्र करने के बाद तुरंत न उठना, बल्कि बची बूंदों को निकालना ताकि वस्त्र गन्दे न हों और मूत्र या शौच के पश्चात् सफाई के लिए पानी का प्रयोग करना और समाज, संस्कृति, खाने पीने, वस्त्र, चिकित्सा, परहेज़ और स्वास्थ्य संबंधित नियम और बीमारियों के कारणों से बचने के नियम बयान किए और समस्त अवस्थाओं में मध्यम मार्ग को चुनने की वसीयत फ़रमाई। फिर जब शारीरिक शिष्टाचार अच्छी प्रकार सीख गए तो शारीरिक पवित्रता से स्थानांतरित करके रूहानियत के उच्च शिष्टाचार और ईमानी खसलत

الروحانية، والخصال المرضية المحمودة الإيمانية. ثم إذا رأى أنهم رسخوا فى محاسن الخصال، و كانت لهم ملكة فى إصدار الاخلاق المرضية على وجه الكمال، فدعاهم إلى سرادق القرب والوصال. وعلّمهم المعارف الإلهية، ووقم أعنّتهم إلى حضرة العزّة والجلال، ليترعوا من حدائق القرب لعاع الحب ويكون لهم عند الله زلفى وصدق الحال. فالغرض أن تعليم كتاب الله الاحكم ورسول الله صلى الله عليه وسلم كان منقسما على ثلا ثة أقسام. الاوّل أن يجعل الوحوش أناسًا، ويعلّمهم آداب الإنسانية ويهب لهم مدارك وحواسًا. والثانى أن يجعلهم بعد الإنسانية أكمل الناس فى محاسن الاخلاق. والثالث أن يرفعهم من مقام

की ओर खींचा ताकि उनके द्वारा रूहानी पवित्रता प्राप्त हो। फिर जब देखा कि वे लोग नेक आदतों में पक्के हो गए और सदाचरण पर उनको कुर्ब (ख़ुदा के सानिध्य) और वसाल (ख़ुदा से मिलाप) की चारदिवारी की ओर बुलाया और ख़ुदा तआला को पहचानने का ढंग उन को सिखलाया और ख़ुदा तआला की ओर उनके मुंह फेरे ताकि वे सानिध्य की चरागाहों से मुहब्बत का चारा चुगें ताकि उन्हें ख़ुदा तआला का सानिध्य और वास्तविक सच्चाई प्राप्त हो। अंततः सारांश यह है कि पवित्र क़ुर्आन की शिक्षा और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के उपदेश तीन प्रकारों में विभाजित थे। **प्रथम** यह कि गँवारों को इन्सान बनाया जाए और इंसानी शिष्टाचार और सूझबूझ उनको प्रदान की जाएँ और **द्वितीय** यह कि इंसानियत से बढ़कर शिष्टाचार की चरम सीमा तक उनको पहुंचाया जाए और **तृतीय** यह कि शिष्टाचार के स्थान से उनको उठा कर ख़ुदा तआला के प्रेम के स्थान तक पहुंचाया जाए और यह कि सानिध्य, आज्ञापालन, सामीप्ता, फना और तल्लीनता के स्थान उन को प्रदान हों, अर्थात वह स्थान जिस में गुण और अधिकार का निशान शेष नहीं रहता और ख़ुदा अकेला शेष

الاخلاق إلى ذرىٰ مرتبة حُبّ الخلّاق، ويوصل إلى منزل القرب والرضاء والمعية والفناء والذوبان والمحويّة، أعنى إلى مقام ينعدم فيه أثر الوجود والاختيار، ويبقى الله وحده كما هو يبقى بعد فناء هذا العالم بذاته القهّار. فهذه آخر المقامات للسالكين والسالكات، وإليه تنتهى مطايا الرياضات، وفيه يختتم سلوك الولايات. وهو المراد من الاستقامة فى دعاء سورة الفاتحة، وكل ما يتضرم من أهواء النفس الامّارة فتذوب فى هذا المقام بحكم الله ذى الجبروت والعزّة، فتفتح البلدة كلها ولا تبقى الضوضاة لعامة الاهواء. ويُقال لمن الملك اليوم. لله ذى المجد والكبرياء. وأمّا مرتبة

रह जाता है जैसा कि वह इस संसार के फ़ना के बाद अपने आस्तिव कह्हार (महाकोपी, ख़ुदा का एक नाम) के साथ बाकी रहता है, अत: यह सालिकों के लिए, क्या पुरुष और क्या महिलाए अंतिम स्थान है और इबादत करने वालो की समस्त चेष्टाएं उसी पर जा कर ठहर जाती हैं और इसी में औलिया की वलायत (ईश मिलन) की रहें समाप्त हो जाती हैं और वह दृढ़ता जिस का वर्णन सूरह फातिहा की दुआ में किया गया है उस से तात्पर्य यही ईश मिलन का मर्तबा है और तामसिक वृत्ति की जितनी इच्छाएं और वासना भड़कती है वह इसी मर्तबे में प्रतापवान और प्रतिष्ठावान ख़ुदा के आदेश से पिघलती हैं। अत: समस्त शहर विजय हो जाता है और तामसिक इच्छाओं का अनुसरण करने वाले लोगों का शोर शेष नहीं रहता और कहा जाता है कि आज किस का मुल्क है और यह उत्तर मिलता है कि सर्वशक्तिमान ख़ुदा का, परंतु जो स्थान शिष्टाचार और पवित्र कार्यों का है उसमें लापरवाही के समय दुश्मनों से अमन नहीं है क्योंकि जिन लोगों का व्यवहार शिष्टाचार तक ही सीमित होता है उनके लिए भी ऐसे किले बाकी होते हैं जिन पर विजय प्राप्त करना कठिन होता है और उनके विषय में

الاخلاق الفاضلة والخصال الحسنة المحمودة، فلا أمن فيها من الاعداء عند الغفلة، فإن لاهل الاخلاق تبقىٰ حصون يتعذّر عليهم فتحها، ويُخاف عليهم صول الامّارة إذا ضرم لتحها، ولا تصفوا أيام أهلها من النقع الثائر، ولا يُؤمّنون من السهم العائر.

فالحاصل أن هذه تعاليم الفرقان، وبها استدارت دائرة تكميل نوع الإنسان، وإنها لمعارف ما كفلها كتاب من الكتب السابقة، وما احتوتها صحيفة من الصحف المتقدّمة، فهذا إعجاز نبيّنا من حيث الصورة العلمية والعملية، ومعجزة الفرقان الكريم لكافة البريّة. ولقد انقضت وانعدمت خوارق النبيين الذين كانوا فى الازمنة

---

यह भय लगा रहता है कि तामसिक इच्छाएँ अपनी भूख के भड़कने के समय हमला न करें और जो व्यक्ति केवल शिष्टाचार तक ही अपना कमाल रखता है उसकी जिंदगी के दिन गंदगी से पवित्र नहीं रह सकते और ऐसे लोग हवाई बाणों से अमन में नहीं रह सकते।

अंतत: समस्त बातों का सारांश यह है कि यह जो हमने वर्णन किया है ये पवित्र क़ुर्आन की शिक्षा हैं और इन्हीं शिक्षाओं के साथ इंसान के ज्ञान तथा कर्म का क्षेत्र अपनी चरम सीमा तक पहुँचता है। और यह शिक्षाएं ऐसा अध्यात्मिक ज्ञान है कि पूर्व की पुस्तकों में से किसी पुस्तक में भी पाया नहीं जाता और न पूर्व ग्रंथों में से कोई ग्रंथ इन पर आधारित हुआ है। अत: हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का यह ज्ञान तथा कर्म सम्बन्धी चमत्कार है और पवित्र क़ुर्आन की समस्त संसार के लिए एक यह विशेषता है और पूर्व के नबियों के चमत्कार पहले ही खत्म हो गए परन्तु ये क़ुर्आन के चमत्कार क़यामत तक बाकी रहेंगे और ये जो हमने कहा कि क़ुर्आन ज्ञान और कर्म से परिपूर्ण चमत्कार है तो यह एक बेहूदा और व्यर्थ की बात नहीं बल्कि हमारे पास इस पर संतुष्ट अकाट्य

السابقة، ويبقى هذا إلى يوم القيامة. وأما ما قلنا أن القرآن معجزة علمية وعملية.. فليس هذا كحكايات واهية، بل عليه عندنا أدلّة قاطعة، وبراهين شافية مسكّنة. فاعلم أن إعجازه العلمى ثابت كالبديهيات، وليس عليه غبار من الشبهات. لانه كلام جامع وتعليم كامل أحاط جميع ضرورات الإنسان وسبيل الرحمٰن، وما غادر شيئا من دلائل الحق وإبطال الباطل ودقائق العرفان، مع بلاغة رائعة وعبارات مستعذبة وحسن البيان، وهذا أمر ليس فى قدرة الإنسان. وأما قولنا أنّها معجزة عملية فهى كشعبتها الاولى واقعة بديهية، ولا يسع فيها إنكار و خصومة. فإن تعاليم القرآن قد حيّرت العقلاء بتأثيراتها

तर्क और अखंड प्रमाण पर्याप्त मात्रा में हैं। अत: तू जान ले कि क़ुर्आन शरीफ का इल्मी मो'जिज़ा स्पष्ट बातों की तरह प्रमाणित है और इस पर किसी प्रकार के संदेहों की धूल नहीं क्योंकि वह एक ऐसा कलाम है जो अपने अन्दर आवश्यक शिक्षाओं, आवश्यक वसीयतों, मआरिफ़ (गूढ़ रहस्यों) और तर्कों को अपने अन्दर एकत्र रखता है। वह एक ऐसी पूर्ण शिक्षा है जो समस्त इंसानी आवश्यकताओं को जो ख़ुदा तआला तक पहुंचने के लिए आवश्यक होती हैं पूरी करता है और जो सच्चाई के सबूत में तर्क प्रस्तुत करना चाहे है और जिस प्रकार झूठे का खंडन लिखना चाहे या जिस ढंग और अनुमान से मआरिफ़त की बारीक बातें वर्णन करनी चाहे उनमें से एक बात को भी उसने नहीं छोड़ा और उस पर अधिक यह बात है कि उन समस्त शिक्षाओं और आदेशों और सीमाओं को अत्यधिक सरस, सुबोध, मधुर और सर्वप्रिय ढंग से प्रस्तुत किया और यह एक ऐसी बात है जो इंसानी सामर्थ्य से बाहर है और हमारा यह कथन कि क़ुर्आन जैसे कि इल्मी मो'जिज़ा है ऐसा ही वह अमली मो'जिज़ा भी है। इसलिए यह बात भी उसकी पूर्व शाख की भांति एक स्पष्ट घटना है और

العجيبة، وتبديلا تها الغريبة، وتنويرا!ته التى هى خارقة للعادة ومزيلة للملكات الرديّة الراسخة، وقد تسورت أسوار الطبائع الشديدة الزائغة، ودخلت بيوت القلوب القاسية كالصخرة، ووصلت إلى الذين كانوا يسكنون وراء الخنادق العميقة الممتنعة من القرائح السفلية الرذيلة، وألان الله بها الشديد، وأدنى البعيد، وأخرج الصدور من القبض إلى الانشراح، ومن الضيق إلى السعة، ورفع الحجاب، و أَرَى الحق والصواب، حتى أوصل المؤمنين إلى الإلهامات الصريحة، والكشوف الصادقة الصحيحة، وزرع حب الكرامات المستمرة الدائمة فى قاع صدور الامّة، فلاجل ذالك لا نفرّ عند طلب كرامة إلى زمن مضٰى، بل نرسوا

इंकार तथा लड़ाई का स्थान नहीं क्योंकि क़ुर्आन की शिक्षाओं ने अपने विचित्र प्रभावों से और विलक्षण बदलाव और प्रकाशों को हृदय में डालने से जो इंसानी शक्ति से परे हैं और अध्यात्मिक रूप से रद्दी परन्तु दृढ़ राष्ट्रों को दूर करने से अकल्मंदों को हैरान कर दिया और टेढ़ी और सख्त स्वभाव वाले लोगों की दीवार के ऊपर से कूदा है और जो कठोर दिलों के घर थे उनके अंदर दाखिल हो गया है और उन लोगों तक पहुंचा है जो गन्दे स्वभाव रखने के कारण गहरी और तंग गुफाओं से दूर रहते थे। ख़ुदा ने उसके साथ सख्त को नर्म और दूर को निकट कर दिया और सीनों को जकड़न से विस्तार की ओर, और तंगी से बढ़ोतरी की ओर फेर दिया और रुकावटों को दूर किया और सच्चाई को दिखाया। यहाँ तक कि मोमिनों को स्पष्ट इल्हामात और सच्ची ख्वाबों तक पुहंचा दिया और सदैव के चमत्कारों का दाना उनके दिलों की उपजाऊ ज़मीन में बो दिया। इसी कारण हम लोग चमत्कारों की मांग करके समय से पहले की ओर नहीं भागते बल्कि हम अपने स्थान पर सुदृढ़ रहते हैं और इंकार करने वालों को ख़ुदा के तारो-ताज़ा निशान दिखलाते हैं और हमारे विरोधियों के हाथ में कहानियों

عـلى مقامنـا ونُـرِى الْمُنْكِـرَ مـا حضـر غضًّـا طريًّـا مـن آى المـولىٰ. وليـس فى أيـدى عدانـا إلَّا القصـص الاولىٰ، ولا يثبـت ديـن بقصـص .بـل بأنـوار لا تنقطـع ولا تبلى.ثـم اعلـم أن هـذه معجـزة عظمـت شـعبتاه، و ضاعـت ريّـاه، وقـد جمعـت لتصديقهـا طوائـف الانـام، كمـا يجمعـون لحجّـة الإسـلام. وإنّـا نـرىٰ أن أحـدًا مـن أجـلّ الحكمـاء . إن توجّـه إلى تقويـم أود سـفيه مـن السـفهاء ، او إلى إنابـة فاسـق أسـير فى الفسـق والفحشـاء ، فيشـق عليـه قلـع عاداتـه، ولا يمكـن له تبديـل خيالاتـه. فمـا شـأن رجـل أصلـح فى زمـان يسـير ألوفًـا مـن العبـاد، ونقلـهم إلى الصـلاح مـن الفسـاد، حـتى انحـلّ تركيـب الكفـر واجتمـع شـمل الصـدق والسـداد. وتـلالات فى نفوسـهم

के अतिरिक्त और कुछ नहीं और केवल कहानियों के साथ कभी कोई धर्म सिद्ध नहीं हो सकता बल्कि उन नूरों से सिद्ध होता है जिनका कभी अंत नहीं होता और न कभी पुराने होते हैं। इसके पश्चात जान ले कि यह वह चमत्कार है जिस की दोनों शाखें महान हैं और जिस की सुगंध फैल रही है और उस की पुष्टि पर सभी लोग एकत्र हैं जैसा कि खाना काबा में हज के समय एकत्र होते हैं। और हम देखते हैं कि यदि कोई व्यक्ति प्रतिष्ठित, प्रतापी हकीमों में से इस बात की ओर ध्यान दे कि किसी मूर्ख नादान के स्वभाव के टेढ़ेपन को दूर कर दे या किसी झूठे व्यभिचारी की लत को उस की दुष्ट प्रवृत्ति से छुड़ा दे। अत: ऐसा करना उस हकीम पर कठिन हो जाएगा और उस झूठे के विचार को बदल देना उसके लिए असंभव होगा। अब देखो कि उस पुरुष की कैसी बुलंद शान है जिसने थोड़े से समय में हज़ारों लोगों का सुधार की और झगड़ों से प्रतिभा की ओर उनको फेर दिया। यहां तक कि उनका कुफ्र टुकड़े-टुकड़े हो गया और सच्चाई और ईमानदारी के समस्त भाग उनके अस्तित्व में जमा हो गए और उनके दिलों में परहेज़गारी के नूर चमक उठे और उनके माथे के

أنوار التقٰى، ولمعت فى أساريرهم سرائر حب المولىٰ، وعلت هممهم للخدمات الدينية، فشرّقوا وغرّبوا للدعوة الإسلامية، وأيمنوا وأشأموا لإشاعة الملّة المحمدية. وأنارت عقولهم فى العلوم الإلهية، ودقت أحلامهم لفهم الاسرار الربّانية. وحُبّب اليهم الصالحات، و كُرّه المعاصى والسيّئات. وأُنزلوا فى خيام الرشد والسعادة بعد ما كانوا يعكفون على الاصنام للعبادة، وما آلوا فى جهدهم وما تركوا جدهم للإسلام، حتى بلّغوا دين الله إلىٰ فارس والصين والروم والشام. ووصلوا إلى كُلِّ ما بسط الكفر جناحه، ووافوا كُلَّ ما شهر الشرك سلاحه، وما ردّوا وجوههم عن مواجهة الرّدَى، وما تأخّروا شبرًا وإن

निशानों में ख़ुदा से प्रेम का भेद एक चमकीली अवस्था में प्रकट हो गए और उनकी हिम्मतें धार्मिक सेवा के लिए बुलंद हो गईं और वे इस्लाम के प्रचार के लिए पूर्व और पश्चिम के देशों तक पहुंचे और इस्लाम धर्म के प्रचार के लिए उत्तर दक्षिण के देशों की ओर उन्होंने यात्रा की और उनकी अक्लें ख़ुदा के ज्ञान से लाभान्वित हुईं और उनके सोचने समझने के की शक्तियां ख़ुदा के भेदों को समझने के योग्य हो गई और नेक बातें स्वाभाविक रूप से उन को प्यारी लगने लगीं और बुरी बातों और गुनाहों से स्वाभाविक रूप से उन को घृणा पैदा हुई और सन्मार्ग तथा सौभाग्य के घरों में वे उतारे गए। इसके बाद जो बुतों की पूजा के लिए अपने सर झुकाते थे और उन्होंने अपनी कोशिशों और दौड़ भाग में कोई मुश्किल ऐसी नहीं जो इस्लाम के लिए उठाई न हो। यहाँ तक कि दीन (इस्लाम) को फ़ारस और चीन और रोम और शाम तक पहुंचा दिया और जहाँ-जहाँ कुफ्र ने अपने हाथों को फैला रखा था और शिर्क ने अपनी तलवार तान रखी थी वहां पहुंचे, उन्होंने मृत्यु के सामने से मुंह न फेरा और एक बालिश्त भी पीछे न हटे, यहां तक कि तलवारों से टुकड़े-टुकड़े

قُطِّعوا بالمدىٰ. و كانوا عند الحرب لمواضعهم ملازمون، و إلى الموت لله حافدون. إنهم قوم ما تخلّفوا فى مواطن المبارات، وبدروا ضاربين فى الارض إلى منتهى العمارات، وقد عُجم عود فراستهم، وبُلى عصا سياستهم، فوُجِدوا فى كل أمر فائقين، وفى العلم والعمل سابقين. وإن هذا إلّا معجزة خاتم النبيين، وإنّه على حقيّة الإسلام لدليل مبين. وإن كنتم فىّ شك فأرونى كمثلهم أحدا من أصحاب موسى أو من أنصار عيسى أو من صحبة رسل آخرين، وقد جاء تكم أنباؤهم، وسمعتم ما قال فيهم أنبياء!هم، وما أرجفت ألسنهم وما كانوا كاذبين، فإنهم نطقوا بإنطاق الروح وما تكلّموا كالمغضبين.

किए गए। वे लोग युद्ध के समय में अपने स्थानों पर डटे रहते थे और ख़ुदा के लिए मृत्यु की ओर दौड़ते थे। वह एक क़ौम है जो कभी युद्ध के मैदानों से पीछे नहीं हटी। और ज़मीन के किनारों तक दौडते हुए पहुंचे। उनकी बुद्धि की परीक्षा ली गई, और देश को संभालने की योग्यता जांची गई। अत: वे प्रत्येक कार्य में श्रेष्ठतम निकले और ज्ञान और कार्य में आगे निकलने वाले सिद्ध हुए। और ये चमत्कार हमारे रसूल, ख़ातमुन्नबिय्यीन मुहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम का है और इसकी वास्तविकता इस्लाम पर एक स्पष्ट प्रमाण है और यदि तुम्हें संदेह हो तो मुझे इन की भांति हज़रत मूसा के अनुयायियों में से या हज़रत ईसा के हवारियों (शिष्यों) में से या किसी और नबी के सहाबा में से एक व्यक्ति भी दिखलाओ और उनकी ख़बरें तुम सुन चुके हो और जो कुछ उनके बारे में उनके नबियों ने कहा तुम को ज्ञात है और उन नबियों के मुख पर किसी घटना के विरुद्ध बातें जारी नहीं हो सकती थीं और न वे झूठे थे क्योंकि वे रुहुल कुदुस (फ़रिश्ते) के बुलाने से बोले थे और उनकी बातें क्रोधित लोगों की भांति न थीं।

ومن دلائل نبوته صلى الله عليه وسلم أنه جاء فى وقت الضرورة، وما رحل من هذه الدنيا إلّا بعد تكميل أمر الملّة. وأما معجزاته الاخرىٰ فوالله إنها لا تُعَدّ ولا تُحصىٰ، والكتب من بعضها مملوة وهى متظاهرة، وإنها فى القوم مشهورة متواترة. ثم معجزاته صلى الله عليه وسلم كما ظهرت فى أوّل الزمان. كذلك تظهر فى هذا الآوان، وهذا أمر ثابت ليست فيها ثلمة، ولا فى صحتها منقصة. ووالله إن نبوّته لمن أجلى البديهيات، ولا يفارقها فى زمن أنوار الآيات ولا يُنكرها إلّا الذى رُبِّيَ فى شر جُحْرٍ، ونشأ فى أخبث نشاءٍ. وإنّه جاء بدين لونزعنا عنه كل برهان،

---

और इन सभी के अतिरिक्त आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की नुबुव्वत का प्रमाण एक यह है कि वह ज़रूरत के समय पर आए और इस संसार से उस समय तक नहीं गए जब तक कि धर्म के कार्यों को पूर्ण न कर दिया। और यदि दूसरे चमत्कारों का हाल पूछो तो ख़ुदा की कसम वे इतने अधिक हैं कि हम गिन नहीं सकते और इस्लामी पुस्तकें उनमें से बहुत सारे चमत्कारों से भरी पड़ी हैं और क़ौम में प्रसिद्ध एवं प्रचलित हैं। फिर यह बात भी है कि आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के चमत्कार जैसा कि प्रथम युग में प्रकट हुए थे ऐसा ही वे इस युग में भी प्रकट हो रहे हैं और यह कार्य ऐसा साबित है जिसमें कोई रुकावट नहीं और न इसकी सच्चाई में कुछ कमी है और ख़ुदा की कसम आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की नुबुव्वत चमकते हुए सूरज की तरह साबित है, और किसी युग में निशानों के नूर उससे अलग नहीं होते और इनसे कोई व्यक्ति इंकार नहीं कर सकता सिवाए उस व्यक्ति के जिसने बुराई की गोद में पोषण पाया हो और अत्यधिक बुरी अवस्था में बढ़ा हो और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ऐसा धर्म लाए कि यदि हम समस्त प्रमाण और तर्क उससे अलग

ونرى نفس تعليمه بعين إمعان، لنظرنا تلألإ الحق فى صورته الساذجة المنيرة، من غير احتياج إلى حُلل الحجج والأدلّة. ووالله ما منع الناس أن يقبلوا الإسلام إلَّا داء دخيل من الكبر والتعصّب والأود والفساد، وغلبة البخل والحقد وحب القوم والعناد. وما بعّدهم من نعمه إلَّا فرطات ضيّقت صدورهم، وملئت من الظلمات قبورهم، فما كانوا مبصرين. هذا ما أردنا شيئا من ذكر دلائل الإسلام، والآن نرجع إلى المرام فاسمعوا متوجهين.

أيّها الإخوان.أقص عليكم نبذا من قصّتى، وما كتب من فضل الله فى حصّتى، وأدخل فى دعوتى، فإنى أُمرت أن أُبلّغها

---

कर दें और उसकी मूल शिक्षा को ध्यान से देखें तो उसकी सामान्य और रोशन शक्ल में सच्चाई को चमकते हुए देखेंगे अन्यथा इस ज़रूरत के कि प्रमाणों और तर्कों का उसको वस्त्र पहनाएं, और ख़ुदा की कसम लोगों को इस्लाम के स्वीकार करने से किसी चीज़ ने इसके अतिरिक्त नहीं रोका कि उनके अंदर एक छुपा हुआ रोग अहंकार, पक्षपात, कंजूसी, क़ौम से प्रेम और दुश्मनी की थी और है। जिसको वे छुपाते हैं और ख़ुदा की उन नेअ'मतों से वे केवल इसलिए दूर किए गए कि वे हद से अधिक गुनाहों के करने वाले हो चुके थे। जिन्हों ने उनके सीनों को तंग कर दिया और उनकी कब्रों को अंधकार से भर दिया, अत: वे देखने से वंचित रह गए। ये थोड़े से इस्लाम के प्रमाणों का हम ने वर्णन किया है और अब हम असल उद्देश्य की ओर लौटते हैं।

हे भाइयों! मैं अपना कुछ किस्सा आपके सामने वर्णन करता हूं और वह जो ख़ुदा तआला की कृपा से मेरे हिस्से में लिखा गया और मेरे निमंत्रण में शामिल किया गया, किसी सीमा तक उसको लिखता हूं क्योंकि मैं आदेश दिया गया हूं कि वह निमंत्रण तुम तक पहुंचाऊं और कर्ज़ के समान उसको चुकाऊं।

إليكم يا معشر الطلباء، وأُؤدّيها كدَيْنٍ لازمٍ لا يسقط بدون الإداء. فاعلموا أنى امرؤ من بيت العزّة والرياسة، و كانت آبائى من أولى الامر والسياسة، وأُخبرتُ أنهم نزلوا بهذه الديار ديار الهند من سمرقند، وقلّدهم ملك الوقت الحكومة والإمرة وأعطى لهم الفوج والفرند.فاتفق حين غلبت الخالصة فى هذه البلاد، وعتوا عتوًّا شديدا وأفرطوا فى الفساد، أن غصبوا مُلكنا ومِلكنا وصفّدونا كالعباد، وأُخرجنا من دار رياستنا بظلم منهم والعناد.و كانت تلك أيام البرد، وأوان شدّة الصرد، فخرج آباؤنا ليلًا من البرد مقفقفين، ومن الهمّ كمحقوقفين. وألقوا عصا تسيارهم بدار رياسةٍ غمرتهم بنوال من غير سؤال، ورحمت إذا رأت

इसलिए स्पष्ट रहे कि मैं सम्मानित रियासत एवं खानदान से संबंधित एक व्यक्ति हूं, और मेरे पूर्वज अधिकारी और देश के सम्मानीय थे, और मुझे बताया गया है कि वे समरकंद से इस देश में आए थे और उस समय के बादशाह ने उनको हुकूमत और शासन की सेवा सौंपी थी और फौज और तलवार उनको दी गई थी। अत: जब कि इस देश पर सिक्खों का ज़ोर और वर्चस्व था और दंगा फसाद में उन्होंने सीमा पार की तो उस समय यह संयोग हुआ कि सिक्खों ने हमारा देश और समस्त संपत्ति छीन ली और हमें कैद कर दिया फिर हम केवल उनके अत्याचारों के कारण अपने शासित राज्य से निकाले गए और वे दिन सर्दी के दिन थे और सख़्त सर्दी पड़ती थी, अत: हमारे पूर्वज रात के समय सर्दी से कांपते हुए अपने शासित राज्य से निकले और दुख के कारण इस प्रकार हो गए थे कि जैसे कि कोई घुटनों पर गिरा जाता है। तब उन्होंने एक और रियासत में अस्थायी तौर पर रहना शुरू किया और उस रियासत ने किसी सीमा तक उनके साथ नेक व्यवहार किया और बिना किसी प्रश्न के उनकी हमदर्दी की और उनकी दरिद्रता के कुछ निशान देख कर उन पर रहम

آثار خصاصة ولو بقُصاصة. ثم إذا جاء عهد الدولة البرطانية ومضٰى وقت الغارات الشيطانية، فأمنّا بها ونُجّينا من الفتن الخالصة. و يمّ آباؤنا تربة وطنهم مع رفقة من المهاجرين، شاكرين للّٰه ربّ العالمين، ورُدّ إلينا بعض أموالنا وقُرانا، والبخت الفارُّ أتانا. وحقّت بنا فرحتان كزهر البساتين: فرحة الامن وفرحة الحُرّيّة فى الدين. وما كان لى حظ من رياسة آبائى العبقريين، فصرتُ بعد موت أبى كالمحرومين. وقد أتٰى علىَّ حين من الدهر لم أكن شيئا مذكورًا، وكنت أعيش خفيًّا ومستورًا، لا يعرفنى أحد إلّا قليل من أهل القرية، أو نفر من القُرى القريبة.فكنت إن قدمت من سفر فما سألنى أحد من أين أقبلت، وإن نزلت بمكان

किया जबकि उनका व्यवहार बहुत कम और एक अपर्याप्त व्यवहार था। फिर जब अंग्रेज़ी हुकूमत का समय आया और उपद्रवियों का समय गुज़र गया तो हम उस सल्तनत के द्वारा अमन में आ गए और हमारे पूर्वज फिर अपने वतन की ओर अपने साथियों के साथ लोटे और ख़ुदा तआला का धन्यवाद करते थे और हमारे कुछ गांवों और हमारी कुछ संपत्तियां हमें लौटा दी गईं और हमारी किस्मत का हिस्सा हमारी ओर आया और दो ख़ुशियां बाग़ों के फूलों की तरह हम में खिलीं। एक अमन की ख़ुशी और दूसरी धार्मिक आज़ादी की ख़ुशी और मुझे अपने सम्मानीय पूर्वजों की रियासत में से कुछ हिस्सा नहीं मिला और मैं अपने पिता की मृत्यु के बाद अपनी संपत्ति से वंचित हो गया और मुझ पर एक ऐसा समय गुज़रा है कि गांव के कुछ लोगों के अतिरिक्त और कोई मुझ को नहीं जानता था या कुछ निकट के गांव के लोग थे जो कि परिचित थे। और मेरी यह अवस्था थी कि यदि मैं कभी यात्रा करके अपने गांव में आता तो कोई मुझ से न पूछता कि तू कहां से आया है और यदि मैं किसी घर में रहता तो कोई प्रश्न नहीं करता कि तू कहां रहता है और मैं इस गुमनामी और

فما سأل سائل بأيّ مكان حللت. و كنت أحب هذا الخمول وهذا الحال، وأجتنب الشهرة والعزّة والإقبال، و كانت جبلّتى خُلقت على حبّ الاستتار، و كنت مَزُورًا عن الزوّار، حتى يئس أبى منى وحسبنى كالطارق الممتار. وقال رجل ضرى بالخلوة وليس مخالط الناس رحب الدار. فكان يلومنى عليه كمؤدّب مغضب مرهف الشفار، و كان يوصينى لدنياى سِرًّا وجهرًا وفى الليل والنهار، و كان يجذبنى إلى زخارفها وقلبى يُجذب إلى الله القهّار. و كذالك تلقّانى أخى و كان يُضاهى أبى فى هذه الأطوار، فتوفّاهما الله ولم يترك كالميخار. وقال كذالك لئلّا يبقى منازع فيك ولا يضرّك إلحاح الأغيار. ثم اقتادنى إلى بيت العزّة والاختيار، وما كان لى علم بأنه يجعلنى المسيح

---

इस अवस्था को बहुत अच्छा जानता था और प्रसिद्धि, सम्मान और प्रतिष्ठा से बचा करता था और मेरा स्वभाव कुछ इस प्रकार का था कि मैं एकांतवास को बहुत पसंद करता था और मैं मिलने वालों से तंग आ जाता था और इन सब से बचा करता था यहाँ तक कि मेरे पिता मुझसे निराश हो गए और समझा कि यह हमारे बीच एक रात के यात्री की भांति हैं जो केवल रोटी खाने के लिए शामिल होता है और विचार किया कि यह व्यक्ति एकांतवास को पसंद करता है और लोगों से बड़े घर के समान मेल मिलाप रखने वाला नहीं, अत: वह सदा मुझ से मेरे इस स्वभाव के कारण आक्रोशित होकर तेज़ कटाक्षों से निंदा करते और मुझे दिन रात सबके समक्ष और छुपकर भी सांसारिक प्रगति प्राप्त करने के लिए उपदेश दिया करते थे और सांसारिक सुविधाओं की ओर ध्यान दिलाया करते थे परंतु मेरा हृदय ख़ुदा तआला की ओर खींचा जा रहा था और ऐसा ही व्यवहार मेरे भाई ने मेरे साथ किया और वह इन बातों में मेरे पिता के समान था, अत: ख़ुदा ने इन दोनों को मृत्यु दी और अधिक समय तक जीवित न रखा और उसने मुझे कहा कि ऐसा ही करना चाहिए था ताकि तेरी निंदा करने

الموعود، ويتم فى نفسى العهود، و كنت أُحبّ أن أُترَكَ فى زاوية الخمول، و كانت لذّتى كلها فى الاختفاء والافول، لا أبغى شهرة الدنيا والدين. ولم أزل أنصّ عنسى إلى مكاتمة كالفانين. فغلب علىَّ أمر الله العلَّام، ورفع مكانتى وأمرنى أن اقوم لدعوة الانام، وفعل ما شاء وهو أحكم الحاكمين. والله يعلم ما فى قلبى ولا يعلم أحد من العالمين.

حِبٌّ لَنَا فَبِحُبِّهِ نَتَحَبَّبُ
وَعَنِ الْمَنَازِلِ والْمَرَاتِبِ نَرْغَبُ
إِنِّي أَرَى الدُّنْيَا وَبَلْدَةَ أَهْلِهَا
جَدَبَتْ وَأَرْضُ وِدَادِنَا لاَ تَجْدَبُ

---

वाले बाकी न रहें और उनका बार-बार समझाना तुझ को नुकसान न पहुंचाए। फिर मेरे रब ने मुझे सम्मान और प्रतिष्ठा के घर की ओर खींचा और मुझे इस बात का ज्ञान न था कि वह मुझे मसीह मौऊद बना देगा और अपने वादे मेरे द्वारा पूरे करेगा और मैं इस बात को पसंद करता था कि गुमनामी के कोने में छोड़ा जाऊं और मेरी समस्त प्रसन्नता, छुप कर रहना और गुम रहने में थी। मैं सांसारिक और धार्मिक प्रसिद्धि को नहीं चाहता था और मैं सदा अपने प्रयासों का ऊंट इसी ओर चलाता गया कि मैं नश्वर की भांति अज्ञात रहूं। अतः ख़ुदा के आदेश ने मुझ पर विजय प्राप्त की और मेरे पद को ऊंचा किया और मुझे लोगों को ख़ुदा का पैगाम पहुँचाने के लिए आदेशित किया और जो चाहा किया और वह सबसे उत्तम निर्णायक है।

हमारा एक मित्र है (अर्थात ख़ुदा) और हम उसके प्रेम में डूबे हैं और हमें उच्च पदों से अप्रियता और नफ़रत है।

मैं देखता हूँ कि दुनिया तथा उस से प्रेम करने वालों की धरती बंजर हो गई है अर्थात शीघ्र नष्ट हो जाएगी और हमारे प्रेम की धरती कभी बंजर नहीं होगी।

يَتَمَايَلُونَ عَلَى النَّعِيمِ وَإِنَّنَا
مِلْنَا إِلَى وَجْهٍ يَسُرُّ وَيُطْرِبُ
إِنَّا تَعَلَّقْنَا بِنُورِ حَبِيبِنَا
حَتَّى اسْتَنَارَ لَنَا الَّذِى لاَ يَخْشَبُ
إِنَّ الْعَدَا صَارُوا خَنَازِيرَ الْفَلَا
وَنِسَائُ هُمْ مِنْ دُونِهِنَّ الاِ كْلَبُ
سَبُّوا وَمَا أَدْرِى لاَيِّ جَرِيمَةٍ
سَبُّوا أَنَعْصِى الْحِبَّ أَوْ نَتَجَنَّبُ
اَقْسَمْتُ أَنِّى لَنْ أُفَارِقَهٗ وَلَوْ
مَزَّقَتْ أُسُودٌ جُثَّتِى أَوْ أَذْئُبُ
ذَهَبَتْ رِيَاسَاتُ الأُنَاسِ بِمَوْتِهِمْ
وَلَنَا رِيَاسَةُ خُلَّةٍ لَا تَذْهَبُ۔

लोग सांसारिक ऐश्वर्य पर झुकते हैं परंतु हम उस मुख की ओर झुक गए हैं जो प्रसन्नता पहुंचाने वाला और उमंग से परिपूर्ण है।

हम अपने प्यारे के दामन से लिपटे हुए हैं ऐसे कि जो साफ और पारदर्शी नहीं हो सकता वह भी हमारे लिए प्रकाशमान हो गया।

शत्रु हमारे जंगलों के सूअर हो गए और उनकी महिलाएं कुत्तियों से बढ़ गईं हैं।

और उन्होंने गालियां दीं और मैं नहीं जानता क्यों दीं। क्या हम उस मित्र का विरोध करें या उससे विमुख हों।

मैंने सौगंध खाई है कि मैं उससे अलग नहीं होऊंगा यद्यपि शेर या भेड़िए मुझे टुकड़े-टुकड़े कर दें।

लोगों की रियासतें उनके मरने के साथ जाती रहीं और हमारे लिए मित्रता की वह रियासत है जिसका कदापि अन्त नहीं।

و كذالك كنت قد انقطعت من الناس، وعكفت على الله فارغًا من الصلح والعماس، و كنت أعلم وأنا حدَثٌ أن الله ما خلقني إلَّا لامر عظيم، و كانت قريحتي تبغي الارتقاء وقرب ربٍّ كريم. و كان تبر جوهري يبرق في عرق الثرى، من غير أن يستثار بالنبش ويُبدَى، و كان أبي متلاحق الافكار في أمري، ودائم الفكر من سيرة هوني وعدم شمري، و كان يسعى لنرقى على ذروة شاهق الإقبال، ونصل الدولة كآباء نا الامراء والاجيال. فالحاصل أن قصد أبي كان أن نصل في الدنيا إلى مراتب عظمى، و كان الله أرادلي مرتبة أخرى، فما ظهر إلَّا ما أراد ربّيَ الاعلىٰ. فوهب لي نورا في ليلة داجية الظلُم، فاحمته اللمم، وأضاء قلبي لإضائة القوم والامم. ومنَّ عليَّ وجعلني المسيح الموعود، كما قدّم في هذا

और इसी प्रकार मैं लोगों से अलग हो चुका था और सांसारिक शांति और युद्ध से अलग होकर ख़ुदा तआला की ओर झुक गया था और मैं अभी युवा था और इस बात को जानता था कि ख़ुदा तआला ने मुझे एक महान कार्य के लिए पैदा किया है और मेरा स्वभाव प्रगति तथा कृपालु ख़ुदा का प्रेम प्राप्त करना चाहता था और मेरी फितरत का सोना मिट्टी के नीचे चमक रहा था बिना इसके कि वह खोदकर बाहर निकाला जाए और प्रकट किया जाए। मेरे पिता मेरे विषय में सदा दुखी रहते थे। मेरे धीरजपूर्ण स्वभाव तथा सांसारिक कार्यों में तेज़ और चालाक न होना उनको चिंतित और दुखी रखता था और वह इस प्रयास में थे कि हम सफलता के पहाड़ की चोटी पर चढ़ जाएँ और अपने पूर्वजों की भांति धन और अमीरी को प्राप्त करें। इन बातों का सारांश यह है कि मेरे पिता की इच्छा थी कि हम संसार के बड़े से बड़े पद को प्राप्त कर लें, परंतु ख़ुदा ने मेरे लिए एक अन्य उपाधि का निर्णय कर रखा था। अत: जो ख़ुदा ने चाहा वही हुआ, और उसने मुझे घोर अंधकार में जिसके काले और लम्बे बाल थे नूर प्रदान किया, और मेरे दिल को उम्मतों और क़ौमों को हिदायत देने के लिए

الامر العهود. ثم أيّدنِي بتأييدات، وأظهر صدقى بآيات، وجعل من شهداء أمرى كسوف الشمس والقمر، ليبرق محجة الدعوى ولا يكون كأراجيف السمر. ولمّا أَخبرتُ عمّا أُمِرتُ صَعُبَ ذالك على العلماء، و كفروا و كذّبوا و كادوا يقتلوننى لولا خوف الحكّام ومخافة سوء الجزاء. و كانوا يحتجّون بأنّ المسيح ينزل من السماء، كما جاء فى الكتب واتفق عليه الاكابر من الفضلاء ،و كانوا عليه مصرّين. وأسمعناهم فما سمعوا، وفهّمناهم فما فهموا، فأردنا أن نبلّغ هذه الدعوة إلى أقوام آخرين، ونجعلهم شهداء على قوم أوّلين، ونتم الحجة مرة ثانية على المنكرين. والله هو المستعان وهو نعم المولىٰ ونعم المعين.

---

रोशन किया और मुझ पर एहसान किया और मुझे मसीह मौऊद बनाया जैसा कि पहले से उसका वादा था। फिर भिन्न-भिन्न प्रकार से मेरी सहायता की और अपने निशान दिखलाए और मेरे लिए आसमान पर सूर्य ग्रहण, चंद्र ग्रहण प्रकट किया ताकि दावे का मार्ग चमके और कहानियों के मार्गों की भांति न हो और जब मैंने अपने मसीह मौऊद होने की लोगों को ख़बर दी तो यह बात इस देश के लोगों को बुरी लगी और मुझे उन्होंने काफ़िर ठहराया और मुझे झुठलाया और यदि कानून का भय न होता तो निकट था कि वे मेरा वध कर देते और यह दलील प्रस्तुत करते थे कि मसीह आसमान से उतरेगा जैसा कि पुस्तकों में लिखा है और इस पर बड़े-बड़े विद्वानों का समर्थन है और वे इसी पर बल देते थे और हमने उनको सुनाया परंतु उन्होंने न सुना और हमने समझाया परंतु उन्होंने न समझा। अत: हमने निर्णय किया कि इस निमंत्रण को दूसरी क़ौमों तक पहुंचाएं और उन को पहले लोगों पर गवाह बनाए और इंकार करने वालों पर पुन: दलील साबित कर दें और ख़ुदा से हम सहायता चाहते हैं और वही सर्वश्रेष्ठ स्वामी और सर्वश्रेष्ठ सहायक है।

## یاأرضُ اسمعی ما أقول و یا سماء اشهدی

هذا مکتوب إلی خواص الناس و نخب الاقوام، من عبد الله أحمد الذی نُصِّلَ له أسهم الملام، و أرجو أن لا یُعجَلَ بذمّ، و لا یُنبَذ عودی قبل عجم، بل یُسمع قولی بالوقار و التُؤدة، ثم یُتبع ما یُلقی الله فی الافئدة. و أدعو الله أن یُلهم القلوب ما هو أصوب و أولیٰ، و هو نعم الهادی و نعم المولیٰ.

أیها الإخوان. إنی أُلهمت من حضرة العزّة، و أُعطیت عِلْمًا من علوم الولایة، ثم بُعِثتُ علی رأس المائة، لاجدّد دین هذه الامّة، و لاقضی کحَکَمٍ فیما اختلف فیه من العقائد

## हे धरती! सुन जो मैं कहता हूँ और हे आकाश! गवाह रह

यह एक पत्र है जो विशेष लोगों और क़ौमों के बुज़ुर्गों की ओर लिखा गया है और यह ख़ुदा के बन्दे अहमद की ओर से है जिसको निंदा के तीरों का निशाना बनाया गया और मैं आशा रखता हूँ कि बुरा कहने के लिए जल्दी न की जाए और मेरी बातों को जाँचने से पूर्व फेंक न दिया जाए बल्कि मेरी बात को शांति से सुना जाए, फिर उस बात का पालन किया जाए कि जो ख़ुदा तआला दिलों में डाले और मैं दुआ करता हूँ कि ख़ुदा वह बात दिलों में डाले जो अत्यधिक सीधी और उत्तम है और वही उत्तम मार्गदर्शक और उत्तम मालिक है। हे भाइयो! मुझे महान ख़ुदा की ओर से इल्हाम किया गया है और उसके सानिध्य का मुझे ज्ञान दिया गया है, और मुझे सदी के आरम्भ में अवतरित किया गया है ताकि इस उम्मत के धर्म का सुधार करूँ और एक न्यायकर्ता बन कर उनके मतभेदों को मध्य से समाप्त करूँ और सलीब (अर्थात ईसाई धर्म की तीन ख़ुदाओं की आस्था, अनुवादक) को आसमानी निशानों के साथ तोड़ूं और ख़ुदा की सहायता से

المتفرقة، ولا كسر الصليب بآيات السماء، وأُبَدّل الارض بقوة حضرة الكبرياء. واللّٰهُ سمّانى المسيح الموعود والمهدى الموعود بإلهام صريح، و وحى بيّن صحيح، وما كنت من المخادعين. وما كنت أن افوه بزور، وأدلّى بغرور، وتعلمون عواقب الكاذبين، بل هو كلام من ربّ العالمين. ومع ذالك كنتُ حرَّجتُ على نفسى أن لا أتّبع إلهامًا أو كرر من الله إعلاما و يوافق القرآن والحديث مرامًا، وينطبق انطباقا تمامًا. ثم كان شرط منى لهذا الإيعاز أن لاأقبله من غير أن أنظر إلى الاحياز، ومن غير أن أشاهد بدائع الإعجاز. فواللّٰه رأيت فى إلهامى جميع هذه الاشراط، ووجدته حديقة الحق لا كالحماط. ثم كان هذا بعد ما استطارت صدوع كبدى من

धरती पर परिवर्तन उत्पन्न करूं और अल्लाह तआला ने स्पष्ट इल्हाम और वह्यी से मुझे मसीह मौऊद के नाम से पुकारा और मैं धोखा देने वालों में से नहीं और न मैं ऐसा हूँ कि मेरे मुँह से झूठ निकलता है और मैं लोगों को बुराई में डालता हूँ और झूठों का परिणाम आप लोग जानते हैं बल्कि यह ख़ुदा तआला की ओर से इल्हाम है। और बावजूद इसके मैंने अपनी जान पर यह तंगी कर रखी थी कि मैं किसी इल्हाम का अनुसरण न करूँ सिवाए इसके कि बार-बार ख़ुदा तआला की ओर से उसकी ख़बर दी जाए तथा पूर्णत: क़ुर्आन और हदीस के अनुसार हो और पूरी-पूरी समानता हो। फिर इस कार्रवाई के लिए एक यह शर्त भी मेरी ओर से थी कि मैं इल्हाम के बारे में उसके किनारों तक दृष्टि डालूं और चमत्कारों के देखे बिना स्वीकार न करूं, अत: ख़ुदा की क़सम मैंने अपने इल्हाम में इन समस्त शर्तों को पाया है और मैंने उस को सच्चाई का बाग़ देखा, न कि उस सूखी घास की भांति जिस में सांप हो। फिर यह इल्हाम उस समय मुझ को मिला जबकि मेरे जिगर के टुकड़े ख़ुदा तआला की मुहब्बत में उड़े और ख़ुदा के

الحنين إلى ربّي وصمدى، ومُتُّ ميتة العشّاق، وأُحرِقتُ بأنواع الإحراق، وصُدمت بالاهوال، وصُرم قلبي من الاهل والعيال، حتى تمّ فعل الله وشرح صدرى، وأودع أنوار بدرى. ففزت منه بسهمين: نور الإلهام ونور العينين. وهذا فضل الله لا رادّ لفضله، وإنه ذو فضل مستبين۔

وقد ذكرت أن إلهاماتى مملوة من أنباء الغيب، والغيب البحت قد خُصّ بذات الله من غير الشك والريب، ولا يمكن أن يُظهر الله على غيبه رجلا فاسد الرويّة، وخاطِبَ الدنيا الدّنيّة. أيُحب اللهُ امرئًا بسط مكيدةً شباك الردا، و أضلّ الناس وما هدىٰ، وأضرّ الملّة كالعدا، وما جلّى مطلعها بنور صدقه وما راح بهمّها

आशिकों जैसी मृत्यु मुझ पर आई और कई प्रकार के जलाने से मैं जलाया गया और कई प्रकार के भय से मैं डराया गया और अपने परिवार वालों से मेरा दिल अलग किया गया। यहाँ तक कि ख़ुदा तआला का कार्य पूरा हो गया और मेरा मार्ग खोला गया और मेरे चाँद का नूर मुझ में भरा गया। अत: इस से मुझे दो हिस्से मिले इल्हाम का नूर और बुद्धि का नूर, और ये ख़ुदा तआला की कृपा है और कोई उसकी कृपा को रोक नहीं सकता।

फिर मेरे इल्हाम भविष्यवाणियों से भरे हुए हैं और भविष्य केवल महान प्रतापी ख़ुदा से संबंधित है और संभव नहीं कि अल्लाह तआला अपने भविष्य के ज्ञान पर उस व्यक्ति को पूर्णत: विजयी करे जो झूठे विचारों वाला और सांसारिक मोहमाया से प्रेम करने वाला है। क्या ख़ुदा ऐसे व्यक्ति को मित्र बनाता है जिसने धोखा दे कर मौत का जाल बिछाया और लोगों को गुमराह किया और हिदायत न दी और इस्लाम धर्म को दुश्मनों की भांति नुकसान पहुंचाया और सच्चाई के नूर से उसको प्रकट न किया और उस की याद में न कभी सुबह की और न शाम और उस के सुधार के लिए कुछ

وما غدا، بل زاد بكذبه صداء الاذهان، ونشر بمفترياته هباء الافتنان؟ كلا بل إنه يخزى المفترين، ويقطع دابر الدجّالين، ويلحقهم بالملعونين السابقين.

ثم اعلموا أنى قد كنتُ أُلهمتُ من أمدٍ طويل، وعُلِّمْتُ ما عَلِمْتُ من ربٍّ جليل، ولكنى استترت عن الخلق حينا، لا يعرفون لى عرينا، وما اخترت منهم نجيًّا وقرينا. فلما أُمِرتُ للإظهار، وقُطِعَت سلسلة الاعتذار، فلبيت الصائت كطائعين. وقد بلغكم الاحاديث من المحدّثين، وسمعتم أن المسيح الموعود والمهدى الموعود يخرج عند غلبة الصليب، ويتلافى ما سلف من الإضلال والتخريب، ويهدى قومًا مهتدين. والذين منعتهم الحميّة والنفس الابية من القبول، فيصيرون بحربة الإ ّفحام

---

प्रयास न किया बल्कि अपने झूठ के साथ बुद्धि का ज़ंग बढ़ाया और अपनी झूठी बातों के साथ उम्मत में उपद्रव को फैला दिया? नहीं, ऐसा कदापि नहीं होता। बल्कि अल्लाह तआला झूठों को अपमानित करता है और उनकी जड़ काट कर उनके साथ उन को मिला देता है जो उन से पूर्व लानत किए गए हैं।

और फिर यह बात याद रखो कि एक लम्बे समय से मुझे इल्हाम हो रहा था जिसको मैंने लोगों से एक मुद्दत तक छुपाया और स्वयं को प्रकट न किया। फिर मैं प्रकट करने के लिए आदेशित हुआ, तब मैंने आदेश का पालन किया। और तुम्हें हदीसें पहुँच चुकी हैं और तुम सुन चुके हो कि मसीह मौऊद व महदी मा'हूद ईसाइयत के प्रभूत्व के समय प्रकट होगा और ईसाइयत की ख़राबियों और गुमराहियों को दूर करेगा और जिज्ञासुओं को हिदायत देगा और जिनका अहंकार और उद्दंडता (हिदायत को) स्वीकार करने से रोकेगा वे ठोस तर्कों के हथियार से मुर्दा की भांति हो जाएंगे। और मसीह के बारे में 'नज़ूल' का शब्द इसलिए प्रयोग किया

كالمقتول. وأمّا نزوله إلى الاعداء فأشير فيه إلى أنه رجل من الفقراء، لا يكون له دروع وأسلحة، ولا عساكر و مملكة، ولا تنبرى له ملحمة، بل تكون له سلطنة فى السماء، وحربة من الدعاء. فقد رأيتم بأعينكم أن دين الصليب قد علا. و كل أحد من القسوس طعن فى ديننا وما ألا، وسبّ نبيّنا وشتم وقذف وقلا، وتجدونهم فى عقيدتهم متصلبين، ومن التعصب متلهبين، وعلى جهلا تهم متفقين، وقد صنّفوا فى أقرب مدّة كتبا زهاء مائة ألف نسخة، وما تجدون فيها إلّا توهين الإسلام وبهتانًا وتهمة. ومُلئت كلها من عذرة لا نستطيع أن ننظر إليها نظرة. وترون ان اكثرهم اناس مكائدهم كالهوجاء الشديدة جارية، وقلوبهم من كسوة الحياء عارية. وتشاهدون أنهم على رؤوس

गया है ताकि इस बात की ओर संकेत हो कि मसीह कवच और हथियारों के साथ प्रकट नहीं होगा और कोई युद्ध उसको नहीं करना पड़ेगा बल्कि उसकी बादशाहत आकाश में होगी और उसका हथियार उसकी दुआ होगी। अत: आप लोगों ने अपनी आँखों से देख लिया कि ईसाई धर्म ऊँचा हो गया और पादरियों ने हमारे धर्म पर कटाक्ष करने में कोई कमी नहीं छोड़ी और हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियां दीं और झूठे आरोप लगाए और दुश्मनी की और तुम देखते हो कि वे अपने मत पर कैसे पक्के हो गए हैं और कैसे नफ़रत में डूबे हैं और अपनी झूठी बातों पर किस प्रकार विश्वास करके बैठे हैं और थोड़े समय में एक लाख पुस्तकें उन्होंने ऐसी प्रकाशित कीं हैं जिन में हमारे धर्म और रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के बारे में सिवाए ग़ालियों, झूठे आरोपों के और कुछ नहीं। और ये समस्त पुस्तकें ऐसी गंदगी से भरी हुई हैं कि हम एक नज़र भी उन को देख नहीं सकते। और तुम देखते हो कि उनके छल एक भयानक आंधी की तरह चल रहे हैं और उनके दिल लज्जा से

العامة كداعى الثبور والويل، وتُدفع إليهم زُمع الناس كغثاء السيل. وما أقول أنهم يُنصرون من السلطنة أو يُواسون من أيادى الدولة، بل الدولة البرطانية سوّت رعاياها فى الحرّية، وما غادرت دقيقة من دقائق النصفة. و كل فرقة نالت غاية رجائها فى أمور الملّة، وما ضُيّق على أحد كأيّام الخالصة. واسترحنا مذ علقنا بأهدابها، فندعو لها ولاركانها ولاربابها. وأمّا القسوس فلا يأتيهم من هذه الدولة شيء يُعتدّ به من مال الإمدادات، بل اجتمع شملهم بما أنهم قبضوا من قومهم كثيرا من الصِّلاة ونصُّوا الإحالات، وما برحوا يجمعون القناطير المقنطرة من عين الإعانات، وأموال الصدقات من النقود والغلّات.

---

खाली हैं। और तुम देखते हो कि उनका अस्तित्व समस्त मुसलमानों पर एक मृत्यु की तरह खड़ा है और दुराचारी लोग उनकी ओर तेज़ी से दौड़े चले जा रहे हैं। मैं यह नहीं कहता कि अंग्रेज़ी हुकूमत की ओर से उन को सहायता मिलती है या यह हुकूमत धन के साथ उनकी दिलजोई करती है बल्कि अंग्रेज़ी हुकूमत ने अपनी समस्त प्रजा को आज़ादी देने में समान रखा है और कोई कमी नहीं छोड़ी और प्रत्येक धर्म अपने धार्मिक कार्यों में चरम सीमा तक पहुँच गया है और सिखों के समय की भांति कोई तंगी नहीं और हम उस समय से कि जब से उसका दामन पकड़ा, आराम में हैं और उसके लिए और उसके अधिकारियों के लिए दुआ करते हैं। परन्तु पादरी लोग इस धन से कोई विशेष सहायता नहीं पाते, और उनके धन की प्रचुरता का कारण यह है कि क़ौम के चंदों में से बहुत सा धन उनके पास इकट्ठा है और प्रत्येक वादा पूरा होकर नकदी के रूप में इकट्ठा होता है और लोगों के दान करने से अत्यधिक धन उनके पास आता रहता है। अत: प्रत्येक व्यक्ति जो उनके धर्म में सम्मिलित होता है उसके लिए वज़ीफा निर्धारित किया जाता है और उसकी परेशानियों को दूर किया जाता

فكل من دخل دينهم رتّبوا له وظائف وصِلا تًا، وزوّدوه بتاتا وجمعوا له شتاتا. و كذالك قوّى أمر قسيسين مالُهُم، وزاد منه احتيالهم. استحضروا كل آلات الاصطياد والإسار، واستعملوا من المجانيق الصغار والكبار. وأُنهِضَ إلى كل بلدةٍ جماعةٌ من المتنصّرين، فعمّروا بيعا وسكنوا فيها كالقاطنين، وجروا كالسيول فى سكك المسلمين. وجعلوا يُخادعون أهلها بأنواع الافتراء، ثم بإرسال النساء إلى بيوت الشرفاء. فالغرض أنهم زرعوا المكائد من جميع الانحاء، وانتشروا كالجراد فى هذه الاكناف والارجاء، وقلوا كل من أحيا معالم الهُدىٰ، وجعلوا بلادنا دار البلاء والرَّدَى. ومِلّتهم الباطلة أحرقت مجالس ديارنا

है और पादरियों के धन ने उनकी बात को मज़बूत कर दिया और उनकी बहाने बाज़ी इससे बढ़ गई है। शिकार करने और क़ैद करने के समस्त हथियार उन को मिल गए हैं और छोटी बड़ी समस्त गोफनें प्रयोग में ला रहे हैं और प्रत्येक शहर की ओर नए ईसाइयों की एक टोली भेजी गई है और उन्होंने प्रत्येक शहर में अपने गिरजे बनाए और निवासियों की भांति वहां रहने लगे और बाढ़ की भांति मुसलमानों की गलियों में बहने लगे और भिन्न-भिन्न प्रकार से झूठ बोल कर शहर के निवासियों को धोखा देने लगे और फिर अपनी महिलाएं इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए शरीफों के घरों में भेजी गईं। अत: सारांश यह है कि उन्होंने प्रत्येक प्रकार से षड्यंत्र का बीज बोया और टिड्डी की तरह चारों ओर फैल गए और हर एक को जो हिदायत के निशानों को जीवित करता था, दुश्मन समझा और हमारे देश को मुसीबत और मृत्यु का स्थान बना दिया और उनके झूठे धर्म ने हमारे देश की नेकियों को दूर कर दिया और कोई घर ऐसा नहीं रहा जिस में यह झूठा धर्म दाख़िल न हो और इस देश के वासी जो कि अधिकतर साधारण लोग हैं, मुक़ाबले के लिए हिम्मत न कर सके और

وأكلتها، وما بقى دار إلّا دخلتها، ولم يجد أهلها العوامّ للدفاع استطاعة، ولا للفرار حيلة، فصُبّت مصائب على الإسلام ما مضى مثلها فى سابق الايام. فنراه كبلدة خاوية على العروش، وفلاة مملوة من الوحوش، وإن بلادنا الآن بلاد انزعج أهلها، و تشتّت شملها، فليبك عليها من كان من الباكين. ولقد كثر أسَفى على الآثار الاولى كيف زالت، وعلى أيام الهُدىٰ كيف أحالت، والناس تركوا المحجّة ومالوا إلى أودية وشعاب. ومنافذ صعاب، ومضائق غير رحاب. و كم من أناس كانوا يزجون الزمان ببؤس فى الإسلام، وينفدون العمر بالاكتياب والاغتمام، ثم رأوا فى الملة النصرانية مرتعا، ووجدوا فى أهلها مطمعا، فألجأهم شوائب المجاعة إلى أن يلحقوا بتلك الجماعة.

---

न बचने के लिए कोई बहाना मिला। अत: इस्लाम पर वे मुसीबतें पड़ी जिन का उदाहरण पूर्व युग में नहीं मिलता है। अत: वह उस शहर की भांति हो गया जो ध्वस्त हो जाए और उस वन की भांति जो वहशियों से भर जाए। अब हमारा देश वह देश है जिस के वासी जड़ से उखाड़े गए और वे सब तित्तर बित्तर हो गए अब जिस ने रोना हो इस देश पर रोए। मुझे इस्लाम की पूर्व अवस्था पर बहुत दुख हुआ कि वह क्योंकर दूर हो गई और दिनों पर भी दुख हुआ कि वे कैसे बदल गए और लोगों ने सन्मार्ग को छोड़ दिया और घाटियों तथा टेढ़े मार्गों और कठिन तथा तंग रास्तों की ओर झुक गए। कई ऐसे आदमी थे जो कि इस्लाम में बड़ी सख्ती से समय व्यतीत करते थे और दुखी होकर आयु गुज़ारते थे। फिर ईसाई धर्म में उन्होंने एक चरागाह देखी और ईसाइयों को अपने सांसारिक लालचों का महल पाया, अत: भूख की पीड़ा ने उनको इस बात की ओर व्याकुल किया कि वे ईसाइयों में जा मिलें। इसलिए उन्होंने सख्ती के कारण तथा अय्याशी और शराब पीने की इच्छा के लिए इस्लाम को

فرفضوا مذهب الإسلام، وتنصروا من برحاء الوجد وبتاريج الشوق إلى الرفه وشرب المدام. ثم مع ذالك كانوا من السفهاء والجهلاء، وما كان لهم نصيب من العلم والدهاء، ولا حظ من العفّة والاتقاء. لا جرم أنهم آثروا أهواء النفس الامّارة، وألْوَتْ بهم شقوتهم إلى الخسارة. و كذالك كثير من ذرية الاماثل والافاضل والسادات، أجمعوا على الجنوح إليهم وسُقُوا كأس الضلالات، بما آنسوا النصرانية تفتح على المتنصرين أبواب إباحة، وتخرجهم من مضائق حرمة وعدم حلة، ثم يواسيهم القسوس في مطرف أيامهم بمال ودولة، ولا يُهددون ولا يتوعدون على معصية. ولا يُبالغون في ملامة عند ارتكاب كبيرة، بما تفيّأوا ظل كَفَّارةٍ مُطَهِّرة. فكذالك يُزيدونهم جرأة

छोड़ कर ईसाइयत को स्वीकार किया और फिर इन आवश्यकताओं के बावजूद वे लोग मूर्ख और अज्ञानी थे, न ज्ञान था और न बुद्धि थी और न संयम तथा पवित्रता से कुछ अवगत थे, इसीलिए उन्होंने तामसिक वृत्ति की इच्छाओं को अपनाया और उनकी बुरी किस्मत ने हलाकत और गुमराही की ओर उनका मुंह फेर दिया। इसी प्रकार बहुत से बुज़ुर्गों और सय्यदों और शरीफों की औलाद ईसाइयों में शामिल हो गई और गुमराही के प्याले पिए क्योंकि उन्होंने ईसाई धर्म को देखा कि ईसाई होने वालों पर अवैध को वैध समझने के दरवाज़े खुले हुए हैं और वैध-अवैध के असमंजस से उनको आज़ाद कर दिया। फिर पादरी लोग उनके प्रारंभिक समय में धन से उनकी सहायता करते हैं और किसी गुनाह पर डांट-डपट नहीं करते और किसी बड़े गुनाह पर थोड़ी सी भी निंदा नहीं करते क्योंकि नए ईसाई पाक करने वाले कफ़्फ़ारा के अंतर्गत आ जाते हैं। इसी प्रकार नए ईसाइयों का साहस बढ़ता जाता है यहाँ तक कि उन में से अधिकतर लोगों की प्रत्येक वस्तु को वैध समझने की आदत सामान्य हो जाती है और उस की दुर्गन्ध

على جرأة حتى تكون الإباحة لاكثرهم دربة، ويحسبون سهوكة ريّاها طيبا وطيبة. ويتبرّئون من الإسلام، ويسبّون نبينا خير الانام، ويقذفون معادين بعد ما كانوا مسلمين فى حين، إلّا قليلا من المستحيين. وكذالك يفعلون ليرضوا القسوس ويستوعبوا الفلوس ويكونوا من المتموّلين.

فيحصل لهم نضرة بنضارهم، وزهرة بإظهارهم، حتى يكونوا فى رفههم كحديقة أخذت زخرفها وازّيّنت، وتنوعت أزاهيرها وتلوّنت. وكذالك قسوسهم يحبونهم بتلك الخصائل والسب والهذيان، والمجادلات وهذر اللسان، ويظنون أنهم التقّوا بأهدابهم بخلوص الجنان. فيعتمدون عليهم فى كل مورد يرِدُونه، ومعرّس يتوسدونه، وتستهويهم خضرة دمنتهم

को सुगंध तथा स्वच्छ समझते हैं और इस्लाम से अत्यधिक निराश हो जाते हैं और हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियाँ देते हैं बाद इसके कि किसी समय मुसलमान थे। और कुछ ऐसे भी हैं जो लज्जा करते हैं और इसी प्रकार करते रहते हैं ताकि पादरियों को प्रसन्न करें और उन से पैसा जमा करें और धनी हो जाएँ।

अत: पादरियों के धन से उनके चहरे खिल उठते हैं और उनके स्वागत सत्कार से वे खुश रहते हैं। यहाँ तक कि वे अपनी खुशहाली और संतोष में ऐसे हो जाते हैं कि मानो वे एक सुसज्जित बाग़ हैं जिस के फूल विभिन्न प्रकार के तथा रंग बिरंगे हैं और इसीलिए उनके पादरी इन आदतों और गाली-गलौज और बद्ज़ुबानी और वाद-विवाद और अशिष्टता के कारण उनसे प्रेम करते हैं और समझते हैं कि वे दिल से उनके साथ जुड़ गए हैं। इसलिए प्रत्येक स्थान पर जहाँ वे जाते है और ठहरते हैं उन पर विश्वास करते हैं और उन लोगों की बाहरी सफाई और नेक लोगों जैसा बनाया हुआ

للمنادمة، وخدعة سمتهم بالمناسمة، ويقبلون عليهم بالمنّ والإحسان، والجود و الامتنان. فيسحبون مطارف الثراء ، ويزينون معارف السراء، ثم يمرّون بصحب لهم كانوا بهم من قبل كأسنان المشط فى استواء العادات والميل إلى السيئات، و كانوا يُكابدون أنواع الفقر والبؤس والحاجات، فيقصّون عليهم قصص رخائهم بعد بأسائهم وضرّائهم، ويذكرون عندهم مبرة القسوس وجراياتهم، وما أترعوا الكيس من الفلوس بعناياتهم. و كذالك لم يزالوا يحثونهم وفى الاموال يرغبونهم، وإلى وسائل الشهوات يحرّكونهم إلى أن يرين هوى التنصر على قلوبهم، ويسفى هواء الطمع نور لبوبهم، فيُوَطّنُون نفوسهم على الارتداد ويضربون عليه

मुँह पादरियों को इस धोखा में डालता है कि वे अपना भेदी (राज़दार) बनाने के लिए उन लोगों को पसंद करते हैं और उपकार किया करते हैं। अत: ये लोग नाज़-नखरे से दौलत की चादर खींचते हैं और अपने चेहरों को और भी निखारते हैं जो समृद्ध होते हैं। फिर उन दोस्तों को मिलते हैं जो कंघी के दांतों की भांति उन से गुनाहों में समानता रखते हैं और भिन्न-भिन्न प्रकार की भीषण परेशानियों में ग्रस्त थे और उनको अपनी कहानियाँ सुनाया करते हैं कि वे केसी तंगी और परेशानियों से खुशहाली में आ गए। और उनके सामने पादरियों के सद् व्यवहार का वर्णन करते हैं और वह सब कुछ वर्णन करते हैं जो हमेशा के लिए उनको वज़ीफे (सहायताएं) मिले और जो कुछ उन्होंने धन से अपने पर खर्च किए। इस प्रकार उन को सदैव इस ओर ध्यान दिलाते रहते हैं और धन तथा भिन्न-भिन्न प्रकार की वस्तुओं की भूख की ओर उनको प्रेरित करते हैं यहाँ तक कि उन पर भी ईसाई धर्म अपनाने की इच्छा विजय पाती है और लालच की इच्छा उनके आध्यात्मिक प्रकाश उड़ा

جروتهم لخبث المواد، ثم يرتدون قائلين بأنهم كانوا طلّاب الحق والسداد. والاصل فى ذالك أن أكثر الناس فى هذا الزمان قد تمايلوا على الدنيا وقلّت معرفة الله الديَّان، وقلَّ خوفُهُ ولم تبق محبّته فى الجنان. فلما رأوا زخرف الدنيا فى أيدى القسوس مالوا إليهم برغبة النفوس، فلاجل ذالك يدخلون فى ظلماتهم أفواجًا، ويتركون سراجًا وهَّاجًا. ولا تنفع المباحثة الخالية عن الخوارق عند هذه الآفات، فإن الدنيا صارت لهم منتهى المآرب وملاء الفساد فى النيّات. فحينئذٍ اشتدّت الحاجة إلى تجديد الإيمان بالآيات. وطالما أيقظهم العالمون فتناعسوا وجذبهم الواعظون فتقاعسوا وما نفعتهم البراهين العقلية ولا النصوص النقلية. وزادوا

---

कर ले जाती है, अत: मुर्तद (धर्म विमुख) होने का निर्णय कर लेते हैं और दिल की गंदगी के कारण इस बात का दृढ़ संकल्प कर लेते हैं और इस पर ऐश्वर्य और लालच इत्यादि की कुधारणाएं बिठा लेते हैं। फिर यह कहते हुए मुर्तद हो जाते हैं कि वे सच्चाई को तलाश करने वाले थे। और इस बुरे धर्म की अधार्मिकता के प्रभुत्व का वास्तविक कारण यह है कि अधिकतर लोग इस समय सांसारिक मोहमाया में ग्रस्त हो गए हैं और ख़ुदा तआला का भय कम हो गया है और दिल में उस का प्रेम बाकी नहीं रहा है। अत: जबकि उन लोगों ने सांसारिक ऐश्वर्य पादरियों के हाथों में देखा तो अपने दिल की इच्छा से उनकी ओर झुक गए। अत: इसीलिए हज़ारों लोग उनके अंधकार में शामिल हो रहे हैं और रोशन चिराग छोड़ते जाते हैं इसलिए उन झगड़ों के समय में केवल बहस करना जिस में चमत्कार न हो कुछ लाभ नहीं देता। क्योंकि ऐसे लोगों का असल उद्देश्य दुनियादारी है और दिलों में फसाद भरा हुआ है और इस समय ईमान

طغيانا واعتسافا، وتركوا عدلا وانصافا. فالسرّ فيه أن القلوب قدّ عمت، والعقول قد كدرت، والنفوس قد فارت، وأهواء الدنيا عليها غلبت، وكثرت الحجُبُ وتوالت. فيرون ثم لا يرون، ويسمعون ثم يتناسون، فليس علاج هذا الداء إلّا نور يتنزّل من السماء، وآيات تتوالى من حضرة الكبرياء، فإن الإيمان ضعف وكثرت وساوس الخنّاس، وبلغ الامر إلى اليأس. وغلبت على أكثر القلوب محبة الدنيا الدنيّة، وأينما وجدوها فيسعون إلى تلك الناحية، وما بقى تعلق بالإيمان والملّة. فهٰهنا ليس رزئً واحدًا بل يوجد رزآن: رزء التنصّر ورزء ضعف الإيمان. وأرى أكثر المسلمين كأنما أُخرج الإيمان من قلوبهم، وأحرقت العمل

को ताज़ा करने के लिए निशानों की आवश्यकता है और बहुत समय तक बुद्धिमानों ने उन्हें जगाया परन्तु वे लापरवाह हो कर सोते रहे और उपदेश देने वालों ने उन को अपनी ओर खींचा परन्तु वे पीछे हट गए। और उनको न बौद्धिक तर्कों ने लाभ दिया और न पुस्तकीय प्रमाणों ने और वे उद्दंडता और द्वेष में बढ़ गए और सच्चाई और इंसाफ को छोड़ दिया और इस में भेद यह है कि दिल अंधे हो गए और बुद्धियां मंद हो गईं और उनके नफ्सों ने जोश मारा और सांसारिक भोग-विलास में वशीभूत हो गए और पर्दे बढ़ गए। अत: वे देख कर भी नहीं देखते और सुनते हैं और फिर भुला देते हैं। अत: इस बीमारी का सिवाय इसके और कोई इलाज नहीं कि आसमान से नूर उतरे और एक के बाद एक निशान प्रकट हों क्योंकि ईमान कमज़ोर हो गया है और शैतान के धोखे बढ़ गए और निराशा तक बात पहुँच गई और अधिकतर दिलों पर सांसारिक प्रेम वशीभूत हो गया है और जहाँ दुनियादारी को पाया उसी ओर दौड़ते हैं

المبرور نار ذنوبهم، وهذا هو سبب الارتداد. فإن الله رآهم مفسدين مكّارين كالصيّاد، فقذف بهم إلى جموعٍ يحبون طرق الفساد، وهذا هو سر كثرة المرتدين، وعلى الصليب عاكفين، ومن الله فارّين. ما ينفعهم وعظ الواعظين ولا نصح الناصحين. ولم يكونوا منفكين حتى تأتيهم البيّنة، وتتجلّى الآيات المبصرة. فبعث الله رجلا على اسم المسيح فى الملّة تكرمةً لهٰذه الامّة، بعد ما كمل الفساد، وكثر الارتداد، وعاثت الذياب، ونبحت الكلاب، وألّفوا كتبا كثيرة محتوية على السبّ والشتم والتوهين. وجلبوا على المسلمين

और ईमान तथा इस्लाम से कोई संबंध नहीं रहा। अत: यहाँ एक मुसीबत नहीं है बल्कि दो मुसीबतें हैं एक मुसीबत ईसाई होने की और दूसरी मुसीबत ईमान की कमज़ोरी की, और मैं अधिकतर मुसलमानों को देखता हूँ कि मानो ईमान उनके दिल से निकाला गया है और गुनाहों की आग ने उन पवित्र कार्यों को जला दिया है। यही मुर्तद होने का कारण है क्योंकि ख़ुदा ने उन को झूठा पाया और शिकारी की भांति चतुर देखा इसलिए उन्हें उन लोगों की ओर फेंक दिया जो फसाद को पसंद करते थे और मुर्तदों की अधिक संख्या होने का यही भेद है और उन लोगों की अधिकता का यही कारण है जो ईसाई धर्म को अपनाते और ख़ुदा से दूर भागते हैं। उन को न किसी उपदेशक का उपदेश लाभ देता है, और न किसी समझाने वाले की नसीहत लाभदायक होती है और वे रुकने वाले नहीं थे जब तक कि उनके पास खुला-खुला निशान न आए और जब तक कि स्पष्ट चमत्कार प्रकट न हों। अत: ख़ुदा तआला ने एक इन्सान को मसीह के नाम पर इस्लाम धर्म में भेजा ताकि इस उम्मत (इस्लाम) का श्रेष्ठ होना प्रकट हो और यह भेजना उस समय हुआ जब कि उपद्रव चरम को पहुँच गया था और लोग तेज़ी से मुर्तद होने लगे, भेड़ियों ने तबाही डाली और कुत्तों ने

بخيلهم ورجلهم وجاء وا بالإفك المبين. وزلزلت الارض زلزالها، وأرى الضلالة كمالُها، وطال الامد على الظالمين. وقد كان وعد الله عزّو جلّ أنه يكسر الصليب بالمسيح الموعود★ ويُتم ما سبق من العهود،

आवाज़ों को बुलंद किया और बहुत सारी पुस्तकें गालियों से भरी हुई प्रकाशित कीं गईं और झूठ की सेना और उनके सवारों और प्यादों ने इस्लाम पर हमला किया और पृथ्वी पर एक भूकंप आया और गुमराही चरम को पहुंच गई और अत्याचारियों का अत्याचार लम्बा हो गया और ख़ुदा तआला का वादा था कि मसीह मौऊद के द्वारा सलीब (सलीबी विचारधारा-अनुवादक) को तोड़ेगा★ और अपने वादों को पूरा करेगा और ख़ुदा तआला वादाखिलाफ़ी नहीं करता और

★حاشية - قدجرت عادت الله بانه يستأنف للتجديد عزيمة جديدة عند تطرق الفساد الىٰ قلوب العباد. فلاجل ذالك تجلّى علىّ لينفخ الروح فى الاجساد و جعلنى مسيحا و مهديا و ارشدنى بكمال الرشاد. ووصّانى بقول ليّن و ترك الشدّة والاتقاد. واما كسر الصليب فقد استعمل هٰذا اللفظ فى الاحاديث. والاٰثار. تجوزًا من الله القهّار. وما يُعْنٰى به حرب و غزاة و كسر الصلبان فى الحقيقة. و من زعم كذالك فقد ضل و بعد من الطريقة. بل المراد منه اتمام الحجّة على الملّة النصرانية. و كسر شان الصليب و تكذيب امره بالادلّة

★**हाशिया :-** ख़ुदा तआला की क़ुदरत इस तरह जारी है कि वह किसी बिगाड़ के समय पर धार्मिक सुधार के लिए नए सिरे से ध्यान देता है अत: इसीलिए वह मेरे द्वारा ज़ाहिर हुआ ताकि मुर्दों में रूहें फूंके और मुझे मसीह महदी बनाया और समस्त हिदायत के सामान उस ने मुझे प्रदान किए और मुझे वसीयत की कि मैं नर्म भाषा का प्रयोग करूँ और सख़्ती और आवेग को छोड़ दूं परन्तु **कस्रे-सलीब** का शब्द जो हदीसों में आया है वह लाक्षणिक रूप में प्रयोग किया गया और इस से तात्पर्य कोई युद्ध अथवा धार्मिक युद्ध और वस्तुत: सलीब (क्रॉस) का तोड़ना नहीं है और जिस व्यक्ति ने ऐसा समझा उस ने ग़लती की है बल्कि इस शब्द का अर्थ ईसाई धर्म पर तार्किक और अकाट्य प्रमाण प्रस्तुत करना और स्पष्ट तर्कों के साथ सलीब का प्रभुत्व समाप्त करना है और हमें आदेश है कि हम नर्मी और शालीनता से अपने समझाने के अंतिम प्रयास को पूर्ण करें और बुराई के बदले में बुराई न करें सिवाए उस अवस्था के जब कोई व्यक्ति रसूल

و إن الله لا يُخلف الميعاد و يفعل ما أراد فكان من مقتضى الوعد أن يُرسل مسيحه لكسر صليب علا، والكريم إذا وعد وفا و إنّ نقض العهود من سير الكاذبين، فكيف يصدر هذا من أصدق الصادقين؟ وهو ملكٌ قدّوسٌ نور السماوات والارضين، لا يُعزى إليه كذب ولا تخلّف وعدٍ كالمخلوقين، وقد تنزّه شأنه

---

जो कुछ चाहता है प्रकट करता है, अत: यह वादे का तक़ाज़ा था कि वह सलीब को तोड़ने के लिए अपने मसीह को भेजे और अल्लाह जब वादा करता है तो पूरा करता है क्योंकि वादा तोड़ना झूठों के स्वभाव में से है। अत: यह कार्य सबसे अधिक सच्चे (ख़ुदा) से कैसे सम्भव है

---

الواضحة والحجج البينة. واناأُمرنا ان نتم الحجة بالرفق والحلم والتؤَدة. ولاندفع السيئة بالسيئة الا اذا كثر سبّ رسول اللّٰہ و بلغ الامر الى القذف و كمال الاهانة فلا نسبّ احدًا من النصارىٰ. ولانتصدى لهم بالشتم والقذف وهتك الاعراض. وانما نقصد شطر الذين سبوا نبيّنا صلى الله عليه وسلم وبالغوافيه بالتصريح اوالايماض. ونكرم قسوسا لايسبون ولايقذفون رسولنا كالارازل و العامة. و نعظم القلوب المنزهة عن هذه العذرة.و نذكرهم بالاكرام و التكرمة. فليس فى بيان منا حرف ولانقطةيكسر شان هٰذه السادات وانما نرد سبّ السابّين على وجوههم جزآء للمفتريات. منه

करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियां देने और अपमानित करने और अप शब्दों में सीमा लांघ जाएँ। अत: हम ईसाइयों को गाली नहीं देते और बुरे नामों और अप शब्दों तथा अपमान का व्यवहार नहीं करते और हम केवल उन लोगों की ओर ध्यान देते हैं जो हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को खुल्लम खुल्ला या इशारों में गालियाँ देते हैं और हम उन पादरी साहिबों का सम्मान करते हैं जो हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियां नहीं देते और ऐसे लोगों को जो इस गंदगी से पवित्र हैं हम सम्मान के योग्य समझते हैं और सम्मान और सत्कार के साथ उन का नाम लेते हैं और हमारे किसी कथन में कोई ऐसा शब्द और बिंदु नहीं है जो उन अवतारों के सम्मान को ठेस पहुँचाता हो और केवल हम गाली देने वालों की गाली उनके मुख की ओर वापिस करते हैं ताकि उनका झूठ सामने आए। इसी से।

عــن صفــات المزوّريــن انظــر إلى وعــده ثــم انظــر كيــف بلغــت دعــوة الصليــب ذُرَى كمالهــا وقطعــت الإطمــاع عــن زوالهــا، وتــرون أن خيامهــا كيــف رســت بحبالهــا، واســتحكم مريــر إقبالهــا، ودخــل فی دینــهم أفــواج مــن المســلمین، وملئــت دیارنــا مــن المرتدّیــن. وأیّ شیء أشــدّ مضاضــة مــن هــذا عــلى المؤمنــین الغیوریــن؟ وقــد كذبــوا ومــا نفعتــهم الذكــرى ومــا كانــوا منتهــین. وكنــا نرجــوا أن نُدخــل النصــارى فی أجیالنــا. والآن یُخلــس مــن رأس مالنــا، ویُطمَــع فی إضلالنــا. وقــد فرّقــوا الابنــاء مــن الآبــاء، والاصــادق مــن الاصدقــاء والامهــات مــن الاولاد، والعجائــز مــن فــلذ الاكبــاد. فانظــروا ألــم

और वह अत्यंत पवित्र और आसमानों और ज़मीनों का नूर है। उसकी ओर झूठ और वादा तोड़ना, लोगों के वादा तोड़ने की भांति मंसूब नहीं किया जा सकता और उस की शान झूठ बोलने वाले लोगों से पवित्र है। उसके वादा को देख, फिर देख कि ईसाइयों का प्रचार किस उच्च सीमा तक पहुँच गया है और उसके पतन की आशा ख़त्म हो चुकी है और तुम देखते हो कि उस के घर रस्सों के द्वारा कैसे मज़बूत हो गए हैं और उनका प्रताप अत्यधिक मज़बूत हो गया है और उनके धर्म में एक बड़ी सेना मुसलमानों की शामिल हो चुकी है और हमारा मुल्क मुर्तदों से भर गया है और इस से अधिक मोमिनों पर और कौन सी शर्मिंदगी होगी और उन्होंने इस्लाम को झूठा ठहराया और उपदेशों ने कुछ भी लाभ नहीं दिया और न इससे रुके। और हम यह आशा रखते थे कि ईसाइयों को अपने साथ शामिल कर लेंगे परन्तु अब हमारा ही मूल धन छीना गया और हमें गुमराह करने के पीछे पड़े हैं और उन्होंने बेटों को बापों से और दोस्तों को दोस्तों से, और माताओं को बच्चों से और वृद्ध महिलाओं को उनके जिगर के टुकड़ों से अलग कर दिया। अब देखो क्या दयनीय इस्लाम के लिए अभी समय नहीं आया कि

يـأن للإسـلام الغريـب أن يُنصـر بكسـر الصليـب★؟ أمـا حـان أن تظهـر مواعيـد الحضـرة الاحديّـة، وقـد ديـس الديـن تحـت أقـدام النصرانيـة؟ وفكّـروا ألـم تقتـض مصلحـة حفـظ الديـن والمـلّة أن يبعـث الله مُجـدّدًا عـلى رأس هـذه المائـة بالآيـات والادلة ليكسـر ما بنـا أهـل الصُلبـان، ويُظهـر الديـن عـلى سـائر الملـل والاديـان؟

أيهـا الإخـوان! قومـوا فُـرادىٰ فُـرادىٰ، ثـم فكّـروا نِصفـةً ولا تكونـوا كمـن عـادىٰ. أيفـتى قلبكـم أن تبلـغ المصائـب إلى هـذه الحـالات، وتضيـق الارض عـلى المسـلمين والمسـلمات، وتكثـر

---

सलीबी विचारधारा★ को तोड़ने के लिए सहायता दी जाए? क्या अभी समय नहीं आया कि ख़ुदा तआला के वादे पूरे हों। जबकि इस्लाम ईसाइयत के पैरों के नीचे कुचला गया है और तनिक विचार करो कि क्या यह मस्लहत कि इस्लाम को बचाया जाए, यह मांग नहीं करती थी कि इस सदी के आरम्भ पर कोई अवतार निशानों ओर तर्कों के साथ भेजा जाए ताकि वह उस बुनियाद को तोड़े जो कि ईसाइयों ने बनाई और समस्त धर्मों पर इस्लाम धर्म को प्रभुत्व दे।

हे भाइयो! अकेले-अकेले हो कर खड़े हो जाओ और फिर न्याय की दृष्टि से सोचो और दुश्मनों की तरह मत बनो। क्या तुम्हारा दिल यह फ़त्वा देता है कि मुसीबतें इस सीमा तक पहुंचें और मुसलमानों पर ज़मीन तंग हो जाए और फ़ित्ने अत्यधिक पैदा हो जाएं, यहाँ तक कि उन से दिलों में घबराहट और बेचैनी बढ़ जाए फिर इन समस्त मुसीबतों के होते हुए ख़ुदा तआला की सहायता आसमान से न उतरे और ख़ुदा तआला का वादा पूरा न हो और सदी का आरम्भ उस बादल की भांति गुज़र जाए जिस में पानी न हो और कोई मुजद्दिद (सुधारक)

---

★حاشـية -قدسـبق منـا البيـان فى تأويـل كسـر الصليـب. فليرجـع اليـه القـارى وليعلـم انّ المعـنى المشـهور فى العلمـاء مـن الاكاذيب.منـه.

★**हाशिया :-** हम **कस्र-ए-सलीब** के अर्थ बता चुके हैं अत: चाहिए कि पाठक उन अर्थों की ओर लौटे और याद रखे कि जो विद्वानों में अर्थ प्रसिद्ध हैं वे ग़लत हैं।

الفتن حتى ترتعد منها القلوب، وتزداد الكروب. ثم مع ذالك لا تنزل نصرة الله من السماء، ولا يتم الوعد الحق من حضرة الكبرياء، وتمضي رأس المائة كجهام، ولا يُرى فيه وجه مجدّد وإمام، ولا تغلى مرجل غيرة علَّام مع توالى الفتن وإحاطتها كغمام أهذا أمر تقبله الفراسة الإيمانية أو تشهد عليه الصحف الربّانية؟ أليس هذا وقت فتنة وبلاء، وساعة حكم وقضاء، وفصلٍ وإمضاء، وزمان إزالة التهم وإبراء؟ أو هذه ثلمة ما أراد الله أن يسد وقضاء ما شاء الرحمٰن أن يرد؟ كلَّا بل سبقت من الله من قبل بشارة عند هذه الآفات، وملئت الكتب من التبشيرات، فمن الغباوة أن تُنسى البشارات، ولا يُرَى الآثار والإمارات. أليس حقّا أن غلبة الصليب وشيوع هذا الدين القبيح من أوّل علامات ظهور المسيح؟ وعليها اتفق أهل السُنّة بالإقرار الصريح، ولم

और इमाम उसमें प्रकट न हो और ख़ुदा तआला का स्वाभिमान जोश में न आए और बुराइयाँ घनघोर बादलों की तरह छा जाएं। क्या यह वह बात है जिसको पूरी तरह विवेक स्वीकार कर सकता है या जिस पर अल्लाह तआला के पवित्र ग्रंथ गवाही देतें हैं? क्या यह फ़ित्ना और मुसीबत का समय नहीं और ख़ुदा के आदेश और निर्णय का समय नहीं और क्या इस्लाम को बरी करने और आरोपों को दूर करने का युग नहीं? या क्या यह ऐसी रुकावट है कि ख़ुदा तआला ने इरादा नहीं फ़रमाया कि उसको बंद किया जाए या इस प्रकार की तक़दीर (प्रारब्ध) है कि उस कृपालु (ख़ुदा) ने नहीं चाहा कि रद्द की जाए? कदापि नहीं, बल्कि इससे पूर्व क़ौमों को भविष्यवाणियां मिल चुकी हैं और भविष्यवाणियों से पुस्तकें भरी पड़ी हैं। अत: यह नासमझी और अज्ञानता है कि उन भविष्यवाणियों को भुलाया जाए और निशानों और प्रतीकों को न देखा जाए। क्या यह बात सच नहीं है कि ईसाई धर्म का प्रभुत्व और इस बुरे धर्म का फैलना मसीह के आने की प्रथम निशानी है और इस पर अहले-सुन्नत वालों ने इसको सच मानते हुए

يبـق فـرد منـهم مخالفـا لهـذا الحديـث الصحيـح. ولا يقبـل عقـل سـليم وطبـع مسـتقيم أن تظهـر العلامـات بهـذه الشـوكة والشـان، وتبلـغ إلى حـدّ الكمـال طـرق الدجـل والافتنـان، وتنقضـى عـلى شـدّتها برهـة مـن الزمـان، ثـم لا يظهـر المسـيح الموعـود إلى هٰـذا الاوان. مـع أن ظهـوره عـلى رأس المِـأَة مـن المسـلّمات، وقـد مضـت المِـأَة قر ّيبـا مـن خمسـها وانتهـى الامـر إلى الغايات★ وحـان أن

स्वीकार किया है और कोई व्यक्ति उन में से इस सही हदीस का विरोधी नहीं है और ख़ुदा की दी हुई सद् बुद्धि और सत् स्वभाव इस को स्वीकार नहीं कर सकता कि निशानियाँ तो उस शान व शौकत के साथ प्रकट हों तथा झूठ और फ़ित्ना चरम को पहुँच जाए और इस पर एक ज़माना भी गुज़र जाए और मसीह मौऊद अब तक प्रकट न हो। बावजूद इस बात के कि सदी के आरम्भ में उस का आना धर्म की स्वीकृत बातों में से है और सदी के ऊपर भी पांच दशक के लगभग बीत गए और मुजद्दिद की प्रतीक्षा का विषय चरम★ तक

★حاشـية -لايخفـى ان المجـدد لايـاتى الّا لاصـلاح المفاسـد الموجـودة. و لايتوجـه الّا الىٰ قلـع مـا كـبر مـن السـيئات الشـايعة. ومـن المعلـوم ان الفسـاد العظيـم فى هـذا الزمـان هـو فتنـة اهـل الصُّلبـان. وهـو الذى اهلـك كثـيرًا مـن اهـل الـبراری والبـلدان. فوجـب ان يـأتى المجـدّد عـلى رأس هٰـذه المائـة لهـذا الاصـلاح. و يكسـر الصليـب و يقتـل خنازيـر الطـلاح. و مـن يكسـر الصليـب فهو المسـيح الموعـود. ففكّـر ايّهـا الزكـى المسـعود. منـه

★**हाशिया :-** यह बात छुपी हुई नहीं है कि मुजद्दिद वर्तमान झगड़ों को समाप्त करने के लिए आता है और उस बुराई का अंत करने की ओर ध्यान देता है जो फैली हुई बुराइयों में से बड़ी बुराई हो और यह ज्ञात है कि इस युग का सबसे बड़ा उपद्रव पादरियों के फ़ित्नों का उपद्रव है। इसी उपद्रव ने बहुत से देहात एवं शहर के लोगों का विनाश किया है। अत: अनिवार्य है कि इसके सुधार के लिए इस सदी के आरंभ पर मुजद्दिद आए और हदीसों के अनुसार सलीबी विचारधारा को तोड़े और लोगों की सूअर प्रवृत्ति को दूर करे और जो व्यक्ति कस्रे-सलीब (अर्थात पादरियों का फ़ित्ना) ख़त्म करे वही मसीह मौऊद है इसलिए हे नेक आदमी इस बात को सोच। इसी से।

يرحم الله الضعفاء ويجبر ضيق أمورهم ويخرجهم من قبورهم. وقد تعنّى المنتظرون لاجل المسيح النازل، وديسوا تحت النوازل وارمدّت عين المنتظرين. أيها السادات والشرفاء ! رحمكم الله وأتاكم منه الضياء. انظروا وكرّروا النظر وأمعنوا أليس من وعد الله أن ينزل المسيح عند الزلازل الصليبية، فيُقبل على المسلمين إقبال الرحمة والنصرة، ويجزل لهم الله طوله ويتم قوله بالفضل والمنّة؟ وتعلمون أن القسوس كيف غلبوا على أمورهم، وقلّبوا الارض بظهورهم. وطال عليهم الامد، فأين ذهب ما وعد الصدوق الصمد؟ وترون أن أفواجا من

---

पहुँच गया। और वह समय आ गया कि ख़ुदा तआला कमज़ोरों पर रहम करे और उनकी तंगियों और तकलीफों का निवारण करे और उन को क़ब्रों में से निकाले और मसीह की प्रतीक्षा करते-करते लोगों ने बहुत कष्ट सहा है और मुसीबतों के नीचे कुचले गए हैं और प्रतीक्षा करते-करते लोगों की आंखें थक गईं। हे शरीफ लोगो! ख़ुदा तुम पर रहम करे और अपने पास से तुम्हें रौशनी प्रदान करे। ध्यान दो ओर पुन: देखो और अत्यधिक विचार करो। क्या यह ख़ुदा का वादा नहीं है कि वह मसीह मौउद को ईसाइयों के प्रभुत्व के समय पर अवतरित करेगा और फिर वह मुसलमानों पर रहमत और सहायता के साथ ध्यान देगा और अपना वादा उन पर पूरा करेगा और अपने कथन की सच्चाई उन पर प्रकट करेगा और आप लोग जानते हैं कि पादरी लोग क्योंकर अपने उद्देश्य में सफल हो गए हैं और पृथ्वी को अपने प्रभुत्व के साथ हिला कर रख दिया है और उनके कार्यों पर लंबा समय गुज़र चुका है। अत: उस सच्चे ख़ुदा का वादा कहां गया और आप लोग देखते हैं कि हज़ारों मुसलमान मुर्तद हो कर इस्लाम धर्म को छोड़ गए हैं। अत: सोच लो कि क्या यह बहुत बड़ी मुसीबत

المسلمين ارتدت وخرجت من هذه الملّة، ففكروا أليس هذا رزئية عظمى على الشريعة المحمدية؟ ثم مع ذالك سبّوا نبينا المصطفٰى، وطعنوا فى ديننا وبلّغوا الامر إلى المنتهٰى. أمكّنهم الله منّا وما مكّننا من العدا؟ تلك إذًا قسمة ضيزىٰ. وإن كنتم تنتظرون مصائب أخرىٰ فإنّا لله على هذا الرأى والنهٰى. أتريدون أن ينعدم الإسلام كل الانعدام ولا يبقى اسمه ولا اسم نبيّنا خير الانام؟ ثم يظهر المسيح بعد فناء الملّة واختلال النظام، وأنتم تقرءون أن الملّة لا ترى يوم الزوال بالكلّية، ولا تنفك منها آثار القوة والشوكة. وبينما هى كذالك فينزل المسيح المجدد على رأس المائة، وهو يأتى حكما و عدلا

---

हमारे नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के धर्म पर नहीं है, फिर उन्होंने इसके अतिरिक्त बुरे धर्म को फैलाने (धर्म में फूट डालने) के हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को गालियां भी दीं और हमारे इस्लाम धर्म पर आरोप लगाए और अपमानित किया और बात को चरमसीमा तक पहुंचा दिया। क्या ख़ुदा ने उनको हमें कष्ट देने के लिए अवसर दिया और हमें न दिया। अत: यह विभाजन तो सही-सही न हुआ और यदि आप लोग और मुसीबतों के आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो सिवाए इन्ना लिल्लाह के और क्या कहें। क्या आप लोग ये चाहते हैं कि इस्लाम का पूर्णत: अंत हो जाए और इस्लाम और आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का संसार में नामो निशान न रहे। फिर मसीह मौऊद इस्लाम धर्म के अंत होने के पश्चात और धर्म की व्यवस्था में ख़राबी पैदा होने के बाद प्रकट हो। और आप लोग किताबों में पढ़ते हैं कि ऐसा पतन का दिन इस्लाम पर कभी नहीं आएगा और प्रताप और शक्ति के चिन्ह कभी इससे अलग नहीं

ويقضى بين الامّة. فيجمع السعداء على كلمة واحدة بعد افتراق المسلمين وآراء مختلفة. وأسماء هذا المجدد ثلاثة وذكرها فى الاحاديث الصحيحة صريح: حكم ومهدى ومسيح. أما الحكم فبما رُوِىَ أنه يخرج فى زمن اختلاف الامّة، فيحكم بينهم بقوله الفصل والادلة القاطعة. وعند زمن ظهوره لا توجد عقيدة إلَّا وفيها أقوال، فيختار القول الحق منها ويترك ما هو باطل وضلال. وأمّا المهدى فبما رُوِى أنه لا يأخذ العلم من العلماء، ويُهدى من لدن ربه كما كان سُنّة الله بنبيّه محمد خير الانبياء، فإنه هُدِى وعُلِّم من حضرة الكبرياء، وما كان له مُعلّم آخر من غير الله ذى العزّة والعلاء. وأمّا المسيح فبما

---

होंगे और इस्लाम इसी अवस्था पर होगा कि मसीह मौऊद सदी के आरंभ में अवतरित हो जाएगा और वह हकम (निर्णायक) अदल (न्यायकर्ता) हो कर आएगा और सदपुरुषों के मतभेदों का अंत करके एक बात पर इकठ्ठा कर देगा और उस मुजद्दिद के तीन नाम हैं जो सही हदीस में विस्तार के साथ वर्णित हैं अर्थात हकम और महदी और मसीह। और जैसा कि रिवायत किया गया है हकम के नाम का यह कारण है कि मसीह मौऊद उम्मत के मतभेदों के समय आएगा और उन में अपने स्पष्ट शब्दों के साथ वह आदेश देगा जो इंसाफ के निकट होंगे और उसके युग के समय में कोई फ़िर्का ऐसा नहीं होगा जिस में कई बातें न हों। अत: वह सच्चाई के साथ होगा और झूठ और गुमराही को छोड़ देगा। और महदी के नाम का कारण जैसा कि रिवायत की गई है यह है कि वह ज्ञान को ज्ञानियों से नहीं लेगा बल्कि ख़ुदा की ओर से हिदायत दिया जाएगा जैसा कि अल्लाह तआला ने अपने नबी मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को

رُوِی أنــه لا یســتعمل★ للدّیــن ســیوفا مُشــهّرة ولا أســنّة مُذَرّبة.بـل یکـون مـداره عـلی مسـح بـرکات السـماء، وتکـون

इसी प्रकार से हिदायत दी। उसने केवल ख़ुदा से ज्ञान और हिदायत को पाया। और मसीह★ के नाम का कारण जैसा कि रिवायत की गई है यह है कि वह धर्म को फैलाने के लिए तलवार और भाले से काम नहीं लेगा बल्कि

★حاشـیة - المـراد مـن لفـظ المسـیح کمـا جـاء فی الحدیـث الصحیـح مسـیحان. مسـیح قاسـط خـارج فی آخـر الزمـان. و مسـیح مقسـط فی ذالـك الاوان. فـالذی یـزجّی امـره بالاسـباب الردیـة الارضیـة ویمسـح کل عـذرة الارض بالحیـل الدّنیـة. ویسـتعمل انواع التحریـف والمکائـد والتلبیـس والخدعـة ویؤیـد الباطـل بسـائر اقسـام الدجـل والدنـس والتمویـه والتعظیـه. فهـو المسـیح الدجـال و امـره التزویـر و تزیـین الباطـل والاضلال. والذی یفـوض کل امـره الیٰ حضـرة الکبریـاء . ویقطـع الاسـباب ویبعـد منهـا ویعکـف عـلی الدعـاء. ویسـعی مـن الاسـباب الی المسـبب حـتی یمسـح بتـوکله اعنـان السـماء. فذالـك هـو المسـیح الصدیـق. و امـره تائیـد الحـق و کَلِمًـا ینجـو بـه الغریـق. والمسـیح اسـمٌ مشـترك بینهمـا مسـیح العـلیٰ. ومسـیح تحـت الثـریٰ . وسـمّی المسـیح الصدیـق عیسـیٰ. لمـا عیـس مـن بطشـة القـوم کابـن مریـم امـام الهـدیٰ. وعیـس مـن جـور السـلطنت مـع الضعـف والمسـکنة وتهاویـل اخـریٰ. منـه

★**हाशिया :-** मसीह के शब्द से अभिप्राय हदीसों की दृष्टि से दो मसीह हैं एक अत्याचारी मसीह अंतिम युग में आने वाला और एक न्यायकर्ता मसीह उसी युग में आने वाला। अत: वह व्यक्ति जो रद्दी तरीकों से काम चलाता है और ज़मीन की प्रत्येक गन्दगी को अपमान जनक बहानों के साथ छूता और भिन्न-भिन्न प्रकार के शब्दान्तरण और झूठ और धोखे से काम लेगा और समस्त प्रकार के धोखे और झूठ से असत्य का समर्थन करेगा। इसलिए वह झूठा मसीह है और उस का कार्य धोखा देना और गुमराह करना है परन्तु जो व्यक्ति अपना प्रत्येक कार्य ख़ुदा तआला के सुपुर्द करेगा और साधनों को छोड़ कर दुआ पर बल देगा और साधनों से उस के स्रष्टा की ओर दौड़ेगा यहाँ तक कि अपने विश्वास के साथ आसमान को छू लेगा। यह सच्चा मसीह है और उस का काम सच्चाई का समर्थन करना और डूबे हुए को बचाना है और मसीह का शब्द दो चीज़ों पर साँझा है आसमान का मसीह और ज़मीन का मसीह। इसी से।

حربته أنواع التضرّعا والدعاء. فاشكروا الله أنه موجود فى زمنكم وفى هذه البلدان، وأنه هو الذى يُكلمكم فى هذا الاوان، وهذا يوم تنزل فيه البركات، وتظهر الآيات، ويعود الإيمان الغريب إلى موطنه، ويخرج لؤلؤ العلم من معدنه. هذا هو اليوم الذى توجّست منه قلوب الكفار، وانبجست رقّةً عيون عيون الابرار، وهذا يوم تقيّظ الغافلين، ورقة المتيقّظين. و هذا يوم القبول والردّ من رب العالمين. أمّا الذين قبلوا فترى وجوههم متهلّلة مستبشرة عارفة، وأمّا الذين ردّوا فوجوههم كالحة دميمة مستنكرة، و كل يرى ما كسب فى هذه والآخرة.

उसकी समस्त निर्भरता आसमानी बरकतों के छूने में होगी और उस का हथियार भिन्न-भिन्न प्रकार की गिड़गिड़ाहट और दुआ होगी। अत: ख़ुदा का शुक्र करो कि वह तुम्हारे ज़माने में और तुम्हारे देश में मौजूद है और वही तो है जो इस समय तुम से बात कर रहा है और यह वह दिन है जिस में बरकतें उतर रही हैं और निशान ज़ाहिर हो रहे हैं और ईमान का यात्री अपने देश की ओर लौट रहा है और उस की खान से ज्ञान के मोती निकल रहे हैं। यह वह दिन है जिससे काफ़िरों के दिलों में डर बैठ गया है और अत्यंत भावुक होने के कारण नेक लोगों की आँखों से आसुंओं के सोते निकल रहे हैं और यह दिन ग़ाफिलों के जागने का दिन और जागने वालों के हृदय भावुक होने का दिन है और यह दिन स्वीकारिता और अस्वीकारिता का दिन है इसमें स्वीकार करने वालों के मुख चमकदार, प्रसन्न और पहचानने वाले हैं और अस्वीकार करने वालों के मुहं दुखी और कुरूप और न पहचाने जाने वाले हैं और जिस ने सच्चे के पास आकर उसका सत्यापन किया उसने नए सिरे से रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का सत्यापन किया और अपने विभिन्न कार्यों को एकत्र कर लिया। और जिस ने मुख मोड़ कर और इन्कार करके सच्चे को झुठलाया वह व्यक्ति

فمن جاء الصادق مصدقا فقد صدّق الرسول مُجدّدا وجمع شملا مبدّدا، ومن أعرض عن الصادق فعطٰى نبى الله وما بالى التهدّد. وما أقول من تلقاء نفسى بل هذا ما قال ربى وأكّد القول وشدّد. ابتُليَت ببعثتى جموع الزهّاد والعباد، ولا يعرفنى إلّا قلوب الابدال والاوتاد، وأما علماء هذه البلاد فماتت قلوب أكثرهم وبعدوا من السداد، وذهب الله بنور هدايتهم وضياء درايتهم، وتركهم كالمخذولين.

يُكفّرون ولا يعرفون من يُكفّرونه ويعمهون، ويُعرضون عن الحق ولا يقبلون، و يرون آيات الله ثم لا يهتدون. يسبّونى و يشتموننى ويسعون لإجاحتى ويمكرون. ويسخرون منى ومن جماعتى وبسوء الالقاب ينبزون، وسيعلم الذين ظلموا أى منقلب ينقلبون. ثم اعلموا يا جموع كرام أنى أُلهمت مذ أعوام، وأُمرت

---

रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का अवज्ञाकारी हो गया और तनिक भी न डरा। ये मेरे शब्द नहीं बल्कि यही ख़ुदा तआला ने आदेश दिया है। मेरे अवतरित होने के साथ समस्त साधक और नेक लोगों की परीक्षा ली गई और मुझे वही दिल जानते हैं जो नेक लोगों के दिल हैं और सद्मार्ग पर चले। परन्तु इस देश के अधिकतर उलमा का दिल मर गया और ख़ुदा ने उनसे हिदायत का नूर और बुद्धि छीन ली।

मुझे अधिकतर लोग काफ़िर कहते हैं और नहीं जानते कि किस को कह रहे हैं और सच्चाई से मुंह मोड़ते हैं और स्वीकार नहीं करते और ख़ुदा तआला के निशान देखते हैं और फिर हिदायत नहीं पाते और मुझे गालियाँ देते हैं और मुझे अपमानित करने की कोशिशें करते हैं और योजनाएँ बनाते हैं और मुझ पर और मेरी जमाअत पर हँसी करते हैं और बुरे-बुरे नाम रखते हैं। शीघ्र अत्याचारी लोग जान लेंगे कि कहाँ लौटाए

مـن ربّ عـلّام أن أُظهـر عـلى خـواص وعـوام، أن المسـيح الصديـق الذى وُعِـدَ نـزوله لهـذه الامّـة عنـد شـيوع فتـن حمـاة الصليـب والكفـارة، هـو هٰـذا العبـد الذى بُعـث عـلى رأس المائـة. وأُمِـرَ أن يُتـمّ حجّـة الله عـلى أهـل الصلبـان والفِديـة، ويكسـر غلوّهـم بـالادلة القاطعـة، ويُقـوّى بالآيـات أمـر المـلّة، ويقطـع معاذيـر الكفـرة، ويـأتى بمتـاع جديـد للمقويـن. ويبشـر للطالبـين الذيـن يطلبـون مرضـاة ربّـهم ويحبّـون خاتـم النبيّـين، عليـه صلـوات الله والملائكـة وأخيـار النـاس أجمعـين. وقـد سـبق البيـان مـنى أن هـذا الوقـت وقـت ظهـور المسـيح الموعـود، وقـد تمـت كلمـة ربنـا صدقـا وحقـا وأوفىٰ بالعهـود. وكيـف لـم يعـرف وقـد طـال أمـد الانتظـار، وظهـر كلُّ مـا ورد مـن الآثـار، وقـد مضـت مـدة عـلى صراصـر الفتـن الصليبيـة، وارتـد فـوج

जाते हैं। फिर हे आदरणीय लोगो! आप लोगों को ज्ञात हो कि मुझ पर कई वर्षों से इल्हाम हो रहे हैं और मैं इस बात को संसार के समस्त लोगों पर ज़ाहिर करने के लिए आदेशित किया गया हूँ कि वह सच्चा मसीह जिस के आने के लिए इस उम्मत को वादा दिया गया है कि वह ईसाइयों के उपद्रवों के फैलाने के समय आएगा **वह यही व्यक्ति है** जो सदी के आरंभ में भेजा गया और आदेश दिया गया ताकि ख़ुदा तआला के मौजूद होने का तर्क ईसाइयों पर प्रकट करे और अकाट्य तर्कों के साथ उनके अहंकार को तोड़े और समस्त काफ़िरों के आरोपों का खंडन करे और जो लोग बिना हिदायत के हैं उन को पुनः हिदायत दे और ख़ुदा को तलाश करने वालों को ख़ुशख़बरी दे अर्थात उन लोगों को जो ख़ुदा की प्रसन्नता के मार्गों को तलाश करते हैं और जनाब ख़ातमुल अम्बिया सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से प्रेम करते हैं। उस

من الامم المحمدية، وما بقى بيت إلّا دخلت فيه نصرانية، وقلّت على الارض أنوار إيمانية. فأرسلنى الرب الرحيم فى هذه الايام وزاد معرفتى بتوالى الوحى والإلهام، وقوّانى بخوارق و كُشُفٍ كالبدر التام. ووهب لى علم دقائق القرآن، وعلم أحاديث رسوله وما بلّغ من أحكام الرحمٰن، وفهّمنى أنه ما قدّم وما أخّر وعده من الآوان، بل أنزل أمره على رأس الوقت والزمان. ومع ذالك كنت ما يسرنى قليل من الآيات والعلامات، بل كنت استقل الكثير لفرط اللّهج والرغبة فى البيّنات من الشهادات، و كنت ما أرضى من الاستيفاء باللفاء ، وما أقنع من شمس

नबी पर ख़ुदा और उस के फ़रिश्ते और समस्त नेक बन्दों की ओर से दरूद हों। मैंने पहले लिख दिया है कि यह समय मसीह मौउद के आने का समय है और हमारे रब की बात सच्चाई और वास्तविकता के साथ पूरी होगी और उसने अपने वादों को पूरा किया और किस प्रकार पूरा न करता जबकि उस के वादे की बहुत अवधि गुज़र गई थी और समस्त निशानियाँ पूरी हो चुकी थीं और ईसाइयों के फित्नों की आंधियां भी बहुत समय से चल रही हैं और एक फौज मुसलमानों की मुर्तद हो चुकी है और कोई घर खाली न रहा जिस में ईसाई धर्म ने प्रवेश न किया हो और ईमान के नूर ज़मीन पर कम हो गए हैं, अत: कृपालु ख़ुदा ने मुझे इन दिनों में भेजा और वह्यी और इल्हाम को निरंतर भेज कर मेरी पहचान को बढ़ाया, और विलक्षण तर्कों और स्पष्ट कश्फ़ के साथ मुझे सुदृढ़ किया और मुझे क़ुर्आन क़रीम के रहस्यों का ज्ञान दिया गया और ऐसा ही हदीस का ज्ञान प्रदान किया और मुझे समझाया कि उस ने अपने वादे को शीघ्र या देर से पूरा नहीं किया बल्कि अपने

الهجر بأقل الضياء.بل كنت أجتنب منهلًا كدُر ماؤه وما كمل صفاؤه، فتوالت آيات ربى لتسليتى حتى اطمأنت مهجتى ولمعت محجتى. وأُعطيتُ بصائر من الله المنّان، وغُذّيتُ بلبان السكينة والاطمينان، ودُرِئَ عن نفسى كل شبهة، ونُوّرتُ من أيدى الحضرة بأشعة مومضة. ووضح لى بصدق العلامات، وتلالاء الآيات، وشهادة صحف رب السماوات، وخبر سيد الكائنات أنى أنا المسيح الموعود، وأنه تمت بى المواعيد والعهود. وإنّ الله فعل ما شاء وله التخيّر فى كل ما أحسن فى زعمكم أو أساء. يُلقى الروح على من يشاء ، ولا يُسأل عما يفعل وهو مالك السماوات

कार्य को बिल्कुल सही समय पर पूरा फ़रमाया और बावजूद इसके मैं इस बात पर राज़ी नहीं होता था कि थोड़े से निशानों पर और संकेतों पर सब्र करूं बल्कि सबूतों और तर्कों की इच्छा के कारण अधिक को थोड़ा समझता था और थोड़ी वस्तु तथा थोड़ी रौशनी को काफी नहीं समझता था। बल्कि मैं ऐसे स्रोत से दूर रहता था जिस का पानी गंदा और स्वच्छ न हो, अत: मेरी सांत्वना के लिए ख़ुदा तआला के निशान निरंतर प्रकट होते रहे। यहाँ तक कि मुझे विश्वास हो गया और मेरा मार्ग स्पष्ट हो गया और कई प्रकार के स्पष्ट निशान मुझ को दिए गए और सांत्वना और विश्वास का दूध मुझे पिलाया गया और मुझ में से प्रत्येक प्रकार का संदेह दूर किया गया और मैं ख़ुदा तआला के हाथों से चमकती किरणों के साथ रोशन किया गया और सच्चाई के प्रमाण और रोशन निशानों और अल्लाह की किताब और हदीस से मुझ पर प्रकट किया गया कि मैं मसीह मौउद हूँ और यह कि मेरे प्रकटन के साथ वादे पूरे हो गए और ख़ुदा तआला जो चाहता है करता है प्रत्येक

والارضين.

وكنت أعلم أن العلماء يُكذّبونني ويجعلونني عرضًا للسهام، ويقولون أنه شقّ العصا وخرج من إجماع أئمة الإسلام، فوالله ما خشيتهم وما سترت أمرًا أُوحى إليَّ من الله العلاّم، وأى ذنب أكبر من ان يُكْتَم الحق من خوف الانام، وما وردت هذا المورد من غير الامر والإعلام، وما كان لى أن أستقيل من هذا المقام. وما جِئْتُ كطارق إذا عرى، بل جئت كبدرٍ طلع فى أُمِّ القرىٰ، وعندى شهادات لمن يرىٰ، وآيات لقلب وعىٰ. وقد شهد الزمان أن الاوان هو هذا الآوان، بما ظهرت

---

बात पर उसका अधिकार है जिस पर चाहता है रूह डालता है और वह अपने कार्यों के बारे में पूछा नहीं जाता और पृथ्वी और आकाश का वही मालिक है।

और मैं जानता था कि उलमा मुझे झुठलाएंगे और मुझे अपने तीरों का निशाना बनाएंगे और कहेंगे कि उस ने इज्मा (सर्व सहमति) को तोड़ा और इज्मा की धारणा से बाहर हो गया। अत: ख़ुदा की क़सम मैं उन से नहीं डरा और किसी कार्य को जो ख़ुदा तआला की ओर से मुझे इल्हाम हुआ, मैंने छुपा कर नहीं रखा और उससे बढ़ कर और कौन सा गुनाह होगा कि लोगों से डर कर सच्चाई को छुपाया जाए और मैंने इस मक़ाम पर बिना ख़ुदा तआला के आदेश के क़दम नहीं रखा और मेरा यह भी अधिकार न था कि मैं इस मक़ाम से पीछे हटता और मैं इस प्रकार नहीं आया जिस प्रकार अकारण सहसा एक अतिथि रात्रि को आ जाता है बल्कि मैं उस चंद्रमा की भांति निकला जिस ने पवित्र मक्का में उदय किया और मेरे पास देखने वालों के लिए गवाहियाँ हैं और उस दिल के लिए जो याद रखने वाला हो, निशान

الصلبان وزادت الغواية والطغيان، وترى القسوس★ كيف هوّلوا النفوس، وذعر الناس نسلهم والرملان، وقذفوا خير الرسل ورفع الامان. فمن كان بعد ذالك لا يرى ضرورة عبدٍ يكسر الصليب، ويُرى الآيات ويؤيّد

---

हैं और समय ने अपनी वर्तमान अवस्था के साथ गवाही दे दी है कि यही समय है क्योंकि ईसाइयों का प्रभुत्व हो गया और गुमराही ज़्यादा बढ़ गई और तू पादरियों★ को देखता है किस प्रकार उनके कड़े प्रयास और उनकी राजनीतिक निपुणता ने लोगों को डरा दिया और रसूले करीम सल्लल्लाहु

---

★حاشية - انا ذكرنا غير مرة كيد القسوس وما نعلم كيف يكون اثره على النفوس. فاعلموا انا لا نريد بهٰذه الكلمات. ان يدفع سيئاتهم بالسيئات. بل الواجب على المؤمنين ان يصبروا علىٰ ايذائهم. ويدفعوا بالحسنة سيئاتهم. الذى نشأت من اهوائهم. ولا ينظروا الىٰ سبّهم وازدرائهم. فان الله تبارك وتعالىٰ اوصى لنا بالصبر فى القراٰن. و قال تسمعون اذى كثيرا منهم والصبر خير فى ذالك الأوان. فمن لم يصبر فليس له حظ من الايمان. فاصبروا علىٰ ايذاء القسوس واتّقوا.واذا شتموا فلا تشتموا. وادعوا لاعدائكم واسترشدوا. واذكروا طول الدولة البرطانية واشكروا و لا تكفروا. وارحموا ترحموا. منه

★**हाशिया :-** हम ने बार-बार पादरियों के षडयंत्रों का वर्णन किया है और हमें पता नहीं कि दिलों पर इस का क्या प्रभाव होगा। अत: याद रखो कि हमारा उन बातों से यह अर्थ नहीं कि बुराई का बदला बुराई के साथ लिया जाए बल्कि मुसलमानों पर अनिवार्य है कि उनकी ओर से पहुँचाई गई तकलीफों पर वे सब्र करें और बुराई का नेकी के साथ बदला दें। क्योंकि ख़ुदा तआला ने हमें सब्र करने का आदेश दिया है और फ़रमाया कि जब तुम को अहल-ए-किताब वालों (अर्थात यहूदी और ईसाई -अनुवादक) की ओर से दुख दिया जाए तो सब्र करो। अत: जो व्यक्ति सब्र न करे उसका ईमान से कोई संबंध नहीं है। अत: तुम सब्र करो और मुक़ाबला करने से बचो। जब ग़ालियां सुनो तो गाली न दो और उनके लिए दुआ करो और अंग्रेज़ी हुकूमत के उपकारों को याद करो और दया करो ताकि तुम पर दया की जाए। इसी से।

الديـن الغريـب، و كان يحـار فى أمـرى فهمـه، ويفـرط وهمـه، حـتى لا يُـدرك هـذا السـر غـور عقـله، ولا يحـب بهـذا الثمـر لعـاع حقـله، بـل يرتـاب بعـزوتى، ويـأبى تصديـق دعـوتى، ويضطـر إلى طلـب الآيـات أو النصـوص واّ لبيّنـات، لإزالة مـا عـراه مـن الشـبهات، فهـا أنـا قائـم لمواسـاته كالإخـوان، وأُلَبِّي دعوتـه تلبيـة خائـف عـلى ضجيـج العطشـان، وسـأروى غلتـه بـزلال البرهـان وأصفـى البيـان. وأمّـا النصيحـة الـتى هـى مـنّى بمقتضـى المحبـة وإخـلاص الطويّـة، فهـى أن لا ينهـض أحـد عـلى خـلافى إلَّا بصحـة النيّـة، والذى يُبارينى طالبًـا للنصـوص والحجـج والادلة، أو مُصِـرًّا عـلى طلـب الآى والخـوارق السـماويّة، فعليـه أن يرفـق عنـد المسـألة،

अलैहि वसल्लम को उन्होंने गालियाँ दीं और शांति भंग कर दी गई फिर इसके पश्चात जो व्यक्ति ऐसे बन्दे की आवश्यकता न समझे जो सलीब को तोड़े और निशान दिखलाए और इस्लाम का समर्थन करे और मेरे बारे में उसकी समझ आश्चर्य में हो और उसका भ्रम बढ़ जाए यहाँ तक कि उस भेद को उसकी बुद्धि पहचान न सके और उसके हरे-भरे खेत में यह बीज पैदा न हो सके बल्कि मेरे संबंध में इस लक़ब (उपाधि) को सोच कर संदेह में पड़ जाए और मेरे दावे के सच्चा होने का इन्कार करे और निशानों की मांग के लिए अथवा क़ुर्आन की स्पष्ट आयत और स्पष्ट तर्कों के पाने का मोहताज हो ताकि अपने संदेह दूर करे तो मैं उसके दुखों को दूर करने के लिए भाइयों की तरह खड़ा हूँ और मैं उसके निमंत्रण को इस प्रकार स्वीकार करता हूँ जैसा कि एक व्यक्ति प्यासे की फरियाद से डर कर तुरंत उसकी पुकार सुनता है। और मैं शीघ्र तर्क के तृप्त करने वाले पानी से उसकी प्यास बुझाऊँगा और ज्ञान के स्वच्छ पानी के साथ उस को तृप्त करूँगा परन्तु मेरी ओर से सच्चे दिल के साथ यह नसीहत है कि कोई व्यक्ति साफ और सच्ची नीयत के बिना इस कार्य के लिए खड़ा न

ويُراعى دقائقالتقوىٰ والهون والتؤدة، ولا يخرج من الادب وحسن المخاطبة. فإنه من عارض أهل الحق واهل القدّوس القدير، وخالف عبدًا أُيّد من الربّ النصير، فمثله كمثل رجل ولج غابة ليصطاد قسورة، وما أعدّ له عدّة، وإنّ صيد الاسود ولو بالجنود أمر عسير، فكيف اصطياد آساد الله فإن لهم شأن كبير، لايباريهم إلّا شقى أو ضرير. ولا يفترى على الله إلَّا أشقى الناس، ولا يُكذّب الصدّيق إلَّا أخ الخنّاس، وقد ظهرت منى الآيات، وقامت الشهادات، ولٰكنى أرى أكثر علماء هذه الديار قد كبر عليهم الإقرار بعد الإنكار، وقد جرت سُنّتهم أن أحدا منهم إذا غلط فى الإفتاء وهوى فى وهدة الاخطاء، فشق

---

हो और जो व्यक्ति मेरे मुक़ाबला में इस उद्देश्य से आए ताकि मुझ से पवित्र क़ुर्आन की स्पष्ट आयतों और तर्कों की मांग करे या आकाशीय प्रमाणों की मांग करे तो उस पर अनिवार्य है की विनम्रतापूर्वक प्रश्न करे और संयम और धैर्य के रहस्यों को दृष्टिगत रखे और बात करते समय शिष्टाचार और संयम से बाहर न जाए। क्योंकि वह व्यक्ति जो उन लोगों का मुक़ाबला करता है जो सच्चाई पर और अल्लाह की ओर से हैं और उस व्यक्ति का विरोध करता है जो ख़ुदा से सहायता प्राप्त है तो उसका उदाहरण ऐसा है कि जैसे एक व्यक्ति एक जंगल में इस उद्देश्य से प्रवेश करे ताकि एक शेर का शिकार करे जबकि शिकार करने के लिए कोई तैयारी उसने नहीं की और न कोई ऐसा साज़ो-समान उसके पास है। और शेरों का शिकार करना कठिन है चाहे बहुत बड़ी फ़ौज के साथ हो। तो फिर ख़ुदा के शेरों का किस प्रकार शिकार किया जाए उनकी तो बड़ी शान है। और अभागे या अंधे के अतिरिक्त कोई उनके मुक़ाबले पर नहीं आता और ख़ुदा पर वह व्यक्ति झूठा होने का आरोप लगाता है जो अत्यंत दुष्ट हो, और सच्चे को वह झुठलाता है जो शैतान का भाई हो, और मेरी ओर से सच्चे निशान

عليه إلى آخر عمره أن يرجع إلى الصواب وينتهج مهجة أولى الالباب، أو يغنى عنه الندم بعد ما زلّت القدم، فيا حسرة عليهم. إنهم لا يتقون الله ويعلمون أنهم بمرآه وتربئهم عيناه، يرون آى الله ثم لا ينظرون. ويُبلون كل عام ثم لا يتوبون، وقد تمت حجّة الله عليهم ثم لا يخافون. وإنّى أرى أن أكتب فى رسالتى هذه بعض الايات التى أظهرها الله لإزالة الشبهات، لعل الله ينفع بها بعض الصالحين والصالحات من المؤمنين.

فمنها أن الله تعالىٰ بعثنى على رأس المائة، وأرسلنى عند غلبة أهل الصلبان وشيوع سمر الكفّارة، وأمرنى عندما

---

प्रकट हुए हैं और गवाहियाँ मिली हैं परन्तु मैं इस देश के अधिकतर मौलवियों को देखता हूँ कि इन्कार करने के पश्चात स्वीकार करना उन पर भारी पड़ गया है और यह उनका ढंग है कि जब कोई उनमें से एक बार ग़लती कर बैठता है और पाप के गढ़े में गिर जाता है तो उसको यह बात कठिन लगती है कि फिर सदमार्ग की ओर लौटे और बुद्धिमानों का मार्ग चुने या अपनी ग़लती पर कुछ लज्जित हो। अत: उन पर खेद कि वे अल्लाह तआला से नहीं डरते और जानते हैं कि उसकी नज़र के नीचे हैं और ख़ुदा तआला की आँख उनको देख रही है और ख़ुदा के निशान देख कर फिर ऐसे हो जाते हैं कि मानो कुछ नहीं देखा और हर समय आज़माए जाते हैं और फिर तौबा नहीं करते और ख़ुदा तआला के अकाट्य तर्क उन पर पूरे हो गए फिर भी वे नहीं डरते और मैं उचित समझता हूँ कि अपनी इस पुस्तक में कुछ उन निशानों का वर्णन करूँ जिन को ख़ुदा तआला ने संदेहों को दूर करने के लिए प्रकट किया है ताकि शायद इससे ईमान वाले लोग फ़ायदा उठाएं।

अत: इन निशानों में से एक निशान यह है कि ख़ुदा तआला ने सदी के प्रारंभ में मुझे भेजा है और ईसाई धर्म के प्रभुत्व के समय मुझे अवतरित किया

استعرت جمرهم وعلا أمرهم، وتقضّت قسوسهم على العامة، وفتحوا أبواب الارتداد على وجوه الفجرة، وحركوا صفائحها بأهوية الإباحة، وترائت فتن مُهلكة وظهر هول القيامة، ووهب لى لكسر الصليب معرفة لا يوجد نظيرها فى أحدٍ من اهل الملّة، وإن كتبى شهادة قاطعة على هذه الخصوصية، وقد أفحمت بها حُماة النصرانية، فما استطاعوا أن يأتوا بالمعاذير المعقولة أو ينقضوا أحدًا من الادلة. و كان وقتى هذا وقت كانت العيون فيها مُدّت إلى السماوات من شدّة الكربة، بما أضلّ الناس أهل الدّجل بكل ما أمكن لهم من الاطماع والاختضاع والخديعة. ثم مع ذالك كثر التشاجر فى هذا

है और मुझे इस समय अवतरित किया है जबकि ईसाई धर्म का समर्थन करने वाले पूरी तरह भड़क गए और उनका काम ज़ोर पकड़ गया और उनके पादरी भोली-भाली जनता पर टूट पड़े और दुराचारियों पर मुर्तद होने के दरवाज़े खोल दिए गए और पथ भ्रष्टता की बातों को विहित बातों के साथ मिला दिया और तबाह करने वाले फ़ित्ने प्रकट हो गए और क़यामत का हंगामा बरपा हुआ और ख़ुदा तआला ने मुझे कसरे सलीब अर्थात ईसाई विचार धारा का प्रभुत्व समाप्त करने के लिए वह समझ प्रदान की कि उसका उदाहरण दूसरे मुसलमानों में नहीं पाया जाता और मेरी पुस्तकें इस विषय पर विशेषत: अकाट्य तर्कों पर अधारित हैं और उन से मैंने ईसाइयों के समर्थकों का मुंह बंद कर दिया है अत: वे लोग कोई जायज़ बहाना प्रस्तुत नहीं कर सकते और न किसी तर्क को तोड़ सकते हैं और मेरा समय एक ऐसा समय था कि अत्यधिक बेचैनी से आँखें आकाश की ओर लगी हुई थीं क्योंकि पादरियों ने जहाँ तक उनके लिए संभव था लालच और धोखा दे कर लोगों को गुमराह किया है फिर इसके अतिरिक्त इस युग में मुसलमानों के मध्य अत्यधिक मतभेद हैं और कोई ऐसा अक़ीदा नहीं बचा जिस में मुसलमानों के फिर्कों में मतभेद और झगड़ा

الزمـان بـين الإمّـة، ومـا بقـى عقيـدة إلّا وفيـه اختـلاف ونـزاع
فى الفـرق الإسـلامية، واقتضـت الطبائـع حَكَمًـا ليحكـم بالعـدل
والنصفـة، فحكّمـنى ربّى وأراد أن يرفـع إلىّ مشـاجراتهم وأقضـى
بينـهم بالحـق والمعـدلة. إن فى هـذا لآيـة لقـوم متفكّريـن بـل
هـى مـن أعظـم آى الله عنـد حـزب متدبّريـن.

ومـن آيـاتى أنـه تعـالى وهـب لى ملكـة خارقـة للعـادة فى اللسـان
العربيـة، ليكـون آيـة عنـد أهـل الفكـر والفطنـة. والسـبب فى ذالـك
أنّى كنـت لا أعلـم العربيـة إلّا طفيفـا لا تُسـمّى العلميـة، فطفـق
العلمـاء يقعضـون ويكسـرون عـود خـبرى ومخـبرتى، ويتـزرون
علـى علمـى ومعرفـتى، ليُـبرّؤن العامـة منى ومـن سلسـلتى. وشـهروا
مـن عندهـم أن هـذا الرجـل لا يعلـم صيغـة مـن هـذه اللسـان، ولا
يملـك قراضـة مـن هـذا العقيـان. فسـألت الله أن يُكمّلـنى فى هـذه

न हो और लोगों के दिलों ने एक हकम (निर्णायक) को चाहा जो न्याय और इंसाफ से निर्णय करे। इसलिए ख़ुदा ने मुझे हकम निर्धारित किया ताकि उनके मतभेदों की बातें मेरी ओर लौटाई जाएँ और मैं उनका फैसला करूँ और इसमें सोच-विचार करने वालों के लिए निशान हैं बल्कि सोच विचार करने वालों के निकट ये सब निशानों में से बड़ा निशान है।

और मेरे निशानों में से एक यह है कि ख़ुदा तआला ने अरबी भाषा में एक विलक्षण योग्यता मुझे प्रदान की है ताकि सोच-विचार करने वालों के लिए वह निशान हो और इस का कारण यह है कि मैं मामूली सी अरबी के अतिरिक्त कुछ नहीं जानता था जिसको ज्ञान नहीं कह सकते, अत: ज्ञानियों ने मेरे ज्ञान की लकड़ी को तोड़ना मोड़ना चाहा और मेरे ज्ञान पर दोष निकालना और आलोचना करनी आरंभ की ताकि लोगों को मुझ से और मेरे सिलसिला से विमुख कर दें और अपनी ओर से यह प्रसिद्ध कर दिया कि यह व्यक्ति अरबी की एक विभक्ति भी नहीं जानता और इस सोने में से एक रत्ती का भी मालिक नहीं। अत: मैंने ख़ुदा से दुआ की कि

اللّهجة، ويجعلني واحد الدّهر في مناهج البلاغة. وألحت عليه بالابتهال والضراعة، وكثر إطراحي بين يدى حضرة العزّة، وتوالى سؤالي بجهد العزيمة وصدق الهمة، وإخلاص المهجة. فأُجيب الدعاء وأُوتيت ما كنت أشاء★، وفُتحت لي أبواب

वह मुझे इस भाषा में पूर्ण योग्यता प्रदान करे और इसकी अलंकारिकता और वाग्मिता में मुझे अद्वितीय बना दे और मैंने अत्यंत विनम्रता और गिड़गिड़ाहट के साथ इस दुआ में लग गया और ख़ुदा के सामने झुका और गिड़गिड़ाया और हिम्मत, ईमानदारी और पूर्ण दृढ़ता के साथ इस दुआ को बार-बार ख़ुदा के समक्ष प्रस्तुत किया, अत: दुआ स्वीकार की गई और जो मैंने चाहा था वह मुझे दिया गया★ और अरबी

★حاشية - قد جاء في الآثار و تواتر في الاخباران المسيح الموعود والمهدى المعهود قد رُكّبت نسمته من الحقيقة العيسوية والهوية المحمدية. شطر من ذالك وشطر من هٰذا. والبعض لبعض اٰخر حاذا.و روحانيتهما سارية في وجوده. بل انما هى نار وقوده. ظهر تافيه علٰى طور البروز.وهمابوجوده كالسر المرموز.و كان من الشيون المحمدية بلاغة الكلام. كما اشار اليه اعجاز كلام الله العلّام. فاعطى منه حظ للمسيح الموعود. ليدل على الظلّية واتحاد الوجود. لئلّا يكون طبيعته فاقدة لهٰذا الكمال. فانّ الحرمان لايليق بشان الظلال. فوجد غضا طريّا من هٰذه الشجرة الطيبة. وغمره ماء ظلية النبوة كما هو شان الكمل من الامة. و كذالك وجد ارثا من كمالات ابن مريم عليه سلام الله

★**हाशिया :-** निशानों और हदीसों में निरंतरता से यह बात आ चुकी है कि मसीह मौऊद और महदी मौऊद का अस्तित्व ईसा की वास्तविकता और मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के गुणों का मिश्रित रूप है कोई हिस्स्सा इसका और कोई हिस्सा उसका उसमें मौजूद है और कुछ--कुछ के विपरीत हैं और दोनों की रूहानियत उसके अस्तित्व में प्रवेश करने वाली है बल्कि वह रूहानियत उसके जोश की आग है और दोनों उसमें समरूप के तौर पर प्रकट हुए हैं और उसके अस्तिव का वे भेद हैं और मुहम्मदी निशानों में से एक आलंकारिकता थी जैसा कि पवित्र क़ुर्आन इस ओर संकेत कर रहा है। अत: मसीह मुहम्मदी को प्रतिरूप के रूप में वह निशान प्रदान किए गए ताकि उसका स्वभाव उस विशेषता से वंचित न रहे क्योंकि वंचित होना प्रतिरूप की शान के विरुद्ध है। अत: मसीह मौऊद ने उस पवित्र वृक्ष से तरो-ताज़ा मेवे पाए और नुबुव्वत की

نـوادر العربيـة واللطائـف الادبيـة، حـتى أمليـت فيهـا رسـائل مبتكـرة و كتبـا محـبّرة، ثـم عرضتهـا عـلى العلمـاء وقلـت يـا حـزب الفضـلاء والادبـاء ! إنكـم حسـبتمونى أُمّيًّـا

के अद्भुत विषय और साहित्य के गूढ़ रहस्य मुझ पर खोले गए यहाँ तक कि मैंने अरबी में कई नए ढंग की पत्रिकाएं और अलंकारिकता से परिपूर्ण पुस्तकें प्रकाशित कीं। फिर मैंने इस देश के विद्वानों के समक्ष वे पुस्तकें

و عـلى نبيّنـا الذى جعـله الله اشـرف وا كـرم. ولمـا كانـت حقيقـة المسـيح الموعـود معمـورة فى الحقيقتـين المذكورتـين. ومضمحـلة متلاشـية فيهمـا ومنعـدم العـين ومسـتتبعة لصفـاتهمـا فى الداريـن. غلـب عليهـا اسـمهما ولـم يبـق منهـا اسـم و رسـم فى الكونـين. وانعـدم المغلـوب و بقـى فيـه اسـم الغالـب و تقـرر له فى السـماء اسـم هٰذيـن المباركين. هٰـذا ما اوقعـه الله فى بـالى. و تلقاه حدسى و فراسـتى مـن لدن ربى لا كمـالى. وامّـا العقيـدة الـتى هـى مشـهورة بـين المسـلمين وسـمعتموها ذات المـرار مـن المحدثـين. فانمـا هـى كلـم كشـفية خرجـت مـن فـم خـير المرسـلين. و اخطـأ فيهمـا بعـض المئوّلـين. و حملوهـا عـلىٰ ظواهرهـا و كانـوا فيـه خاطئـين. والاٰن حصحـص الحـق و تـراى الصـراط لقـوم طالبـين. منـه

प्रतिरूपता ने उस को अपने पानी से ढक लिया जैसा कि उम्मत के औलिया, अम्बिया की शान है और इसी प्रकार उसने हज़रत ईसा अलैहिस्सलाम की विशेषताएँ विरासत के रूप में पाईं। उन पर और हमारे नबी पर सलामती हो और जबकि मसीह मौऊद की वास्तविकता उन दोनों वर्णित वास्तविकताओं में डूबी और छुपी और ढूंढने योग्य थी और उनकी विशेषताओं का अनुसरण करते थे इसलिए दोनों अवतारों का नाम इस पर आच्छादित हुआ और उसका अपना नामो-निशान कुछ न रहा और मग़लूब का नामो-निशान ख़त्म हो गया और केवल आच्छादित छाया का नाम रह गया और उस के लिए आसमानों पर उन दोनों मुबारकों के नाम रह गए। यह वह भेद है जिस को ख़ुदा तआला ने मेरे दिल में डाला और ख़ुदा की ओर से मेरे विवेक ने इसको स्वीकार किया परन्तु वह बात जो मुसलमानों में प्रसिद्ध है और हदीसो में कई बार इसका वर्णन आया है वह वास्तव में कश्फ़ी (तन्द्रा अवस्था की) बातें हैं जो आंहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के मुख से निकलीं थीं उनके स्पष्टीकरण में कुछ लोगों ने ग़लती खाई है और उनको उनके ज़ाहिर पर चरितार्थ कर दिया और उस में ग़लती की, और अब सच्चाई प्रकट हो गई और अभिलाषियों के लिए सच्चाई का मार्ग प्रकट हो गया। इसी से।

ومن الجهلاء، والامر كان كذالك لولا التأييد من حضرة الكبرياء، فالآن أُيّدتّ من الحضرة، وعلّمنى ربّى من لدنه بالفضل والرحمة، فأصبحت أديبًا ومن المتفرّدين. وألّفت رسائل فى حُلل البلاغة والفصاحة، وهٰذه آية من ربى لاولى الالباب والنصفة، وعليكم حُجّة الله ذى الجلال والعزّة. فإن كنتم من المرتابين فى صدقى و كمال لسانى، والمتشككين فى حسن بيانى وتبيانى، ولا تؤمنون بآيتى هذه وتحسبونها هذيانى، وتزعمون أنى فى قولى هذا من الكاذبين فأتوا بكتاب من مثلها إن كنتم صادقين. وإن كان الحق عندكم كما أنّكم تزعمون، فسيُبدى الله عزّتكم ولا تُغلبون ولا ترجعون كالخاسرين، فلا يُعاتبكم بعده مُعاتب، ولا يزدريكم مُخاطب، ويستيقن الناس أنّكم من الامناء ومن

प्रस्तुत कीं और कहा कि हे विद्वानो और साहित्यकारो! तुम्हारा मेरे बारे में यह विचार था कि मैं अनपढ़ हूँ और मूर्ख हूँ और वस्तुत: मैं ऐसा ही था यदि ख़ुदा तआला का समर्थन मेरे साथ न होता, अत: अब अल्लाह तआला ने मेरी सहायता की और विशेष फज़ल और कृपा से अपने पास से मुझे शिक्षा दी, अंतत: अब मैं एक साहित्यिक और अद्वितीय व्यक्ति हो गया और मैंने कई अलंकारिकता से परिपूर्ण सरल, सुबोध और सुगम्य पुस्तकें लिखीं, अत: बुद्धिमानो और न्याय प्रिय लोगों के लिए मेरी ओर से यह एक निशान है और ख़ुदा तआला की तुम पर यह दलील है। अत: यदि तुम मेरी सच्चाई और मेरी वाग्मिता में संदेह रखते हो और मेरी वाग्मिता, और उत्तम रूप में अपने उद्देश्य को प्रकट करने में तुम्हें कुछ संदेह है और मेरी इस शान पर ईमान नहीं और समझते हो कि मैं झूठा हूँ तो यदि तुम सच्चे हो तो तुम भी कोई ऐसी पुस्तक बना कर लाओ और यदि तुम सच पर होगे जैसा कि तुम्हारा विचार है तो ख़ुदा तआला अवश्य तुम्हारा सम्मान प्रकट कर देगा

الصالحين. وإن كنتم لا تقدرون عليه لقلّة العلم والدّهاء، فانهضوا وادعوا مشهورين منكم بالتكلم والإملاء، والمعروفين من الادباء. وإني عرضت عليكم أمرا فيه عزة الصادق وذلّة الكاذب، وسينال الكاذبين خزيٌ ونصبٌ من العذاب اللازب، فاتقوا الله إن كنتم مؤمنين. فما كان لهم أن يأتوا بمثل كلامي أو يتوبوا بعد إفحامي، وظهرت على وجوههم سواد وقحول، وضمر وذبول، وغشيهم حين وإحجام، وجهلوا كل ما صلفوا ولم يبق لهم كلام. وجاء نى حزبًا منهم تائبين، و كثير حق عليهم ما قال خاتم النبيين عليه الصلاة والتحيات من ربّ العالمين. ثم اعلموا يا حزب السامعين. إن هذه آية استفدته

और तुम विजयी होगे और तुम्हें कुछ हानि नहीं होगी। फिर इसके पश्चात कोई दण्डित करने वाला तुम्हें दण्डित नहीं करेगा और कोई मुकाबला करने वाला दोष निकालने की हिम्मत नहीं करेगा और लोग विश्वास कर लेंगे कि तुम सच्चे और नेक हो और यदि तुम अपने ज्ञान की कमी के कारण ज्ञान और बुद्धि के मुक़ाबले की शक्ति नहीं रखते, तो उठो और उन लोगों को बुला लो जो रचना और व्याख्यान की कुशलता में तुम में प्रसिद्ध हैं और साहित्यकार होने में प्रसिद्धि रखते हैं। मैंने ऐसी बात तुम्हारे समक्ष प्रस्तुत की है जिस में सच्चे का सम्मान और झूठे का अपमान है और जो झूठे हैं उनको अपमान और ख़ुदा का अज़ाब (प्रकोप) निश्चित पहुँचेगा। अत: यदि ईमान रखते हो तो ख़ुदा तआला से डरो, परन्तु उन लोगों ने न तो मेरी पुस्तकों जैसी पुस्तकें प्रस्तुत कीं और न अपने इन्कार से रुके और उनके मुख पर कलंक, ख़ुश्की, दुर्बलता, लज्जा प्रकट हो गई और अपने उद्देश्य में सफल न हो पाए और उन्हें पीछे हटना पड़ा और सारी हंसी ठट्ठा भूल गए और बात करने के लिए कोई विषय न रहा और बहुतों ने तौबा की

من روحانية خير المرسلين بإذن الله رب العالمين. وقال السفهاء من الناس إنه دعوى يُضاهى دعوى القرآن، فهو بعيد من حسن الادب والإيمان. وما هو إلاَّ قول الذين ما عرفوا حقيقة الولاية، وأعتراهم ظلام العماية والغواية. وقد سبق البيان منّا أن الكرامات ظلال باقية للمعجزات، وموجبة لزيادة البركات، وتجد السُنّة والكتاب مُبيِّنَيْنِ لهذه المسألة، وشاهديْن على هذه الواقعة. ولا تجد من يُخالفها إلَّا غويّا من العامة، فإن أبصار العامّة لا تبلغ الحقائق ويعمأ عليهم دقائق الشريعة، فيحسبون فى كمالات الولاية كسر شأن النبوّة، مع أن الامر خلافه عند أهل التحقيق والمعرفة.

और बहुतों पर रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की बात पूरी हुई। फिर हे सुनने वालो! यह भी याद रखो कि मैंने इस निशान को रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की रूहानियत से लिया है और यह सब कुछ ख़ुदा तआला के आदेश से हुआ और कुछ नादानों ने कहा कि यह दावा क़ुर्आन के दावे से मिलता-जुलता है इसलिए यह साहित्य की विशेषता और ईमान से दूर है परन्तु यह उन लोगों का कथन है जिन को विलायत* की वास्तविकता नहीं पता और अंधेपन का अंधकार उन को घेरे हुए है और हम इससे पहले वर्णन कर चुके हैं कि करामात, चमत्कार का शाश्वत साया है और नुबुव्वत की बरकतों को बढ़ाने का कारण है और तू सुन्नत और क़ुर्आन को इस विषय पर वर्णन करने वाले पाएगा और इस विषय पर गवाह देखेगा और एक गुमराह और हठधर्म व्यक्ति के अतिरिक्त और कोई इससे इन्कार नहीं कर सकता क्योंकि साधारण लोगों की आँखें वास्तविकताओं तक नहीं पहुँचती और शरीयत के भेद उन से छुपे रहते हैं इसलिए वे लोग विलायत

*विलायत - वली, ऋषि या महात्मा होने का भाव अथवा उनका पद- अनुवादक

ومن آياتى الخسوف والكسوف فى رمضان، وقد فصّلت فى رسالتى ''نور الحق'' هذا البرهان. و كنت لم أزل ينتابنى نصر الله الكريم إلى أن ظهرت هذه الآية من ذالك المولى الرحيم. و كان مكتوبا فى الاحاديث النبويّة أن هذه للمهدى وظهوره من الدلائل القطعية، فالحمد لله الذى أجزل لنا طوله وأنجز وعده وأتم قوله، وأرى آيات السماء ويَسَّرَ للطالبين طرق الاهتداء، وأظهر سناه لمن أمّ مسالك هُداه، و كشف الامر لاولى النهى وأرَى الحقَّ لمن يرىٰ، وجرّد آيه كالعضب الجراز ليُفحم كل من نهض للبراز وليتم حجته على المنكرين. فإن ظن ظانّ أن ظهورى عند سطوة النصرانية، وعند سيل الصليب، وعلى رأس المائة، ليس بدليل قاطع

के चमत्कारों में नुबुव्वत का अपमान देखते हैं बावजूद इसके कि विद्वानों तथा जाँच पड़ताल करने वालों के निकट मूल वास्तविकता इसके विपरीत है।

और मेरे निशानों में से वे सूरज ग्रहण और चन्द्र ग्रहण हैं जो रमज़ान में हुए थे। अत: मैं अपनी पुस्तक 'नूरुल-हक़' में इसका विस्तार से वर्णन कर चुका हूँ और मुझे सदैव निरंतर ख़ुदा तआला की सहायता पहुँचती थी यहाँ तक कि यह निशान प्रकट हुआ। और नबी क़रीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की हदीसों में लिखा हुआ था कि यह निशान महदी और उसके प्रादुर्भाव के लिए अकाट्य तर्कों में से है, अत: ख़ुदा तआला का धन्यवाद है जिस ने हम पर अपनी अपार कृपा की और अपने वादे को पूरा किया और अपने निशान दिखाए और तलाश करने वालों के लिए हिदायात पाने का मार्ग खोल दिया और अपनी रौशनी को राह चलने वालों के लिए प्रकट किया और बुद्धिमानों के लिए वास्तविकता प्रकट की और देखने वालों को सच्चाई दिखाई और अपने निशानों को तेज़ तलवार की भांति चमकाया ताकि प्रत्येक जो मुक़ाबला के लिए खड़ा हो उस को निरुत्तर करे और इन्कार करने वालों

على أنّنى من الحضرة، و كذالك إن زعم زاعم أن إملائى فى اللسان العربية وما حوت معرفتى من اللطائف الادبية، و كلّ ما أُرضعت ثدى الادب فى هذه اللّهجة، ليس بثابت أنها من آى الله ذى الجلال و العزّة، بل يجوز أن يكون ثمرة المساعى المستورة المستترة، و أن الارض لا تخلو من كيد الكائدين فما رأى هذا الظان العسوف فى آية الخسوف و الكسوف. أتلك كيد الإنسان أو شهادة من الله الولىّ الرؤوف.

و أما تفصيل هذه الآية كما ورد فى كتب الحديث من آل خير المرسلين. فاعلموا يا حزب المؤمنين المتقين أن الدارقطنى قد روى عن محمد الباقر من بن زين العابدين، وهو من بيت التطهير والعصمة ومن قوم مطهّرين، قال قال رضى الله عنه وهو من

पर अपने अकाट्य तर्क प्रस्तुत करे। और यदि कोई यह सोचे कि ईसाई धर्म के प्रभुत्व के समय मेरा आना और सलीबी आस्था के ज़ोर के समय और इसी प्रकार शताब्दी के आरंभ में मेरा आना इस बात का अकाट्य तर्क नहीं कि मैं ख़ुदा की ओर से हूँ और इसी प्रकार यदि कोई यह विचार करे कि मेरा अरबी पुस्तकों का लिखना और साहित्य की गूढ़ बातों का वर्णन करना, यह ख़ुदा का निशान नहीं हो सकता और संभव है कि ये अपने गुप्त प्रयासों का फल हो, इसलिए ऐसा सोचने वाला सूरज ग्रहण और चन्द्र ग्रहण के बारे में क्या सोचेगा। क्या यह भी इंसान का छल है या ख़ुदा तआला की ओर से एक गवाही है?

परन्तु इस निशान की गूढ़ बातों की व्याख्या जैसा कि हदीस की पुस्तकों में आले-खैरुल-मुर्सलीन से वर्णन किया गया है, यह है कि 'दार-ए-क़ुतनी' में इमाम मुहम्मद बाकर से रिवायत है कि हमारे महदी के दो निशान हैं और जब से पृथ्वी और आकाश पैदा किए गए कभी प्रकट नहीं हुए अर्थात यह कि चन्द्रमा को उसकी तीन रातों में से जो

الامناء الصادقين. انّ لمهدينا آيتين لم تكونا منذ خلق السماوات والارضون، ينكسف القمر لاول ليلة من رمضان. يعنى فى أول ليلة من ليالى خسوفه ولا يُجاوز ذالك الاوان، ويقع فى الشهر الذى أنزل الله فيه القرآن، وتنكسف الشمس فى النصف منه. يعنى فى نصف من أيام كسوفها المعلومة عند أهل العرفان، فى ذالك الشهر المُزان. وأخرج مثله البيهقى وغيره من المحدثين. وقال صاحب الرسالة الحشرية، وهو فى هذه الديار من مشاهير علماء هذه الملّة، أن القمر والشمس ينكسفان فى رمضان، وإذا انكسفا فيعرف المهدى بعده أهل مكة بفراسة يزيد العرفان. وفى روايات أخرى من بعض الصلحاء أن المهدى لا يُعرفُ إلّا بعد آيات كثيرة تنزل من السماء ،وأما فى أوّل الامر والابتداء، فيُكَفَّر ويُكذّب ويُعزى إلى الدجل

ग्रहण के लिए निर्धारित हैं, पहली रात में ग्रहण लगेगा और सूर्य को तीन दिनों में से जो उस के ग्रहण के लिए निर्धारित हैं बीच के दिन में ग्रहण लगेगा और यह भी उसी रमज़ान में होगा। इसी प्रकार बेहक़ी और अन्य मुहद्दिसों ने लिखा है और हश्रिया पत्रिका के एडीटर ने भी यह वर्णन किया है कि सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण रमज़ान में होगा और उसके पश्चात महदी मक्का में पहचाना जाएगा और कुछ सदाचारियों ने यह भी कहा है कि महदी उस समय पहचाना जाएगा जब बहुत से निशान आकाश से प्रकट होंगे। परन्तु पहले उसको झुठलाया और इन्कार किया जाएगा और धोखे और छल और झूठ की ओर मन्सूब किया जाएगा और उस पर कुफ्र और मुर्तद होने के फ़त्वे लिखे जाएँगे और ये सब कुछ उस के बारे में कहा जाएगा जो काफिरों ने नबियों के बारे में कहा। फिर उस की स्वीकार्यता पृथ्वी पर फैलाई जाएगी, अत: मोमिनों में से ऐसे दो व्यक्ति भी न पाए जाएंगे जो उसको प्रशंसा के साथ याद न करते हों और यह भी जानना चाहिए कि क़ुर्आन शरीफ ने सूर्य ग्रहण

والتلبيس والافتراء، وتُكتب عليه فتاوى الكفر والخروج من الشريعة الغرّاء، ويُقال فيه كل ما قال الكافرون فى الانبياء. ثم توضع له القبولية فى الارض من حضرة الكبرياء فلا يوجد اثنان من المؤمنين إلّا ويذكرونه بالمدح والثناء. ثم اعلم أن آية الخسوف والكسوف قد ذكرها القرآن فى أنباء قرب القيامة، وإن شئت فاقرأ هذه الآية وكررها لإدراك هذه الحقيقة فَاِذَا بَرِقَ الْبَصَرُ ۝ وَخَسَفَ الْقَمَرُ ۝ وَجُمِعَ الشَّمْسُ وَالْقَمَرُ ۝ ثم تدبّر بالخشوع والخشية، ولا يذهب فكرك إلى أنه من وقائع القيامة، وإيّاك وهذه الخطأ الذى يُبعدك من المحجة. فإن الخسوف الذى ذُكر ههنا هُوَ موقوف على وجود هذه النشأة الدنيوية، فإنه ينشأ من أشكال نظامية، وأوضاع مقررة منتظمة ويكون فى الاوقات المعينة والايام المعلومة المشتهرة.

---

और चन्द्र ग्रहण के निशानों को क़यामत के निकट होने के निशानों में से लिखा है और यदि तू चाहे तो इस आयत को पढ़ कि

فَاِذَا بَرِقَ الْبَصَرُ ۝ وَخَسَفَ الْقَمَرُ ۝ وَجُمِعَ الشَّمْسُ وَالْقَمَرُ ۝

(अल-क़ियामा 8 से 10 तक)

और यह नहीं समझना चाहिए कि यह निशान क़यामत की घटनाओं में से है क्योंकि जिस चन्द्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण का इस स्थान पर वर्णन है वह इस सांसारिक सृष्टि पर आधारित है। कारण यह कि सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण निर्धारित नियमों के अनुसार लगता है और निर्धारित समय अनुसार तथा निश्चित दिनों में उसका प्रकटन होता है और सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण में यह बात आवश्यक है कि सूर्य और चन्द्र बाद इसके कि इस (ग्रहण की) अवस्था से बाहर आएँ और अपनी प्रथम अवस्था की ओर लौटें परन्तु वह निशान जो क़यामत के समय प्रकट होंगे वह उस समय प्रकट होंगे जबकि दुनिया का सिलसिला पूर्णरूपेण नष्ट हो जाएगा क्योंकि वह ऐसी अवस्थाएं हैं कि उनके पश्चात संसार

ولا بد فيه من رجوع النيرين إلى هيئتهما السابقة بعد خروجهما من هذه الحالة. وأما الآيات التى تظهر عند وقوع واقعة الساعة فهى تقتضى فساد هذا الكون بالكلية، فإنها حالات لا تبقى الدنيا بعدها ولا أهل هذه الدار الدنية. والخسوف والكسوف يتعلقان بنظام هذه النشأة، ويوجدان فيه من بدو الفطرة، فثبت أن الخسوف الذى ذكره القرآن فى صحفه المطهرة هو من الآثار المتقدمة على القيامة، ولقيام القيامة كالعلامة. وإنى كتبت هذه المباحث مفصلة فى رسالتى نور الحق التى ألّفتها فى العربية، وأودعتها عجائب آية الخسوف والكسوف إتمامًا للحجة. وكنت كتبت فى تلك الرسالة التى ألّفتها لبيان آية الخسوف والكسوف. أنى عُلّمتُ من ربّى الرحيم الرؤوف أن العذاب يحلّ على قوم لا يتوبون بعد هذه الآية، ولا يُقدمون الدين على الدنيا الدنيّة. وكذالك سُلّط الطاعون بعدها

---

नहीं रहेगा और न संसार के लोग रहेंगे। सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण प्रकृति से सम्बंधित हैं और प्रारम्भ से इस में बनाए गए हैं, अत: साबित हुआ कि वह सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण जिस का वर्णन पवित्र क़ुर्आन में है वह क़यामत से पहले प्रकट होने वाले निशानों में से हैं न यह कि क़यामत के प्रकट होने की निशानियाँ हैं और मैंने इन बातों को अपनी पुस्तक 'नूरुल हक़' में विस्तार से वर्णन कर दिया है और इस पुस्तक में इस निशान के संबंध में कई रहस्य हैं जो मैंने समझाने के अंतिम प्रयास को पूर्ण करने के उद्देश्य से उस में वर्णन कर दिए हैं और मैंने पुस्तक 'नूरुल हक़' में यह लिखा था कि उन लोगों पर अज़ाब नाज़िल होगा कि जो सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण का निशान देखने के पश्चात तौबा नहीं करेंगे और धर्म को संसार पर प्राथमिकता नहीं देंगे, अत: ऐसा ही हुआ कि सूर्य ग्रहण और चन्द्र ग्रहण के पश्चात इस देश के अधिकतर लापरवाहों पर प्लेग भेजी गई और हज़ारों इन्सान इस महामारी से मर

على أكثر غافلي هذه الدّيار، وأُحرق أُلوف من الناس بتلك النار، وأرسل على كل غافل شواظ منها، فماتوا بجمرها وأُخرجوا من القرىٰ والامصار. وما انطفأ إلى هذا الوقت هذا الضرام، ويرعد على الرؤوس الحمام، ونرى الامر كما تواتر فيه الإلهام. إن في ذالك لآية لقوم متقين.و كذالك كنت كتبت في تلك الرسالة أن الله سينصر أهل الحق بعد هذه الآية، فيزيد جماعتهم ويتقوى أمرهم من عنايات الحضرة، والله ينزل آياته ويشيع في الناس دقائق المعرفة. فصدّق الله هذه الانباء كلها بالفضل والرحمة، وأَرَى الآيات ونصر بالتأييدات لقطع الخصومة. وزاد جماعتي كما وعد وجعلها لبيضة الإسلام كر!كن شديد والاسطوانة، وإنّا سنذكر بعضها إظهارًا لهذه الموهبة، فالحمد لله على هذه الْمِنَّة، وإن في ذالك لآيات لقوم متفرّسين.

गए और प्रत्येक लापरवाह पर एक चिंगारी पड़ी जिस से वे मरे और गांव तथा शहरों से निकाले गए और यह आग अब तक ठंडी नहीं हुई और मृत्यु सिरों पर नारे लगा रही है जैसा कि इस बारे में निरंतर इल्हाम से पहले ही से मालूम हुआ था और इस में संयमियों के लिए निशान हैं। और ऐसा ही मैंने इस पुस्तक में लिखा था कि ख़ुदा तआला इस निशान के बाद सच्चों को सहायता देगा। अत: उनकी जमाअत अधिक हो जाएगी और उनका कार्य शक्ति पकड़ेगा और ख़ुदा तआला निशानों को प्रकट करेगा और सच्चाई को लोगों में फैलाएगा, अत: ख़ुदा तआला ने उन समस्त भविष्यवाणियों को अपनी कृपा से पूर्ण किया और निशान दिखलाए और लड़ने झगड़ने से मना किया और वादा के अनुसार मेरी जमाअत को बढ़ाया इसलिए हम कुछ निशानों का यहाँ वर्णन करते हैं और इस उपकार पर ख़ुदा तआला के धन्यवादी हैं और इस में बुद्धिमानों के लिए निशान हैं।

ومن نوادر آياتى التى ظهرت بعد وعد الله فى آية الكسوف والخسوف، وانتجعت فى ألوف من القلوب بإذن الله الرؤوف، هو واقعة هلاك رجل كان اسمه ليكهرام، و كان من قوم عبدة الاصنام، و كان شديد الحقد يعترض على الإسلام، ويسبّ نبينا خير الانام عليه ألف ألف سلام. وتفصيل هذه القصة أنه سمع من بعض الإخوة أن رجلا فى القاديان يدّعى الإلهام والكرامات، ويقول إن الإسلام هو الدين عند الله ربّ السماوات، ومن خالفهٗ فهو من المبطلين. فمازال يُعجبه هذا الخبر حتى قصد القاديان ذات مرة وهو يومئذ ابن ثلاثين سنة، أو قليل منه كما علمنا من وجهه فراسة. فجاء نى وسأل عن الآيات، وأظهر أنه لايبرح الارض أو يرى بعض خرق العادات، أو يأخذ منى إقرار العجز عند هذه السؤالات. وأصرّ على أن يؤانس آى الله أمام ارتحاله،

---

और विचित्र निशानों में से जो चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण के पश्चात प्रकट हुआ जिसने हृदय पर बड़ा प्रभाव डाला, वह लेखराम की मृत्यु का निशान है। और यह व्यक्ति बहुत वैर रखने वाला था और इस्लाम पर आरोप लगाया करता था और हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियां देता था। उस नबी पर ख़ुदा तआला के हज़ारों सलाम हों और इस घटना का विस्तार पूर्वक वर्णन यह है कि उसने अपने कुछ भाइयों से सुना कि एक व्यक्ति क़ादियान में है जो इल्हाम का दावा करता है और इसी तरह चमत्कार दिखाने का दावेदार है और कहता है कि सच्चा धर्म इस्लाम ही है और जो उसके विरुद्ध हैं वह झूठ पर है, अत: वह इस ख़बर से सदैव आश्चर्य करता था यहां तक कि एक बार उसने क़ादियान आने का निर्णय किया और उन दिनों वह 30 वर्ष का था या कुछ कम जैसा कि उसके मुहं को देखने से हमें अनुमान हुआ। अत: वह मेरे पास आया और निशानों के बारे में मुझसे प्रश्न किया और प्रकट किया कि वह कभी क़ादियान से नहीं जाएगा जब

و كان جهولا غير متأدّبٍ فى مقاله. فطفق يبلطنى لرؤية الآية، و يخجأنى من العماية، فإنه كان جسدا له خوار، وما أعطى له روح فراسة ولا افتكار. و كان احتكاء فى جنانه أن هذا الرجل كاذب فى بيانه، و كذالك انتقش فى قلبه من خدع أعوانه، وحمئت بهم بئر عرفانه. ووافانى ذات المرار، فألحّ علىَّ وأبلط بكمال الإصرار، ونظر إلىَّ شزرًا بالاستكبار، وقال إنى لن أفارق هذه القرية إلَّا وتُرينى الآية أو تقر بكذبك وبما اخترت الفرية. وساء الحضار ما اختار من غلظ وشدّة، فبرّدتهم بوصية صبر وتؤدة، و كانوا من الذين أخذوا مربعى منتجعهم، وداری محضرهم، وحسبوا إلهامى مرتعهم ومخبرهم. ثم قلت له يا هذا إن الآية ليست كشىء ملقاة تحت الإقدام لالقطه لك وأعطيك كالخادم بالإكرام، بل الآيات عند الله يُرى إذا ما شاء، ولا ينفع الوثب

---

तक कि कुछ निशान न देखे और या जब तक कि मुझसे मेरा हार जाना स्वीकार न करवा ले और उसने हठ किया कि अपने जाने से पूर्व निशान देखे और वह एक मूर्ख और धृष्ट था। अत: उसने मुझे निशान के लिए तंग करना आरंभ किया और अंधेपन के कारण बार-बार हठ करता रहा क्योंकि वह बेजान शरीर था जिसको बुद्धि की रूह नहीं दी गई थी और उसके हृदय में यह बैठ गया था कि यह व्यक्ति अपनी बातों में झूठा है और यह बातें उसके साथ बैठने वाले लोगों ने उसके हृदय में बिठाई थीं जिनसे उसकी पहचान का कुआँ गन्दा हो गया था और वह एक दिन मेरे पास आया और निशान के देखने के लिए बहुत हठ किया और मेरी ओर अहंकार पूर्वक देखा और कहा कि मैं इस गांव से कभी नहीं जाऊँगा जब तक कि तुम निशान न दिखलाओ और या स्वयं का झूठा होना स्वीकार न करो और उपस्थित लोगों को उस के कठोर शब्द बुरे लगे, तो मैंने उनको धैर्य रखने का आदेश देकर ठंडा किया। फिर मैंने उसको कहा कि

كـثور الوحـش فإيـاك والمـراء، والصـبر حقيـق لمـن طلـب آى الله وجـاء يسـتقرى الضيـاء فإنـه أمـر ينـزل مـن حضـرة العـزّة ويحتـاج ظهـوره إلى تضرّعـات العبوديـة. فاحبس نفسـك عندنـا إلى حَوْل. وهـذا خير لـك مـن سبّ وصَوْل. لعـل الله يُريـك آيـة ويهـب يقينـا وسـكينة و كذالـك نرجـو مـن الله المنّـان، فاصـبر معنـا إلى هـذا الآوان إن كنـت مـن الطالبين.فمـا نجعـت نصيحـتى فى جنانـه، ومـا انتهـى مـن هـذره وهذيانـه فقلـت أيهـا الرجـل إن كنـتَ لا تصـبر وتعـزم عـلى الرحيـل، ولا تختـار مـا أريـنـاك مـن السـبيل، فلـك أن تذهـب وتنتظـر الإلهـام، فذهـب مغاضبًـا وتـرك الـكلام. ثـم جعـل يذكـرنى فى محافـل بتوهـين وتحقـير، وأراد أن يجـز أمـرى ويُريـه قومَـه كشـىء حقـير ومتـاع كقطمـير. فاسـتعمل الاكاذيـب

---

हे मनुष्य! निशान ऐसी वस्तु तो नहीं जो पैरों के नीचे पड़े हों और तुरंत दिखला दिए जाएं बल्कि निशान ख़ुदा के पास हैं जब चाहता है दिखाता है और जानवरों की तरह कूदना उचित नहीं अत: लड़ाई से परहेज़ कर और जो व्यक्ति निशानों को ढूँढता है उसके लिए धैर्य रखना अच्छा है क्योंकि निशान एक ऐसी चीज़ है जो ख़ुदा तआला की ओर से उतरते होते हैं और उनका प्रकट होना बंदे के गिड़गिड़ा कर दुआ करने पर आधारित है। अत: एक वर्ष तक मेरे पास ठहरो और यह तेरे लिए उत्तम है ताकि ख़ुदा तआला तुझे निशान दिखाए और विश्वास और धैर्य प्रदान करे और ऐसी ही हम ख़ुदा तआला से आशा रखते हैं, अत: यदि तू चाहता है तो उस समय तक धीरज रख। परंतु मेरे उपदेश ने उसके दिल को प्रभावित नहीं किया और वह गाली-गलौज करने से न रुका तब मैंने कहा कि हे मनुष्य! यदि तू धीरज नहीं रख सकता और जाने का पक्का इरादा कर लिया है और हमारे परामर्श को पसंद नहीं करता तो तेरा अधिकार है कि तू चला जा और हमारे इल्हाम की प्रतीक्षा करता रह। तब वह गुस्से की अवस्था

لتكميل هذه الإرادة، واشترى الشقاوة وبعُد من السعادة. و كم من مفتريات افترى، و كم من بهتان أشاعه من حقد وهوى. وصار شغله سبّ نبينا المصطفٰى، وتكذيب كتابنا الذى هو عين الهدىٰ. و كم من كُتُبٍ أطال المقول فيها وهذىٰ، وطفق يهتك أعراض العليّة وبدور العُلىٰ، ونُخَب حضرة العزّة وأحبّة ربنا الاعلىٰ، وما خشى نكال الآخرة والاولى. وهاجته الحمية والنفس الابيّة على قذف رسولنا خير الورىٰ، فكان لا يخلو وقته من سبّ سيدنا المجتبىٰ، و كان فى الشتم كسيل هامر وماء غامر أو أشد فى الطغوىٰ. و كانت هذه العذرة كل حين فى شفتيه، وجنون الغيظ فى عينيه، وما خاف وما انتهىٰ. فالحاصل أنه كان يريد أن يُحقّر الإسلام فى أعين الناس وعامة الورىٰ، ويشيع

---

में चला गया। इसके पश्चात कोई बात नहीं की। फिर उसने यह कार्य आरंभ किया कि प्रत्येक सभा में मेरा अपमान और तिरस्कार करता और हृदय में यह बात ठानी कि मेरे सिलसिले को तितर-बितर करे और क़ौम की नज़रों में मुझे एक अपमानित व्यक्ति की तरह प्रस्तुत करे, अत: उसने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए झूठ पर कमर बांधी और दुर्भाग्य को ख़रीदा और सौभाग्य से दूर जा पड़ा और बहुत सी झूठी बातें बनाई और बहुत से झूठे आरोप लगाए और हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम को गालियां देनी शुरू कीं और पवित्र क़ुर्आन को झुठलाना अपना पेशा बनाया और अपनी किताबों में उसने गाली गलौज करना शुरू किया और बुज़ुर्गों और सम्माननीय लोगों का अपमान करना उसका काम हो गया और ख़ुदा तआला के प्यारों को बुरा कहना उसने अपना ढंग बना लिया परन्तु ख़ुदा तआला ने चाहा कि उस की हांडी को फोड़े और उसकी गंदगी लोगों पर प्रकट करे और एक बड़ा निशान दिखाए। अत: जब ख़ुदा तआला के वादे और निशान का समय निकट आया तो उस व्यक्ति ने हंसी ठठ्ठा

بينهم تعليم الخناس ويصرف عن الهدىٰ. وكان الله يريد أن يجفأ قدره ويُرى الناس قذره، ويُرى الرّائين آيته الكبرىٰ. فلما تجلّى ربنا للميقات، وجاء وقت الآيات، كتب إليَّ على عزم السخرية والاستهزاء، وقال أين آيتك ووعدك. ألم تظهر حقيقة الافتراء؟ وغلّظ عليَّ كما هي عادة السفهاء، وأخذني بالعنف كالغرماء، وجرّأه مشر! كو هذه القرية على مطالبة الآية، وكانوا يعللونه بالقصص الباطلة ليزول منه الرعب ويأخذه نوم الغفلة. وكانوا ينفخون في آذانه أن هذا الرجل كاذب مكّار، فلا يأخذك رعبه ولا اسبطرار. فوالله ما أهراق دمه إلا هذه الكذابون، فإنهم أغروه عليَّ وكانوا يحلفون، وما أحسنوا إليه بزورهم بل كانوا يسيئون. فقسى قلبه بكلماتهم، وآمن بمفترياتهم، وتلطّخ برجس

---

से मेरी ओर एक पत्र लिखा कि तुम्हारे निशान कहां गए? और क्या अब तक तुम्हारा झूठ प्रकट न हुआ? और जैसा कि नीचों का स्वभाव होता है अपने लेखन में बहुत कुछ सख़्ती की और मुझे अपना ऋणी ठहरा कर निंदा शुरू की और इस गांव के हिन्दुओं ने उसको निशानों की मांग करने के लिए दिलेर किया और झूठी कहानियां प्रस्तुत करके उसको सांत्वना दी ताकि उस भय को दूर करें जो उस पर पड़ा हुआ था और यह क़ादियान के लोग उसके कानों में डालते रहे कि यह व्यक्ति तो झूठा है, अत: ऐसा न हो कि तू उसके भय के नीचे आ जाए। मुझे ख़ुदा की क़सम है कि उसके क़त्ल करने वाले यही क़ादियान के लोग हैं क्योंकि इन लोगों ने ही मेरी दुश्मनी और मुकाबले के लिए उसको दिलेर किया और क़समें खा-खा कर उसको सांत्वना दी परंतु इन लोगों ने इन बातों के साथ उससे नेकी नहीं की बल्कि छल किया, अंतत: परिणाम यह हुआ कि इन लोगों की बहुत सी बातें सुनने से उसका दिल कठोर हो गया और उसने इनके झूठों को स्वीकार कर लिया और इनकी गंदगी से दूषित हो गया और

الشياطين، و صار أشد خصومة فى الدّين. و كان فى أول أمره مال إلى صحبتى، لعله يرى أمارات حقيّتى، فبطّأ به هؤلاء خوفًا من أثر الصحبة، وقالوا ما تطلب منه و إنا نحن من أهل التجربة. وهو تبوّء القاديان إلى شهر تام، وأخذ أنواع مفتريات من لئام، حتى أوقدوه كنار الجحيم، وسوّدوا قلبه ولا كسواد الليل البهيم، ثم رحل بعد أخذ هذه التعاليم. وطفق يطالب منى آية من الآيات، وقد اضطرمت فى قلبه نار المعادات، و كان يُنكر فى نفسه من عجائب ربّ السماوات، وأصرّ على الطلب ليكون له وقعٌ فى أعين المشركين والمشركات. ولما قصد الرحيل وختم القال والقيل. رأيت أنّى مقيم فى صحن مكان كالشجعان، وفى يدى رُمح ذابل حديد السنان، كثير البريق واللمعان، وأراه أمام عينى

सख्त झगड़ा शुरू कर दिया। आरम्भ में मेरी संगति की ओर आकर्षित हो गया था और आशा रखता था कि निशान देखूं। अत: ये लोग उसके प्रतिरोधी हुए और इस इरादे से उसको हटा दिया ताकि संगति के प्रभाव से प्रभावित न हो जाए और उसको कहा कि तू उनकी संगति में रह कर क्या करेगा और हम तो उसके विषय में अनुभवी हैं और वह क़ादियान में एक मास के लगभग ठहरा रहा और बहुत से झूठ उसने अपने हृदय में जमाए और नर्क की अग्नि के समान उन लोगों ने उसको भड़काया और उसके हृदय को रात्रि की भांति काला कर दिया और फिर वह इन शिक्षाओं को प्राप्त करके चला गया और मुझसे निशानों की मांग करना आरंभ किया और उसके हृदय में दुश्मनी की अग्नि भड़क उठी और वह आंतरिक रूप से ख़ुदा तआला के निशानों का इन्कार करने वाला था और मुझसे इसलिए निशानों की मांग करता था ताकि हिंदुओं के दिलों में उसका सम्मान पैदा हो और जब वह क़ादियान से चला गया तो मैंने स्वप्न में देखा कि मैं एक मैदान में खड़ा हूं और मेरे हाथ में एक बारीक भाला है जो बहुत

ميّتًا على التراب، وأطعن رأسه بنيّة الانصاب، ويتلألأ سنانى عند كل طعنٍ ويبرق كالشهاب، ثم قال قائل ذهب وما يرجع قطّ إلى هذه الحداب. فوالله ما رجع حتى نعاه إلينا بعض الإصحاب. وتفصيل هذه القصة أنه لما فصل من هذه البقعة، جعل يصرّ على تطلّب آى الرحمن، مع السبّ والشتم وكثير من الهذيان. فخررت أمام الحضرة، وتبصبصت لله ذى العزّة، ودعوت الله فى آناء الليل بالتضرّع والابتهال، وأقبلت على ربّى بذوبان المهجة وتكسر البال. فألهمنى ربّى أنه سيُقتل بعذاب شديد، بحربة فى ست سنة فى يوم قرب يوم العيد بإذن الله الوحيد. فأخبرته عن هذا الإلهام، فما خاف بل زاد فى السبّ وتوهين الإسلام، وكتب إلىّ أنى أُلهمت أنّك

चमक रहा है और मैंने उसको एक मुर्दा पाया जो मेरे समक्ष पड़ा है और मैं उस भाले से उसके सिर को इधर-उधर करता हूं तब एक बोलने वाले ने आवाज़ दी कि यह चला गया और फिर क़ादियान में कभी नहीं आएगा। अतः वास्तव में वह फिर वापस न आया यहां तक कि हमने उसके मरने की सूचना सुनी और इस घटना का विस्तारपूर्वक वर्णन इस प्रकार है कि जब वह इस स्थान से चला गया तो उसने निशानों की मांग करना आरंभ किया और इसी तरह गालियां देता और अपशब्दों का प्रयोग करता था। तब मैंने अल्लाह तआला के समक्ष गिड़गिड़ा कर दंडनीय निशान के लिए दुआ की, अतः ख़ुदा ने मुझे सूचना दी कि वह अज़ाब के साथ 6 वर्ष के अंदर क़त्ल किया जाएगा, उसके क़त्ल का दिन ईद के दिन से निकट होगा, अतः इस इल्हाम से मैंने उसको सूचित कर दिया। वह इस इल्हाम को सुनकर और भी अपशब्दों के प्रयोग में बढ़ा और मेरी ओर लिखा कि मुझे भी इल्हाम हुआ है कि तू तीन वर्ष तक हैज़ा से मर जाएगा।

تمـوت بالهيضـة إلى ثلٰـث سـنةٍ.

وطبـع هـذا النبـأ وشـهّره وأشـاعه فى أقـوام مختلفـة. وأرسـل إلىّ أوراقـه الـتى كانـت كأضحوكـة، وكتبـه فى بعـض كُتُبـه وذكـره فى محافـل غـير مـرّة. فكتبـت إليـه أن الامـر فى أيـدى الرحمٰـن، فـإن كنـتَ صادقـا فـيَرَى صدقَـك أهـلُ الزمـان. وإن كان الصـدق فى قـولى فسـيظهره بالفضـل والإحسـان، إنـه مـع الذيـن اتقـوا والذيـن صدقـوا فى القـول والبيـان، إنـه لا ينصـر الكاذبين. فمضـى زمـان عـلى نبـأه الـكاذب بخـير وعافيـة، ومـا تغـير منّـا جـزء مـن شعرة واحـدة. ولمّـا قـرُب ميقـات ربّى فى أمـر حمامـه، واتـت عليـه السـنة الخامسـة مـن أيّامـه، وكان يضحـك ويقيـس إلهامـى عـلى زور كلامـه. اتفـق أنّـه دخـل عليـه رجـل مـن المسـافرين، وأظهـر أنـه كان مـن قومـه الآريـين، ثـم أدخلـه فى

---

और इस बात को उसने लोगों में प्रसिद्ध कर दिया और मुझे इस भविष्यवाणी के विज्ञापन भेजे और कई सभाओं में इसका वर्णन किया। तब मैंने उसकी ओर लिखा कि समस्त मामला ख़ुदा तआला के हाथ में है, अत: यदि तू अपनी भविष्यवाणी में सच्चा है तो तेरी सच्चाई ख़ुदा तआला साबित कर देगा और यदि मेरी बात सच है तो इसको अपनी कृपा से प्रकट करेगा, क्योंकि ख़ुदा तआला उन लोगों के साथ है जो संयमी हैं और सच बोलते हैं और झूठों की वह सहायता नहीं करता अत: उसकी झूठी भविष्यवाणी का समय आराम से व्यतीत हो गया और एक बाल भी हमारा बांका न हुआ। और जब उसकी मृत्यु के बारे में मेरे रब का वादा निकट आया और पांचवा वर्ष इस भविष्यवाणी का गुज़रने लगा तो यह संयोग हुआ कि एक यात्री उससे मिलने के लिए आया और प्रकट किया कि वह हिंदू उसकी क़ौम में से है और किसी ने धोखा देकर उसको मुसलमान कर दिया था और अब उसको इस कार्य से पश्चाताप करना है और इसलिए आया है ताकि फिर

الإسلام بعض الخادعين، والآن جاء متندّما كالطالبين الخائفين، ويريد أن يرجع إلى دين آبائه ويترك المسلمين. ومدحه وقال أنت كذا وكذا وللقوم كالرأس، وأيقظت كثيرا من النعاس، وقد انتشر ذكرك وسمع كمالك فى الردّ على الإسلام، فجئتك من أقصى البلاد لاستفيض من فيضك التام. والناس منعونى فما استقلت من الإرادة، ووصلت حضرتك للاستفادة، بيد أنى اسير فى بعض الشبهات، وأرجو أن تقيل لى عثارى وتكشف عقد المعضلات، ثم أدخل فى دين آبائى وأترك الإسلام، فهذا هو الغرض وما أطول الكلام. فأمعن ليكرام نظره فى توسمه و سرّح الطرف فى ميسمه، فلبس عليه أمره قدرُ الرحمٰن، وظن أنه من الصادقين ومن الإخوان. فتلقّاه مُرحّبًا وقال رجعت إلى دار الفلاح، وامتزج به كالماء والراح، وأنزله فى كنف

अपने बाप दादा के धर्म में सम्मिलित हो और इस्लाम को छोड़ दे और यह कह कर फिर उसकी प्रशंसा आरंभ कर दी कि तू ऐसा और वैसा है और बहुत से लोगों को कुमार्ग से तूने बचाया है और तेरे नाम की बहुत प्रसिद्धि हुई है और मालूम हुआ है कि इस्लाम का खंडन लिखने में तुझे निपुणता है इसलिए मैं दूर से तुझ से अध्यात्म लाभ प्राप्त करने के लिए आया हूं और लोगों ने मना किया परंतु मैंने अपने निर्णय में सुस्ती नहीं की। परंतु यह बात है कि कुछ संदेह मेरे हृदय में है और मैं आशा रखता हूं कि तू मेरी ग़लतियों को क्षमा करे और मेरे इन प्रश्नों के उत्तर दे, फिर मैं इस्लाम को छोड़कर अपने बाप दादा के धर्म में सम्मिलित हो जाऊंगा। तब लेखराम ने उसको खूब ध्यान से देखा और ख़ुदा तआला ने उस यात्री के दिल के इरादे को उस से छुपाए रखा और उसने समझा कि यह सच्चा है और हमारे भाइयों में से है, अत: उसने सुस्वागतम कह कर उसको स्वीकार कर लिया और उसके साथ इस प्रकार मिला जिस प्रकार पानी और शराब मिलते हैं

الاهتمام، و تصدّى له بالاعزاز والإكرام. ثم جعل يُخبر قومه كالفرِحين المبشرين، وينادى أنه ارتدّ من دين المسلمين. وأكل معه وتغدّى، وما درى أنه سيتردّى، و كان هو يُخفى مولده ومنبعه، لكى يُجهل مربعه. و كان يسير فى المصر مواريًا عن الخلق عيانه، ومخفيا مقره ومكانه. حتى انتهى الامر إلى يوم موعود، فدخل عليه على غرارته كمحبّ و ودود. وأمهله ريثما يصفوا الوقت من الحضار، ويذهب من جاء من الزُوّار. ثم سطا عليه كرجل فاتك كميش الهيجاء، وجنّبه بسكين بلغ إلى الاحشاء، و أشرعه إلى الامعاء، حتى قطعها وتركها فى سيل الدم كالغثاء. و كان هذا يومٌ بعد يوم العيد كما قُرّر من الله فى المواعيد. وإذا ظن القاتل أنه أخرج نفسه الخسيسة، فهرب وترك داره الخبيثة، ثم غاب عن أعين الناس كالملائكة. وما

और अपनी दया उस पर दिखाई और सम्मान और प्रतिष्ठा के साथ व्यवहार किया फिर अपनी क़ौम को प्रसन्नता के साथ सूचित किया और फिर बताता रहा कि यह व्यक्ति मुसलमान हो गया था फिर हिंदू धर्म स्वीकार करने के लिए आया है और वह व्यक्ति उससे अपना जन्म स्थान छुपाता रहा ताकि उसके घर का पता न चले और वह शहर में छुप-छुपकर फिरता था और उसका निवास स्थान किसी को ज्ञात न था यहां तक कि लेखराम की निर्धारित मृत्यु का दिन आ गया और यह व्यक्ति उस दिन लापरवाही के समय उसके दोस्तों की तरह उसके पास गया और उसको इतनी मोहलत दी कि जिस में उपस्थित लोगों से वह ख़ाली हो जाए और जो मिलने के लिए आए हैं वे चले जाएँ। जब उसके लिए खाली समय निकल आया और लेखराम को उसने लापरवाही में पाया तब तुरंत उस पर एक तेज़ कोड़ा मारने वाले व्यक्ति की तरह आक्रमण किया और चाकू के साथ उसकी पसली तोड़ कर उस चाकू को आंतों तक पहुंचा दिया और फिर आंतों को ऐसे टुकड़े-टुकड़े

رآه أحد إلى هذه المدّة، فما أعلم أصعد إلى السماء أو ستره الله بالرّداء. وأمّا المقتول فدُقَّ بجروح، ولكن كانت فيه بقية روح، وقال احملوني إلى دار الشفاء، فحملوه وما وجدوا فيه أحدًا من الاطباء، فقال يا أسفٰى علىٰ قسمتي، قد غاب الاطباء من شقوتي. ثم جاءه الطبيب بعد تمادي الاوقات. وما بقي فيه إلّا رمق الحياة. فعمل أعمالًا وما زاد إلّا نكالًا، وقال الموت شمير والبرء عسير، وانقطع الرجاء وزاد البرحاء. حتى إذا جثم ليلة هذه الواقعة، فجعل الحليلة ثيّبا، وشرب كأس المنيّة، ووقع في أحواض غُثَيم، ورأى جزاء ظلم وضيم، وكذالك يجزى الله الظالمين. فارتفعت الاصوات من البكاء، وبلغ الصراخ إلى السماء، وسمعتُ أن عيناه استعبرت في آخر حينه بما رأى آية الحق بعين يقينه. وأصبح قومه قد طارت حواسهم، وضلّ

---

किया कि वह रक्त के ऊपर इस प्रकार तैरती थीं जैसे कि बाढ़ के ऊपर कूड़ा-करकट तैरता है और यह दिन ईद के दिन से दूसरा दिन था जैसा कि ख़ुदा तआला के वादा में निर्धारित था और जब वध करने वाले ने देखा कि उसने उसका वध कर दिया तो वह उसके घर को छोड़कर भागा फिर फरिश्तों की तरह आंखों से ओझल हो गया और इस समय तक किसी को उसका नामों निशान न मिला। न मालूम कि वह आसमान पर चला गया या ख़ुदा ने उसको अपनी चादर के नीचे ढक लिया। लेखराम घावों से बुरी तरह घायल किया गया परंतु अभी उसमें जान बची थी। तब उसने कहा कि मुझे अस्पताल में ले चलो, अत: उसको ले गए परन्तु वहां डॉक्टर को मौजूद नहीं पाया तब लेखराम ने कहा हाय मेरी किस्मत मेरे दुर्भाग्य से डॉक्टर भी उपस्थित नहीं है फिर कुछ समय के बाद डॉक्टर आया और अपना कार्य किया परंतु व्यर्थ था और डॉक्टर ने संकेत दे दिया कि जान का बचना कठिन है। फिर जब आधी रात गुज़र गई तो लेखराम की मृत्यु हो गई। और

قياسهم، بما أباد الله نجيّهم، واسترى الموت سريّهم، و كانوا يتيهون فى الارض مقترين مستقرين، لعلهم يجدوا أثرا من قاتل أو يلاقوا بعض المخبرين. ولمّا استيأسوا فقال بعضهم إن هذا إلّا سرّ ربّ العالمين، و لم يزل أسفهم يتزايد والامر عليهم يتكائد وصاروا كالمجانين و كانوا لا يُفرّقون بين الدّجىٰ والضّحىٰ، وزال تدلّلهم من الشجىٰ بما تمت الحجة عليهم وفدحهم ديون المسلمين. وحسبوا موته نكبة عظيمة، ونائية عميمة، وأُرجف المسلمون وقيل إن الآرية سيقتلون أحدًا من سراة الإسلام ليأخذوا ثأرهم ويشفوا صدورهم بالانتقام. فأمّن الله المسلمين ممّا كانوا يُحَذّرون، وألقٰى عليهم الرعب فكفّوا الالسن وهُم يخافون، وجعل قلوبهم شتّى فطفقوا يتخاصمون، والله غالب على أمره ولو كانوا لا يعلمون. ولم

मैंने सुना है कि मरते समय उसकी आंखों में आँसू भरे थे क्योंकि ख़ुदा की भविष्यवाणी का पूरा होना उसको याद आया और उसकी मृत्यु के पश्चात उसकी क़ौम के होश उड़ गए क्योंकि मृत्यु ने उनके एक चुने हुए व्यक्ति को ले लिया और वह जगह-जगह शहर-शहर उसकी तलाश में फिरने लगे ताकि क़त्ल करने वाले का उनको सुराग मिले या किसी ख़बर देने वाले से भेट हो और जब निराश हो गए तो कुछ लोगों ने कहा कि यह तो ख़ुदा का विशेष रहस्य है और उनका दुख बढ़ता गया और कार्यों में कठिनाइयां बढ़ती गईं और दीवानों की भांति हो गए और दुख के कारण अंधकार और रोशनी में अंतर नहीं कर सकते थे और उनका समस्त अभिमान दुख के कारण समाप्त होता गया क्योंकि उन पर हुज्जत पूरी हो गई और वह मुसलमानों के कर्ज़ के भार तले आ गए और उसकी मृत्यु को उन्होंने बड़ी मुसीबत समझा और एक सामान्य घटना विचार किया और लोगों ने यह ख़बरें भी उड़ाईं कि वे लोग कहते हैं कि मुसलमानों के प्रतिष्ठित लोगों में से किसी का हम

تستقم لهم ما سوّلوا من المكائد، ثم استأنفوا مكيدة أخرىٰ كالصائد، وأغروا الحكّام ليدخلوا دارى مفتشين، ويطلبوا أثرًا من القاتلين، فخذّل الله أولياء الطاغوت، وردّ عليهم ما أحكموا من الكيد المنحوت، فرجعوا خائبين كالمجنون المبهوت. ولمّا لم تضطرم نيرانهم، ولم تنصرهم أوثانهم، استطلعوا أكابرهم ما عندهم من الآراء، وشاوروهم فى أمر الصلح والمراء. فقالوا لم تبق قوة وما يترقب من جهة نصرة، وقال اخيارهم إلى متىٰ هذه التنازعات وقد اختلّ المعاملات. ومع ذالك خوّفهم هول الطاعون وفجأة المنون، فاختاروا السلم فى هذه الايام. فالحاصل أن هذه الآية آية عظيمة من الله العلّام، هو الله الذى يجيب المضطر إذا دعاه، ولا يُخيّب من رجاه، ولا يُضيع من

भी वध करेंगे ताकि लेखराम का बदला लें और दिल में ठंड पड़े अत: ख़ुदा ने उनके छल से मुसलमानों को सुरक्षित रखा और उन पर रौब पड़ गया, अत: उन्होंने अपने मुख बंद कर लिए और ख़ुदा ने उनमें आपस में फूट डाल दी और ख़ुदा जो चाहता है करता है और अपने षड्यंत्रों में उन्हें सफलता न मिली। फिर नए सिरे से एक और छल सोचा और अधिकारियों को मेरे घर की तलाशी कराने के लिए प्रेरित किया परंतु ख़ुदा ने इसमें भी उन्हें निराशा प्रदान की और अंतत: उन्हीं को लज्जित होना पड़ा। फिर जबकि उनकी आग भड़क न सकी और उनकी मूर्तियों ने उनकी सहायता नहीं की तो फिर वे लोग मुसलमानों के साथ सुलह करने के लिए आपस में विचार-विमर्श करने लगे और उनमें से अच्छे आदमियों ने कहा कि अब सुलह उचित है क्योंकि इस मामले में उनकी पराजय हो गई और इसी तरह उनको प्लेग ने भी डराया तो उन दिनों में उन्होंने सुलह कर ली और यह ख़ुदा तआला की ओर से निशान है। वह वही सर्वशक्तिमान ख़ुदा है जो बेचैन लोगों की दुआ सुनता है और आशा

استرعاه، له الحمد والجلال والعظمة. ولقد ملكتنا فى آيه
الحيرة واغرورقت العين بالدموع، فهل من رشيد ينتفع بهذا
المسموع؟ وما هذا إلّا إعجاز خاتم الانبياء، وشهادة طريّة علٰى
صدق نبوّته من حضرة الكبرياء، فتدبّروها يا معشر السعداء،
رحمكم اللّٰه فى هذه وفى يوم الجزاء.

ولى آيات أخرىٰ قد تركتها اجتنابا من التطويل،
و كفاك هذه إن كنت خائفا من الرب الجليل. واعلم
أن الاصول المحكم فى معرفة صدق المأمورين أن تنظر
إلى طرق تثبت بها نبوّة النبيين. وما كان نبى إلّا مكر فى
أمره المكّارون، وسخر من آيه المستنكرون، وحقّروا
شأنها بل كانوا بها يستهزئون، وقالوا فليأت بآية كما

---

रखने वालों को निराश नहीं करता और जो व्यक्ति उसकी शरण चाहता है उसको असफल नहीं करता समस्त प्रशंसाएं, प्रताप और प्रतिष्ठा उसी के लिए हैं और उसके निशानों पर नज़र डालकर आश्चर्य होता है और आँखें आंसुओं से भर जाती हैं। अत: क्या कोई बुद्धिमान है जो इन बातों से लाभ प्राप्त करे और यह निशान वास्तव में हमारे नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का चमत्कार है और आपके सच्चे नबी होने पर एक ताज़ा गवाही है अत: इस पर ध्यान दो, ख़ुदा तआला तुम पर रहम करे।

और इनके अतिरिक्त और भी बहुत से निशान हैं जिनको मैंने विषय के लम्बा हो जाने के भय से वर्णन नहीं किया, और यदि तुझे कुछ ख़ुदा का भय हो तो तेरे लिए यही बात है और ख़ुदा के भेजे हुए को पहचानने का यह सिद्धांत है कि उनको उस मार्ग से पहचाना जाए जिस मार्ग से नबियों की नुबुव्वत पहचानी जाती है। इसलिए मेरा इन्कार करना कोई अनोखी बात नहीं, क्योंकि प्रत्येक नबी से हंसी ठठ्ठा किया गया और बावजूद इसके कि विरोधियों ने निशान तथा ख़ुदा तआला के समर्थन

أرسل الاولون. مع أنهم رأوا آيات، وشاهدوا تأييدات، فمن الواجب على الابرار أن يجتنبوا طرق هذه الكفار، ويستقروا سبل المؤمنين، وإن أعرضتم فلن تضرّوا الله شيئا والله غنى عن العالمين.

---

देखे फिर भी कहा कि निशान दिखाओ, अत: नेक लोगों को चाहिए कि इन काफिरों के तरीकों से बचें और मोमिनों की तरह चलें और यदि तुम मुंह फेरो तो कुछ परवाह नहीं अल्लाह का तुम कुछ बिगाड़ नहीं सकते।

# خاتمة الكتاب

اعلموا أن الروايات فى المهدى والمسيح كثيرة، وجميعها متخالفة و متعارضة، وما اطّلعنا على مسانيد أكثر تلك الآثار، وما علمنا طرق توثيق كثير من الاخبار، والقدر المشترك أعنى ظهور المسيح الحكم المهدى ثابت بدلائل قطعية، وليس فيه من كلمات مشككة. وأمّا غيره من الروايات، ففيها اختلافات وتناقضات حيّرت عقول المحدّثين، وأظلمت دراية المتقين، وجنّ ليل الاستهامة على العالمين. وجمعوا تناقضات فى أقوالهم، وما نقّحوا قولا

# समापन

जानना चाहिए कि महदी और मसीह के बारे में बहुत सी रिवायतें हैं और वे सब की सब एक दूसरे के विपरीत और अधूरी हैं और अधिकतर रिवायतों के प्रमाणों की हमें जानकारी नहीं मिली और उनके प्रमाणित समझने की हमें मालूमात प्राप्त नहीं हुई और अधिकतर उन रिवायतों में एक बात अर्थात एक व्यक्ति का प्रकट होना जिसका नाम मसीह और हकम (निर्णायक) और महदी है, अकाट्य तर्कों से सिद्ध है और इसमें कोई संदेह करने वाला नहीं और अन्य रिवायतों में मतभेद और कमियाँ हैं जिस में मुहद्दिसों की बुद्धि चकित है और फ़क़ीहों (अर्थात धर्मशास्त्रियों) की बुद्धि अंधकार में हैं और ज्ञानियों के हृदय पर चिंता की रात आई हुई है और उन्होंने बहुत सी विपरीत बातें अपने कथनों में जमा की हुईं हैं और किसी बात को तर्क के साथ जोड़ कर वर्णन नहीं किया और

باستدلالهم، ووقعوا فی دُؤلول کالهائمین. فقیل إن المهدی من بنی العباس، وقیل هو من بنی الفاطمة التی هی من أزکی الناس. وقیل هو رجل من بنی الحسین، وقیل هو من آل رسول الثقلین، وقیل هو رجل من أمّة سیّد الکونین. وقیل لا مهدی إلّا عیسی، و کذالك اختلف فی نزول عیسٰی، فالقرآن یشهد أنه مات ولحق الموتٰی، وقیل أنه ینزل من السماوات العلٰی، وأنه حیّ وما مات وما فنا، وقال قوم أنه مات کما بیّن الفرقان الحمید، ولا یُخالفه إلّا العنید. وقال هؤلاء انه لا ینزل إلّا علی طور البروز، وذهب إلیه کثیر من المعتزلة و کرام الصوفیة من أهل الرموز. والذین اعتقدوا بنزوله من السماء فهم اختلفوا فی محلّ النزول وتفرقوا فی الآراء،

आश्चर्य के भंवर में पड़े हुए हैं। अत: कुछ कहते हैं कि महदी अब्बासी वंश में से होगा और कुछ विचार करते हैं कि वह फ़ातिमा की संतान से है और कुछ उसको हुसैन की क़ौम में से समझते हैं, और कुछ केवल रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की संतान में से विचार करते हैं और कुछ उसको उम्मत में से एक व्यक्ति मानते हैं, और कुछ कहते हैं कि कोई दूसरा महदी नहीं, ईसा ही महदी है और वही आएगा और दूसरा कोई नहीं होगा और इसी प्रकार और भी विचार हैं। और इसी प्रकार मसीह के आने पर मतभेद है। अत: क़ुर्आन गवाही देता है कि ईसा अलैहिस्सलाम मृत्यु को प्राप्त हो चुके हैं और दूसरा कथन यह है कि वह आकाश से उतरेंगे और वह जीवित हैं मरे नहीं और एक क़ौम ने यह कहा है कि वह वास्तव में मर गया है जैसा कि क़ुर्आन फ़रमाता है और इस कथन का विरोध वही करेगा जो सच के मुक़ाबले पर व्यर्थ झगड़ता है। और जो लोग उसकी मृत्यु का समर्थन करते हैं उनमें से कुछ कहते हैं कि मसीह का आना प्रतिरूप के तौर पर होगा और मुसलमानों के एक संप्रदाय का

فقيل إنه ينزل بدمشق عند منارة، ويوافى أهله على غرارة، وقيل ينزل ببعض معسكر الإسلام، وقيل بأرض وطأها الدجّال وعاث فى العوام، وقيل إنه ينزل بمكة أمّ القرى، وقيل ينزل بالمسجد الاقصى، و كذالك قيل أقوال أخرىٰ. وزادت الاختلافات بزيادة الاقوال حتى صار الوصول إلى الحق كالامر المحال. وقد ورد فى أخبار خير الكائنات، عليه أفضل الصلٰوة والتحيات، أن المسيح يرفع الاختلافات، ويجعله الله حَكمًا فيحكم فيما شجر بين الامة من اختلاف الآراء والاعتقادات. فالذين يُحكّمونه فى تنازعاتهم ثم لا يجدوا فى أنفسهم حرجًا مما قضٰى لرفع اختلافاتهم، بل يقبلونه لصفاء نيّاتهم، فأولٰئك هم المؤمنون حقّا وأولئك من

और बड़े-बड़े सूफियों का यही विश्वास है। और जो लोग आसमान से उतरने का समर्थन करते हैं उनमें से कुछ कहते हैं कि वह दमिश्क के मीनार के पास उतरेगा और कुछ उसके उतरने का स्थान इस्लाम की सेना ठहराते हैं और कुछ वह जो दज्जाल के आने का स्थान है और कुछ मक्का मुअज़्ज़मा और कुछ बैतुल मुक़द्दस और कुछ अलग-अलग उसके उतरने का स्थान क़रार देते हैं। और हदीस में यह भी आया है कि इन मतभेदों का निवारण स्वयं मसीह करेगा और ख़ुदा तआला उसको निर्णय करने के लिए हकम (निर्णायक) नियुक्त कर देगा, अत: जो लोग उसको हकम स्वीकार कर लेंगे उसके निर्णय से परेशान नहीं होंगे और साफ नियत से स्वीकार करेंगे वही सच्चे मोमिन होंगे और जो लोग स्वीकार नहीं करेंगे वे कहेंगे कि जिस आस्था पर हमने अपने पूर्वजों को पाया, वही विश्वास हमारे लिए पर्याप्त है और उनको इस बात से आश्चर्य है कि कैसे ख़ुदा तआला की ओर से एक आदेश देने वाला (नबी) आ गया और उन्होंने कहा कि यह तो झूठा व्यक्ति है जबकि

المفلحين. ويقول الذين أعرضوا حسبنا ما وجدنا عليه آباء نا ولو كان آباؤهم من الخاطئين. وعجبوا أن جاء هم مأمور من ربهم وقالوا إن هذا إلّا من المفترين وقد كانوا من قبل علىٰ رأس المائة من المنتظرين. وإنه جاء!هم لإعزازهم، وجهّزهم بجهازهم، وآتاهم ما يُفحم قومًا مفسدين. أما عرفوا وقته أو جاء عندهم فى غير حين؟ وإن أيام الله قد أتت، وقرب يوم الفصل فبشرىٰ للذين يقبلونه شاكرين. يريدون أن يطأوا ما أراد الله أن يُعليه ويُجادلون بغير علم وبرهان مبين. و كتب الله أن يجعل عباده المرسلين غالبين، فليحاربوا الله إن كانوا قادرين، وما كان الامر مشتبها ولكن قست قلوبهم فصاروا كالعمين.

أيها الناس. لم تكفرون بآيات الله وقد رأيتموها بأعينكم. أليس فيكم رشيد أمين. وإنكم سخرتم من عبد

---

पहले सदी के आरम्भ में प्रतीक्षा कर रहे थे और वह उनको सम्मान देने के लिए आया और उसने उनका समस्त सामान तैयार किया और साधन उनको दिए जिससे विरोधी निरुत्तर हो जाएँ। क्या उन्होंने उस अवतार के समय को पहचाना नहीं या वह उनके पास गलत समय पर आया है और निश्चित रूप से ख़ुदा तआला के दिन आ गए और निर्णय का दिन निकट हो गया, अत: उन लोगों के लिए ख़ुशख़बरी है जो शुक्र के साथ स्वीकार करें। क्या उनकी यह इच्छा है कि जिसको ख़ुदा तआला बुलंद करना चाहता है उसको कुचल दें और व्यर्थ में बहस करते रहे और ख़ुदा ने तो यह लिख छोड़ा है कि उसके द्वारा भेजे हुए लोग विजयी होंगे, अत: क्या वे ख़ुदा से लड़ सकते हैं। और बात संदिग्ध नहीं थी परंतु उनके हृदय कठोर हो गए, अत: वे अंधों के समान हो गए।

हे लोगो! क्यों ख़ुदा के निशानों का इन्कार करते हो और तुमने स्वयं अपनी आंखों से उनको देखा क्या तुम में कोई भी बुद्धिमान नहीं और तुमने

الله المأمـور، و كدتـم تقتلونـه بالسـيف المشـهور، ولكـن الله ألقى عليكم رعـب السـلطنة، ولـولا هـذه لسـطوتم عـلى عبـاد الله المرسـلين، وقـد تبـين الحـق فسـوّلت لكـم أنفسـكم معاذيـر ومـا أمعنتـم كالخاشـعين، فنفـوّض أمرنـا إلى الله وهـو أحكـم الحاكمـين.

**راقم**

**میرزا غلام احمد القادیانی ضلع گورد اسپور پنجاب**

**۲۰ نومبر ۱۸۹۸ء**

---

ख़ुदा के भेजे हुए व्यक्ति से हंसी ठठ्ठा किया और निकट था कि तुम उसका तलवार से वध कर देते परंतु ख़ुदा ने तुम पर सरकारी क़ानून का भय डाला और यदि यह सल्तनत न होती तो तुम ख़ुदा के भेजे हुए बन्दों पर आक्रमण करते और सच्चाई सामने आ गई और तुमने व्यर्थ में बहाने बनाए और विचार न किया। अतः हम अपने मामले को ख़ुदा तआला के सुपुर्द करते हैं और वह सबसे उत्तम निर्णय करने वाला निर्णायक है।

**लेखक**

मिर्ज़ा ग़ुलाम अहमद क़ादियानी, ज़िला गुरदासपुर पंजाब

20 नवंबर 1898 ई०